बालाघाट
शनिवार 02 मई 2026
वैशाख कृष्ण 01 विक्रम संवत 2083
वर्ष 16, अंक 217
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

आतंकियों की सजा पर रोक से इनकार

जयपुर। जयपुर में 18 साल पहले हुए सीरियल बम धमाकों के दौरान जिंदा बम मिलने के मामले में दो आतंकियों को फिलहाल हाईकोर्ट ने राहत देने से इनकार कर दिया हैं। आंतकी मोहम्मद सरवर आजमी और शाहबाज अहमद की स्टे एप्लीकेशन को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया हैं। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की बैंच के दोनों आतंकियों को फिलहाल राहत देने से इनकार करने पर इन्हें जेल में ही रहना पड़ेगा। बता दे कि 4 अप्रेल 2025 को जयपुर बम ब्लास्ट की विशेष कोर्ट ने सैफुर्रहमान, मोहम्मद सैफ, मोहम्मद सरवर आजमी और शाहबाज अहमद को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। 13 मई को 2008 को जयपुर में 8 सीरियल ब्लास्ट हुए थे। 9वां बम चांदपोल बाजार के गेस्ट हाउस के पास मिला था।

खुदाई में मिला 11वीं शताब्दी का शिवलिंग

उज्जैन। महाकाल मंदिर परिसर में टनल निर्माण के लिए चल रही खुदाई के दौरान एक प्राचीन शिवलिंग मिला है, जिसे पुरातत्वविद करीब एक हजार वर्ष पुराना बता रहे हैं। यह खोज बुद्ध पूर्णिमा की तड़के उस समय हुई, जब महाकाल मंदिर में भस्म आरती चल रही थी। टनल निर्माण में जुटे कर्मचारियों को खुदाई के दौरान जमीन के भीतर शिवलिंग दिखाई दिया। इसकी सूचना तत्काल महाकाल मंदिर समिति और पुजारियों को दी गई। सूचना मिलते ही मंदिर के पुजारी मौके पर पहुंचे और विधिवत पूजन-अर्चन किया। फिलहाल शिवलिंग को उसी स्थान पर सुरक्षित रखा गया है। शिवलिंग के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने जल, पुष्प और बेलपत्र अर्पित कर पूजा की। पुरातत्वविद डॉ। रमण सोलंकी के अनुसार, यह शिवलिंग परमारकालीन प्रतीत होता है। इसकी बनावट और उस पर उकेरे गए चिह्न इसे 11वीं शताब्दी का बताते हैं। शिवलिंग पर कुछ प्राचीन अक्षर भी दिखाई दे रहे हैं, जो ब्राह्मी लिपि जैसे लगते हैं। सफाई और अध्ययन के बाद इसके बारे में और जानकारी सामने आ सकेगी।

अप्रैल में जीएसटी संग्रह बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली। अप्रैल में सकल जीएसटी संग्रह रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जीएसटी संग्रह 2.43 लाख करोड़ रुपये हो चुका है, जो पिछले साल अप्रैल माह की तुलना में 8.7 फीसदी अधिक है। पिछले साल अप्रैल में 2.23 लाख करोड़ रुपये का संग्रह हुआ था।

सरकार की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक घरेलू लेनदेन से सकल राजस्व 4.3 फीसदी बढ़कर 1.85 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

कुछ ना कहना

बरगी डैम में मृतकों की संख्या हुई नौ, पीएम ने व्यक्त किया शोक

मौतों का जिम्मेदार कौन...?

-जबलपुर क्रूज हादसे की जांच के आदेश...सीएम डॉ मोहन ने कहा- लोगों की जान बचाने वाले 15 अगस्त को होंगे सम्मानित

भोपाल। जबलपुर स्थित बरगी डैम में हुए क्रूज बोट हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। शुक्रवार को बचाव दल ने तीन और शव बरामद किए हैं। इस तरह से हादसे में कुल नौ लोगों की मौत हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे को लेकर शोक व्यक्त किया है। साथ ही मृतकों और घायलों के परिजनों के लिए केंद्र व राज्य सरकार ने आर्थिक मदद की घोषणा की है। वहीं क्रूज हादसे को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जांच के आदेश दिए हैं। उनका कहना है कि बरगी बांध में हुआ हादसा चक्रवात की वजह से हुआ है। उसकी विस्तृत जानकारी जांच रिपोर्ट के बाद ही मिल सकेगी। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि इस हादसे में मन को बेहद दुख पहुंचा। दुर्घटना में रेस्क्यू टीम के जिन सदस्यों ने लोगों को पानी से बाहर निकाला, उनका 15 अगस्त को सम्मान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को कहा कि बरगी बांध में हुई दुर्घटना चक्रवात की वजह से घटी है। हमने कल ही अपने पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, एसीएस संजय दुबे के साथ प्रशासनिक अधिकारियों को मौके पर भेजा। राहत-बचाव के लिए एनडीआरएफ-एसडीआरएफ को लगाया। मुझे मिली जानकारी के मुताबिक इस घटना में 29 लोगों को बचाया गया है। वहीं, राज्य के पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बताया कि अभी भी कुछ पर्यटक लापता हैं और उन्हें तलाशने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि बचाव कार्य पूरा होने के बाद हादसे की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वही इस मामले ने उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया कि जांच के आदेश दे दिए गए हैं। ताजा अपडेट के मुताबिक इस हादसे में नौ लोगों के शव मिल चुके हैं। जबकि 28 लोगों को बचा लिया गया है। वहीं, छह लोग अब भी लापता हैं। शुक्रवार सुबह मिली जानकारी के अनुसार, क्रूज में कुल 43 लोग सवार थे।

रेस्क्यू टीम ने किया तत्परता से काम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभी बरगी बांध में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हमने इस घटना को लेकर जांच के आदेश दिए हैं। इस हादसे की वजह से मन बहुत दुखी है। हमारी रेस्क्यू टीम तत्पर थी। उसने क्रूज को काटकर लोगों को पानी से बाहर निकाला है। रेस्क्यू टीम के जिन सदस्यों ने लोगों को निकाला है, हम उन्हें 15 अगस्त को सम्मानित करेंगे।

आर्थिक सहायता की घोषणा

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50,000 रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मृतकों के परिवारजनों को राज्य शासन की ओर से 4-4 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

बरगी बांध हादसे पर सरकार की सख्ती, क्रूज पायलट, हेल्पर, टिकट काउंटर प्रभारी की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त

जबलपुर के बरगी बांध में हुए क्रूज हादसे पर राज्य सरकार ने सख्ती दिखाई है। सीएम मोहन यादव ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। इसमें बताया गया है कि जबलपुर में बरगी जलाशय में हुए दुखद क्रूज हादसे में लापरवाही के मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई की गई है। क्रूज पायलट महेश पटेल, क्रूज हेल्पर छोटेलाल गोंड एवं टिकट काउंटर प्रभारी (स्काड) बृजेंद्र की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त की गई हैं। होटल मैकल रिसॉर्ट और बोट क्लब बरगी के मैनेजर सुनील मरावी को कार्य में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित किया गया है, जबकि रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्रा को मुख्यालय अटैच कर विभागीय जांच संस्थित की गई है।

28 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया

अधिकारियों के अनुसार, गुरुवार शाम अचानक आए तेज तूफान के चलते बरगी डैम में एक क्रूज बोट पलट गई थी। नाव में 43 लोग सवार थे। हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 28 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। यह डैम नर्मदा नदी पर बना हुआ है। लापता लोगों की तलाश के लिए सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें रातभर सर्च ऑपरेशन में जुटी रहीं। राज्य के पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि क्रूज बोट को पानी से बाहर निकालने के लिए हाइड्रोलिक क्रेन का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज हवाओं के कारण पानी में ऊंची लहरें उठने लगीं, जिससे नाव में सवार लोगों ने चालक दल से किनारे लौटने की गुहार लगाई। हालांकि, शोर के कारण चालक दल यह सुन नहीं सका और नाव बहते-बहते पलट गई। कुछ स्थानीय लोगों ने रस्सी की मदद से लाइफ जैकेट पहने यात्रियों को बचाने में मदद की।

मां के सीने से लिपटा मिला मासूम बेटे का शव

बरगी डैम में बचाव कार्य के दौरान जब टीमों ने एक मां और उसके चार साल के बेटे का शव निकाला, तो लोगों की रूह कांप उठी। मां के सीने से लिपटा मासूम बेटा देख मौके पर खड़े लोगों की आंखें छलक उठीं। मां और बेटे दोनों की जान चली गई, लेकिन मां ने आखिरी सांस तक बेटे को नहीं छोड़ा। मौत के बाद भी वह अपने ममता के आंचल में मासूम को समेटे हुए थी। यह दृश्य इतना मार्मिक था कि कठोर दिल वाले लोग भी सिहर उठे।

बरगी बांध हादसे पर नाराज सोनू सूद, आखिर कब तक लापरवाही के कारण लोगों की जान जाएगी

मध्यप्रदेश के बरगी बांध के पास नर्मदा नदी में क्रूज नाव पलटने की दर्दनाक घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस हादसे में अब तक नौ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई लोग अभी भी लापता हैं। राहत और बचाव दल लगातार सर्च ऑपरेशन में जुटे हुए हैं। कुछ यात्रियों ने तैरकर अपनी जान बचा ली, लेकिन कई परिवारों के लिए यह हादसा गहरे सदमे का कारण बन गया है।

इस घटना पर बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने गहरी चिंता और नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने सवाल उठाते हुए एक्स पर लिखा कि आखिर कब तक इस तरह की लापरवाही के कारण निर्दोष लोगों की जान जाती रहेगी। उन्होंने प्रशासन और व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े किए।

सोनू सूद ने याद दिलाया कि इसके पहले बिहार और वृंदावन में भी ऐसी नाव दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिसमें कई लोगों की जान गई थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले भी हर यात्री के लिए लाइफ जैकेट अनिवार्य करने की अपील की थी, लेकिन इसके बावजूद लगातार हादसे हो रहे हैं।

अभिनेता सूद ने सुझाव दिया कि अब समय आ गया है कि नाव संचालन के लिए सख्त नियम लागू करे। उन्होंने मांग की कि कोई भी नाव तब तक रवाना न हो जब तक सभी यात्रियों ने लाइफ जैकेट नहीं पहनी हो। इसके साथ ही उन्होंने एक सरकारी पोर्टल बनाए जाने की भी बात कही, जहां हर यात्रा से पहले यात्रियों के लाइफ जैकेट पहनने का डिजिटल और समय-चिह्नित रिकॉर्ड अपलोड किया जाए।

अभिनेता सूद ने कहा कि केवल सख्त जवाबदेही और निगरानी प्रणाली ही इसतरह के हादसों को रोक सकती है। उनका मानना है कि यदि नियमों का सही तरीके से पालन किया जाए, तब कई जानें बचाई जा सकती हैं।

पश्चिम बंगाल के 15 बूथों में आज पुनर्मतदान

-ईवीएम से छेड़छाड़ और हिंसा की मिलीं थीं शिकायतें
-कोलकाता में स्ट्रॉन्ग रूम के आस-पास भीड़ पर पाबंदी

कोलकाता। ईवीएम से छेड़छाड़ और हिंसा की शिकायतों के मद्देनजर चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के 15 बूथों पर पुनर्मतदान कराने का फैसला किया है। दोबारा मतदान शनिवार को कराया जाएगा। विवादों के चलते सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार 29 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान डायमंड हार्बर के 4 और मगराहट पश्चिम के 11 बूथों पर हिंसा, झड़प और ईवीएम से छेड़छाड़ की शिकायतें सामने आई थीं, जिससे मतदान प्रक्रिया प्रभावित हुई। इस बीच कोलकाता में ईवीएम की सुरक्षा को लेकर विवाद बढ़ने के बाद प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। शहर के 7 स्ट्रॉन्ग रूम के 200 मीटर के दायरे में पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही केंद्रीय अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) की लगभग 700 कंपनियां तैनात की गई हैं, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

यह निर्णय गुरुवार रात खुदीराम अनुशीलन केंद्र स्थित स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर हुए विरोध-प्रदर्शन के बाद लिया गया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भाजपा कार्यकर्ताओं ने करीब पांच घंटे तक धरना दिया। टीएमसी ने आरोप लगाया कि बिना सूचना के स्ट्रॉन्ग रूम खोला गया और ईवीएम से छेड़छाड़ की आशंका है, साथ ही वहां संदिग्ध लोगों की मौजूदगी का भी दावा किया। हालांकि भारत निर्वाचन आयोग ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि उस समय केवल पोस्टल बैलेट की छंटाई की जा रही थी और सभी ईवीएम पूरी तरह सुरक्षित हैं। आयोग ने यह भी कहा कि त्रिपल लेयर सुरक्षा व्यवस्था के चलते ईवीएम से छेड़छाड़ संभव नहीं है। प्रशासन ने एहतियातन सख्ती बढ़ाते हुए स्थिति पर नजर बनाए रखी है, ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

मान सरकार ने पास किया फ्लोर टेस्ट

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के विधायकों के भाजपा में जाने की अफवाहों के बीच पंजाब विधानसभा में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी सरकार ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। 94 में से 88 विधायकों ने सरकार के पक्ष में वोट दिया। वहीं 4 विधायक गैरहाजिर रहे, जबकि 2 विधायक लालजीत सिंह भुल्लर और हरमीत सिंह पठानमाजरा जेल में बंद हैं। इस दौरान कांग्रेस, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के विधायक मौजूद नहीं रहे। सीएम भगवंत मान ने कहा कि इसकी कॉपी राष्ट्रपति के पास लेकर जाऊंगा।

उधर, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर शिरोमणि अकाली दल ने विधानसभा के अंदर शराब पीकर आने का आरोप लगाया है। इस संबंध में अकाली दल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल से सीएम मान का एक वीडियो भी जारी किया और इस कृत्य को शर्मनाक बताया। दूसरी ओर भाजपा ने भी इसे संविधान और विधानसभा की मर्यादा का अपमान बताते हुए मुख्यमंत्री की आलोचना की है। इस पर कांग्रेस और अकाली दल ने सीएम की डोप टेस्ट कराने की मांग की है। दरअसल, मुख्यमंत्री भगवंत मान का एक एक्स पर वीडियो जारी करते हुए शिरोमणि अकाली दल ने लिखा, यह अत्यंत शर्मनाक बात है कि भगवंत मान, आज 'मजदूर दिवस' के अवसर पर मुख्यमंत्री शराब पीकर विधानसभा के पवित्र कक्ष में पहुंचे। आप स्वयं देख सकते हैं कि मुख्यमंत्री विधानसभा में कैसा व्यवहार कर रहे हैं। शिरोमणि अकाली दल मुख्यमंत्री के इस आचरण की कड़ी निंदा करता है और कहता है कि उन्हें इस दिन शराब पीकर नहीं आना चाहिए था।

राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत

प्रयागराज। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 15 जनवरी 2025 को नए कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन के उद्घाटन के मौके पर एक बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि हमारी लड़ाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी और इंडियन स्टेट से है। इस बयान में इंडियन स्टेट पर हंगामा मच गया। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने राहुल गांधी को देशविरोधी बताते हुए मोर्चा खोल दिया था। इसे लेकर राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक याचिका भी दायर हुई थी। इस पर अब हाईकोर्ट का फैसला आ गया है। इलाहाबाद

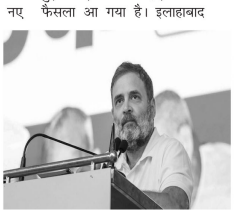

हाईकोर्ट ने शुक्रवार को ओपन कोर्ट में अपना फैसला सुनाते हुए यह याचिका खारिज कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट में यह याचिका सिमरन गुप्ता ने दायर की थी।

सिमरन गुप्ता ने पहले संभल की चंदौसी कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ निगरानी की याचिका दाखिल की थी। चंदौसी कोर्ट ने 7 नवंबर 2025 को इस याचिका पर अपना फैसला सुनाया था। चंदौसी कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी। चंदौसी कोर्ट के फैसले को सिमरन गुप्ता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट में 8 अप्रैल को सुनवाई पूरी हो गई थी। सुनवाई पूरी होने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सिवनी हवाला लूटकांड में डीएसपी को बड़ी राहत

हाईकोर्ट ने कहा- कॉल डिटेल के आधार पर नहीं बनता अपराध, एफआईआर और चार्जशीट रद्द

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने सिवनी के बहुचर्चित डेढ़ करोड़ हवाला लूट मामले में डीएसपी पंकज मिश्रा सहित तीन अन्य को बड़ी राहत दी है। इसके साथ ही उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर और चार्जशीट रद्द करने आदेश दिए है। यह बहुचर्चित मामला सिवनी के लखनवाड़ा क्षेत्र में 9 अक्टूबर 2025 को दर्ज किया गया था। इस मामले में आरोप है कि महाराष्ट्र के जालना से आ रही एक ट्रेटा कार को पुलिस ने रोका था। शिकायतकर्ता के अनुसार 2 करोड़ 96 लाख रुपए में से 1 करोड़ 45 लाख पुलिस अधिकारियों ने अपने पास रख लिए थे। इस कथित लूट में तत्कालीन एसडीओपी पूजा पांडे को मुख्य आरोपी बनाया गया था।

इस मामले में डीएसपी पंकज मिश्रा पर यह आरोप लगया गया था कि उन्होंने जबलपुर क्राईम ब्रांच की सूचना को एसडीओपी पूजा पांडे तक पहुंचाया। 8 अक्टूबर 2025 की रात सिवनी में एसडीओपी पूजा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सीलोदेही चौक पर महाराष्ट्र के हवाला कारोबारी सोहनलाल परमार की कार को रोका, तब उसमें से 2 करोड़ 96 लाख रुपए की रकम बरामद की थी। आरोपित है कि पुलिस टीम ने पूरी रकम जब्त की, लेकिन रिकॉर्ड में महज 1.45 करोड़ की जब्ती दिखाई गई। मामला सामने आने पर लखनवाड़ा थाना में एसडीओपी पूजा पाण्डेय, डीएसपी पंकज मिश्रा सहित 11 पुलिसकर्मियों पर प्रकरण दर्ज किया गया था।

डीएसपी पंकज मिश्रा, आरक्षक प्रमोद सोनी और जबलपुर के व्यापारी पंजू गिरी गोस्वामी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर पुलिस की एफआईआर को चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान आरोपियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष दत्त, प्रकाश उपाध्याय और अधिवक्ता अंकित सक्सेना ने दलीले पेश की। सभी पक्षों को सुनने के बाद एकलपीठ ने तीनों को राहत दे दी। हाईकोर्ट ने पाया कि आरोप केवल अनुमान और शक पर आधारित है। कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) मात्र से अपराध सिद्ध नहीं होता। पुलिस अधिकारी होने के नाते सूचना साझा करने का हक है। मामले में याचिकाकर्ताओं पर साजिश के आवश्यक तथ्य मौजूद नहीं हैं। लिहाजा याचिकाकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा चलाना कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। इस पर कोर्ट ने साफ कहा कि बातचीत का कोई रिकॉर्ड और ट्रांसक्रिप्ट पेश नहीं की गई, जिससे कोई साजिश साबित हो सके। कोर्ट में दलील दी गई कि डीएसपी मिश्रा के पास से कोई भी रकम बरामद नहीं हुई और न ही किसी शिकायतकर्ता ने उनका नाम लिया। हाईकोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि संदेह कितना भी गहरा हो, सबूत की जगह नहीं ले सकता।

परिणाम खराब देने वाली शालाओं में शिक्षकों पर कार्यवाही के निर्देश

कलेक्टर ने लालबर्रा में सभी विभागों के खंड स्तीरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ली बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कलेक्टर मृणाल मीना ने 01 मई को जनपद पंचायत कार्यालय सभाकक्ष लालबर्रा में सभी विभागों के खंड स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री डी पी बर्मन, वारासिवनी एसडीएम श्री कार्तिकेय जायसवाल भी उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम लालबर्रा ब्लाक में कुपोषित बच्चों के चिन्हांकन एवं उनके उपचार की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने कम प्रगति वाले सेक्टर की पर्यवेक्षक एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता से वन-टू-वन चर्चा की और निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र के एसएएम श्रेणी के बच्चों को चिन्हित कर उनका उपचार करायें और उन्हें कुपोषण से मुक्त कराने के लिए काम करें। इसी प्रकार एमएएम श्रेणी के बच्चों को भी चिन्हित करने कहा गया। उन्होंने बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों को अपने क्षेत्र के आंगनवाड़ी केन्द्रों का सतत भ्रमण करने एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के काम पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कुपोषित बच्चों के चिन्हांकन एवं उनके उपचार में लापरवाही बरतने वाली पर्यवेक्षक एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता पर कार्यवाही करने कहा। समीक्षा के दौरान पाया गया कि नैतरा सेक्टर की आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक भारती मेश्राम के सेक्टर में कुछ कार्यकर्त्ता द्वारा पोषण ट्रेकर एप्प पर गलत आकड़े दर्ज किये गये हैं, जिसके कारण जिले की प्रगति प्रभावित हो रही है। कलेक्टर श्री मीना ने इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर की और पर्यवेक्षक भारती मेश्राम की एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिये। उन्होंने सख्त निर्देश दिये कि 03 से 06 वर्ष आयु का कोई भी बच्चा पोषण ट्रेकर एप्प पर पंजीयन से नहीं छूटना चाहिए। उन्होंने 03 से 06 वर्ष आयु के सभी बच्चों को स्कूल पूर्व शिक्षा के लिए प्राथमिक शालाओं में पंजीयन कराने के निर्देश दिये।

स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान गर्भवती माताओं की एएनसी के लिए अनमोल पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिये गये। अनमोल पोर्टल पर गत वर्ष की तुलना में कम पंजीयन वाली सीएचओ एवं एएनएम के विरूद्ध कार्यवाही की चेतावनी दी गई। मानपुर, गर्रा, पाथरसाही एवं लेंडेझरी में गर्भवती माताओं का पंजीयन कम पाये जाने पर इन केन्द्रों की सीएचओ एवं एएनएम पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। गर्भवती माताओं का संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने एवं घर पर प्रसव नहीं होने देने के निर्देश दिये गये। समीक्षा के दौरान पाया गया कि सीएचओ एवं एएनएम द्वारा अपने कार्यस्थल पर न जाकर सार्थक एप्प पर घर बैठे ही हाजरी लगाई जा रही है। इस स्थिति पर कलेक्टर श्री मीना ने नाराजगी जाहिर की और सख्त निर्देश दिये कि स्वास्थ्य केन्द्र पर न जाकर घर बैठे हाजरी लगाने वाले स्वास्थ्य कर्मचारियों पर सख्त कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के सभी सीएचओ, एएनएम एवं अन्य कर्मचारियों को वेतन का भुगतान सार्थक एप्प की हाजरी के आधार पर ही किया जायेगा।

श्रम विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान लालबर्रा विकासखंड

में 395 श्रमिकों के संबल योजना में पंजीयन लंबित है। इसी प्रकार संबल योजना के 659 हितग्राहियों को अनुग्रह राशि का एवं 17 हितग्राहियों को अंत्येष्टि सहायता का भुगतान लंबित है। श्रमयोगी मानधन योजना में 145 श्रमिकों का ही पंजीयन हुआ है और संबल योजना के 1704 हितग्राहियों की ई-केवायसी लंबित है। इस स्थिति पर कलेक्टर श्री मीना ने नारागजी जाहिर की और संबल योजना के कार्यों में लापरवाही पाये जाने पर जनपद पंचायत सीईओ चंदर सिंह की एक वेतन वृद्धि रोकने एवं लालबर्रा के श्रम निरीक्षक पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि संबल योजना के हितग्राहियों के अनुग्रह एवं अंत्येष्टि सहायता के प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण करें।

शिक्षा विभाग के कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा के दौरान शालाओं के छात्र-छात्राओं का शत प्रतिशत पंजीयन शीघ्रता से सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। प्राथमिक शालाओं के शैक्षिक स्तर के परीक्षण के लिए एफएलएन सर्वे की 100 प्रतिशत मानीटरिंग करने के निर्देश दिये।कलेक्टर श्री मीना ने इस दौरान एफएलएन सर्वे में जिन शालाओं का परिणाम खराब आ रहा है उनके शिक्षकों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि शिक्षक अपने बच्चों को प्रायवेट स्कूलों में पढ़ाये, लेकिन सरकारी स्कूल के बच्चों को पढाने में कोताही बरते, इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। एफएलएन सर्वे में सामने आया है कि कुछ शालाओं के बच्चों को गिनती और जोड़-घटाना भी नहीं आ रहा है। उन्होंने लालबर्रा के बीआरसी को सख्त निर्देश दिये कि ऐसी शालाओं के शिक्षकों के विरूद्ध कार्यवाही का प्रस्ताव जिला कार्यालय भेजें, अन्यथा उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने शालाओं में बच्चों के पंजीयन के साथ ही निःशुल्क पुस्तकों, गणवेश एवं साईकिल वितरण कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये।

कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने खेतों में नरवाई जलाने वालों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंनें ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों से अपने क्षेत्र का सतत भ्रमण कर नरवाई जलाने की घटनाओं पर नजर रखने कहा। समीक्षा में पाया गया कि ग्राम भांडामुर्री, टेंगनीखुर्द, लेंडेझरी एवं टेकाड़ी में सेटेलाईट ईमेज में नरवाई जलाने की घटनायें सामने आयी है।

राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान पाया गया कि पटवारी ब्रजेश शरणागत, अनिमेश तिवारी, मनीष चौधरी, शिवलाल अगने एवं अरविंद वरकड़े द्वारा फार्मर रजिस्ट्री का कार्य बहुत कम संख्या में किया गया है। जिसके कारण किसानों को खाद के उठाव में समस्या आ सकती है। पटवारी मनीष चौधरी द्वारा सीमांकन के प्रकरणों का भी समय सीमा में निराकरण नहीं किया गया है। इस स्थिति पर कलेक्टर श्री मीना ने नाराजगी जाहिर की और गर्रा के पटवारी ब्रजेश शरणागत को वहां से हटाकर अन्य हल्के में पदस्थ करने एवं पटवारी मनीष चौधरी पर निलंबन की कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

बैठक में लालबर्रा विकासखंड में पेयजल की व्यवस्था, बिजली प्रदाय, मछली विभाग, उद्यानिकी, पशुपालन, लोक निर्माण एवं ग्रामीण विकास के कार्यो की समीक्षा की गई।

03 मई को 08 केन्द्रों पर होगी नीट परीक्षा, 3028 परीक्षार्थी होंगे शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में 03 मई 2026 को हृश्वश्वञ्ज (नीट) प्रवेश परीक्षा का आयोजन 08 परीक्षा केन्द्रों पर किया जाएगा। इस परीक्षा में कुल 3028 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा दोपहर 02 बजे से 05 बजे तक आयोजित की जाएगी, जबकि सभी परीक्षार्थियों को प्रातः 11 बजे तक अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होना अनिवार्य रहेगा। संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में परीक्षा की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों का वितरण इस प्रकार है—

सीएम राइज सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में 600, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बूढ़ी में 220, कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में 240, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई (एमएलबी) उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 480, शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में 240, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में 480, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय भरवेली में 288 तथा जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 480 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

प्रशासन द्वारा सभी परीक्षा केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं। साथ ही परीक्षार्थियों के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। परीक्षा में किसी भी प्रकार की स्टेशनरी सामग्री जैसे पेपर, कंपास बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, कैलकुलेटर, स्केल, पेनड्राइव, राइटिंग पैड, लॉग टेबल, इलेक्ट्रॉनिक पेन तथा संचार उपकरण जैसे मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, ईयरफोन, माइक्रोफोन, पेजर आदि लाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

इसके अतिरिक्त परीक्षार्थियों को वॉलेट, गॉगल्स, हैंडबैग, बेल्ट, घड़ी, ब्रेसलेट, कैमरा, धातु के आभूषण एवं खाद्य सामग्री लाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षार्थियों को साधारण कपड़े पहनकर तथा पैरों में कम हील की चप्पल पहनकर परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होना होगा। वे अपने साथ केवल पारदर्शी पानी की बोतल ला सकते हैं। प्रशासन ने सभी परीक्षार्थियों से निर्देशों का पालन करते हुए समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने की अपील की है।

रूपझर पुलिस का ऑपरेशन नाला

3 साल से लापता प्रकाश की तलाश में 7 दिन से नेहरा नाला खाली कर रही पुलिस

नहीं मिली लाश-हड्डी-पर मछलियां निकल रहीं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थाना क्षेत्र के ग्राम सिंघई से 3 साल पहले लापता हुए प्रकाश पुसाम की तलाश में पुलिस ने अजीबोगरीब तरीका अपनाया है। लीलामेटा के समीप नेहरा नाला का पानी पिछले 7 दिनों से लगातार बाहर निकाला जा रहा है।लेकिन अब तक न तो प्रकाश का शव मिला है और न ही कोई हड्डी। हां नाले से मछलियां जरूर निकल रही हैं।

क्या है पूरा मामला

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सिंघई निवासी प्रकाश पुसाम वर्ष 2023 में अचानक लापता हो गया था। परिजनों ने रूपझर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शुरुआती दिनों में पुलिस और परिजनों ने मिलकर प्रकाश को खूब खोजा।लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। धीरे-धीरे प्रकाश की खोजबीन ठंडी पड़ गई।

एक हफ्ते पहले फिर उठा मामला

सप्ताह भर पहले गांव में चर्चा फैली कि लापता होने वाली शाम प्रकाश को ग्राम लीलामेटा निवासी मृगलाल जुगनाहके के साथ देखा गया था। शक के आधार पर पुलिस ने मृगलाल से पूछताछ की। आरोप है कि पूछताछ में मृगलाल ने कबूल किया कि उसने प्रकाश की हत्या कर शव को नेहरा नाला में फेंक दिया था।

7 दिन से चल रहा ऑपरेशन नाला

कबूलनामे के बाद रूपझर पुलिस हरकत में आई। मृग लाल की निशान देही पर पिछले 7 दिनों से पुलिस टीम नेहरा नाला से पंप लगाकर पानी बाहर निकाल रही है। नाले की तलहटी तक खंगाली जा रही है। लेकिन 7 दिन की मशक्कत के बाद भी पुलिस के हाथ न शव लगा है, न कोई अवशेष।

पानी निकला, मछलियां निकलीं, सबूत नहीं

नाला खाली करने के दौरान बड़ी मात्रा में मछलियां जरूर बाहर आ रही हैं, जिसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुट रही है। लेकिन प्रकाश से जुड़ा कोई भी सुराग नहीं मिल पाया है। वहीं ग्रामीणों में चर्चा है कि 3 साल पुराने मामले में नाले से सबूत मिलना मुश्किल है। पुलिस का 'ऑपरेशन नाला' कब तक चलेगा और क्या कुछ हाथ लगेगा, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

शेषनारायण आयकर विभाग में कार्यालय अधीक्षक की संभालेंगे कमान

रोजाना 6 घंटे की मेहनत लाई रंग, आगे और तैयारी रहेगी जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कर्मचारी चयन आयोग 2025 (एसएससी सीजीएल) की परीक्षा के परिणाम अभी कुछ दिनों पूर्व ही घोषित किए गए है। इस परीक्षा को बालाघाट जिला मुख्यालय के वार्ड नंबर 13 सुभाष नगर बूढ़ी निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक सालिकराम ढोमने

के सुपुत्र शेषनारायण ढोमने ने उत्तीर्ण कर यह मुकाम हासिल किया है। अब शेषनारायण आयकर विभाग में कार्यालय अधीक्षक की कमान संभालेंगे। चर्चा के दौरान शेषनारायण ढोमने ने बताया कि वह दो वर्ष से दिल्ली में इस परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। परीक्षा के लिए रोजाना करीब छह घंटे पढ़ाई करते रहे है। जिसका परिणाम है कि यहां तक सफलता मिली। उन्होंने आगे कहा कि इस परिणाम के बाद मिली उपलब्धि से ही संतुष्ट नहीं रहेंगे, जो सपना संघ लोक सेवा आयोग के लिए पहले से संजोए हुए रखा है उसके लिए शासकीय सेवा में निर्धारित समय देने के बाद शेष समय पढ़ाई में ही लगाएंगे। इसके साथ ही अपने सपने को पूरा करने का पूरा प्रयास करेंगे। शेषनारायण के पिता सेवानिवृत्त शिक्षक सालिकराम ढोमने बताते है कि उनके पुत्र ने अपनी प्राथमिक शिक्षा बालाघाट के सेंटमेरी स्कूल से प्राप्त की है। इसके बाद हायर सेकंडरी केंद्रीय विद्यालय भरवेली और स्नातक की पढ़ाई साइंस कालेज जबलपुर से किया है। शेषनारायण ने इस सफलता का श्रेय अपने पिता सेवानिवृत्त शिक्षक सालिकराम ढोमने, मां अलकेश्वरी ढोमने के अनुशासन एवं मार्गदर्शन को दिया हैं। आयकर विभाग में कार्यालय अधीक्षक के लिए चयन होने पर शेषनारायण ढोमने को महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज बालाघाट के अध्यक्ष अशोक फाये, उपाध्यक्ष विजय श्रीरंग, सचिव एच कावड़े, बड़े भाई एवं स्वर्णकार समाज लालबर्रा के अध्यक्ष रविकरण सोनी, नितिन सोनी, शिक्षा विभाग के लिपिक चैतन्य सोनी के अलावा अन्य नाते रिश्तेदारों सहित ईष्ट मित्रों ने बधाइयां देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

दूसरे दिन भी जारी रही मोटर पंप जप्ती की कार्यवाही

टुल्लू पंप लगाकर दुसरो के हिस्से का पानी चुराने पर 3 लोगो के खिलाफ बनाया प्रकरण

वार्ड नं2 से 3 मोटर पंप की बनाई गई जप्ती, नलों में टोटी लगाकर किया गया जल संचय

मो. इमरान कुरैशी।

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गर्मी के इस दौर में नगर के ज्यादातर वार्डों में पर्याप्त पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है। जहां गर्मी के इस सीजन में पहले की तुलना में अधिक पानी की आवश्यकता होने और घरेलू जरूरत को पूरा करने के लिए पानी की डिमांड काफी बढ़ गई है। उधर नगर पालिका द्वारा पर्याप्त पानी सप्लाई न करने के चलते लोग अपने घरों के नल कनेक्शन में टूल्लू मोटर पंप लगाकर अतिरिक्त पानी खींच रहे हैं। जिसके चलते उनके परिसर वाले वार्डवासियों को पीने के लिए भी पानी नहीं मिल पा रहा है। जिसकी शिकायत मिलने पर नगर पालिका द्वारा नगर में शुरू की गई छापामार कार्यवाही दूसरे दिन भी जारी रही।जहां नगर पालिका के जलप्रदाय अमले ने शुक्रवार को भी वार्डो का निरीक्षण कर नल कलेक्शन में लगी हुई मोटर पंप को जप्त करने की कार्यवाही की।नगर पालिका के जलप्रदाय अमले द्वारा शुक्रवार को यह कार्यवाही नगर के वार्ड नंबर 2 में की। जहां मोटर पंप के माध्यम से अतिरिक्त पानी खींचकर अन्य लोगो के हिस्से का पानी मे चोरी कर रहे 03 लोगों पर कार्यवाही कर उनके नल कनेक्शन में लगी 03 मोटर, को नगर पालिका अमले द्वारा जप्त किया गया है। जहां जप्त की गई इन सभी पानी मोटर को नपा अमले ने जलप्रदाय शाखा में लाकर जमा कराया है तो वही संबंधितों के खिलाफ प्रकरण तैयार कर, प्रकरण पर विचार के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया है।जहां मुख्य नगर पालिका अधिकारी के दिशा निर्देशों के तहत आगामी कार्यवाही किए जाने की बात नपा शाखा अमले द्वारा कहीं जा रही है।

दो दिन में 5 मोटर जप्त,वार्डवासियों ने जताया विरोध

जैसे-जैसे तापमान में वृद्धि हो रही है, लोगों के घरों में पानी की समस्या भी बढ़ रही है वहीं पानी की किल्लत का मुख्य कारण लोग अपने घरों में अवैध रूप से टुल्लू पम्प चला रहे हैं,जिससे अन्य लोग प्रभावित हो रहे हैं। इसी समस्या के मद्देनजर पालिका को शिकायत मिली थी कि कुछ घरों में अवैध रूप से मोटर लगाकर पानी लिया जा रहा है जिससे दूसरे घरों में पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है।इसपर पालिका द्वारा कार्रवाई करते हुए पहले दिन 2 टुल्लू पंप जब्त कर सम्बधितों के खिलाफ प्रकरण बनाया था।तो वही आज शुक्रवार को वार्ड नं 2 में 3 मोटरपंप की जप्ती बनाकर सम्बधितों के खिलाफ प्रकरण तैयार किया गया है।उक्त कार्रवाई के दौरान मोहल्ले के लोगों में खासी नाराजगी देखी गई और उन्होंने इसका जमकर विरोध भी किया। मोहल्ले वालों का कहना था कि हमें पर्याप्त पानी नहीं मिलता है इसलिए टुल्लू पम्प लगाना पड़ रहा है।तो वही नपा कर्मचारी नियमो का हवाला देते हुए कार्यवाही को अंजाम देते नजर आए।जल प्रदाय शाखा उपयंत्री श्रीमती ज्योति मेश्रम, जलप्रदाय प्रभारी भुवनेश्वर शिव, संदीप आसाराम, हरीश इंद्र कुमार शंकर मुन्ना श्रीराम मदन गोपाल, उमेश ,पुनीत बिसेन सहित अन्य कर्मचारी कार्यवाही में शामिल रहे।

35 खुले नलों में लगाई गई टोटी

उधर आयुक्त महोदय के द्वारा वीसी में दिए गए निर्देश अनुसार जलप्रदाय शाखा पदाधिकारी कर्मचारियों द्वारा वार्ड क्रमांक 12 ,15 में पहुँचकर,निरीक्षण किया गया।जहां खुले नालों में टोटी लगाकर जल संरक्षण एवं पानी अव्यय रोकने के लिए जागरूक किया गया।बताया गया कि आयुक्त महोदय नगरी प्रशासन भोपाल एवं जिला कलेक्टर के द्वारा दिए गए निर्देश अनुसार जल गंगा संवर्धन के अंतर्गत शहर के विभिन्न स्थलों में 35 जगहों पर खुले नाल में टोटी लगाई गई है।ताकि जल का संरक्षण हो सके। जिसे मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीडी कतरोलिया, जलप्रदाय शाखा उपयंत्री श्रीमती ज्योति मेश्राम, जलप्रदाय शाखा प्रभारी भुवनेश्वर शिव, जलप्रपात के कर्मचारी आसाराम बिसेन, हरीश मोहरे, मुकेश , इंद्र कुमार मदन गोपाल, अनिल सहारे श्रीराम, गोविंद उमेश सुबरन विनोद सभी कर्मचारियों के द्वारा शहर के विभिन्न स्थलों में लगे खुले नलों पर टोटी लगाई गई है। जिससे जल संरक्षण हो सके।टोटी लगाने का कार्य जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत कराया गया है।

चरचेंडी में जमीन विवाद को लेकर सौतन की बेटी-दामाद ने महिला से की मारपीट- दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम चरचेंडी में जमीन बंटवारे के विवाद में सौतन की बेटी और दामाद ने महिला के साथ मारपीट कर घर से निकालने की धमकी दी। पीडिता की शिकायत पर बिरसा पुलिस ने आरोपी बेटी-दामाद के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम चरचेंडी निवासी 35 वर्षीय ललिता ऐठेकर मजदूरी कर जीवन यापन करती है। ललिता के पति बालकिशन ऐठेकर ने पहली पत्नी की मृत्यु के बाद 10 साल पहले ललिता से दूसरी शादी की थी। पहली पत्नी से बालकिशन की तीन बेटियां हैं जिनकी शादी हो चुकी है। वहीं ललिता की दो बेटियां हैं। ललिता अपनी दोनों बेटियों के साथ घर में अलग कमरे में रहती है। जबकि पति बालकिशन भी अलग कमरे में रहता है। बालकिशन अपनी जमीन पहली पत्नी की बेटी-दामाद के नाम करने की तैयारी कर रहे थे। इस पर ललिता ने अपनी दो बेटियों के हक के लिए जमीन बंटवारे को लेकर न्यायालय में केस दायर किया है। मामला फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है। इसी रंजिश में सौतन की बेटी और दामाद लगातार ललिता से झगड़ा व मारपीट करते रहते हैं।28 अप्रैल की रात करीब 8 बजे ललिता घर में खाना बना रही थी। तभी सौतन की बेटी अनुसूया बोरेकर और दामाद छोटेलाल उर्फ छोटू बोरेकर वहां पहुंचे। दोनों ने गाली-गलौज करते हुए कहा, जमीन के लिए केस की है, तेरा यहां कोई हक नहीं है, यहां क्यों रहती है, यहां से चली जा।ललिता ने जब कहा कि जमीन का बंटवारा मेरी बेटियों के नाम कर दो, मैं केस वापस ले लूंगी, तो दोनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। दोनो ने ललिता को जमीन पर पटक दिया और जान से मारने की धमकी दी। मारपीट में ललिता घायल हो गई।घायल ललिता की रिपोर्ट पर बिरसा पुलिस ने आरोपी अनुसूया बोरेकर और छोटेलाल उर्फ छोटू बोरेकर के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मारपीट और जान से मारने की धमकी का अपराध दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़
3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

हिना खान मौत मामले में अब तक दर्ज नही हुई एफआईआर

सामाजिक बन्धुओ ने जताया आक्रोश, आरोपियों को गिरफ्तार करने की करी मांग, बैठक कर आंदोलन की बनाई रणनीति, थाना प्रभारी ने कार्यवाही का दिलाया भरोसा

मो. इमरान कुरैशी।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मॉयल नगरी भरवेली के ग्राम हीरापुर में एक 15 वर्षीय नाबालिक लड़की की मौत का मामला लगातार सुर्खियो में है।जहा वार्ड नं. 5 निवासी हिना खान का फांसी पर लटका हुआ शव मिलने के बाद से ही परिजनों सहित स्थानीयजन इसे सोची समझी साजिश के तहत हत्या का मामला बता रहे है।जिसको लेकर मुस्लिम समाज मे आक्रोश देखा जा रहा है।27 अप्रैल के इस मामले में 5 दिन बीत जाने के बावजूद भी अब तक कोई खुलासा नही हो पाया है,जहा मामले का खुलासा होना तो दूर,मामले में एफआईआर तक दर्ज नही हो पायी है, जिसको लेकर सामाजिक बन्धुओ ने अपना आक्रोश जताते हुए एक बैठक का आयोजन कर आंदोलन की रणनीति बनाई है। इसमें उन्होंने 2 मई शनिवार को भरवेली थाना पहुंचकर मामले में एफआईआर दर्ज कराने का निर्णय लेते हुए, मामले में इंसाफ न मिलने पर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

रेलिंग के पास फाँसी पर लटका मिला था हिना का शव

बैठक में बताया गया कि हीरापुर वार्ड नंबर 5 निवासी नवी कक्षा की छात्रा हिना खान का शव 27 अप्रैल को घर के पास ही नाले की रेलिंग में लटकता हुआ पाया गया था।सामाजिक बन्धुओ ने इसे हत्या करार दिया है।जिन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग को लेकर शुक्रवार की शाम नगर के बैहर रोड स्थित अंजुमन शादी हॉल में एक बैठक का आयोजन कर, आंदोलन की रणनीति बनाई, वही भरवेली थाना प्रभारी को बैठक में बुलाकर अब तक कि गई जांच की वस्तुस्थिति जानी।जिंसमे उन्होंने मौत के पहले के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर इसे हत्या बताते हुए, आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। जहां मांग पूरी न होने पर उन्होंने एसटी,एससी ,ओबीसी, व माइनॉरिटी के विभिन्न संगठनों को साथ लेकर जन आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

जन आंदोलन की बनाई रणनीति

बैठक में बताया गया कि हिना ने आत्महत्या नही की है।बल्कि उसकी हत्या कर फाँसी के फंदे पर उसका शव लटकाया गया है।उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर उन्हें इंसाफ दिए जाने की गुहार लगाई है।बताया गया कि हिना के घर के पास लगे सीसीटीवी कैमरे फुटेज में दिख रहा है कि हिना खान को 2 युवक देर रात्री मोटर साइकिल पर बैठा कर कही ले जा रहे है और उसी सुबह हिना खान का शव फंदे से लटकता हुआ पाया गया। आखिर ऐसा क्या हुआ है उस रात में जो की एक बड़ा रहस्य बना हुआ है।उन्होंने सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे दोनो युवक को गिरफ्तार कर उनसे मामले

को लेकर पूछताछ कर मामले का खुलासा किए जाने की मांग की है। जहां उन्होंने मांग पूरी न होने पर जन आंदोलन की चेतावनी की है।

भरवेली थाना प्रभारी को बुलाकर जानी वस्तुस्थिति

बैठक में भरवेली थाना प्रभारी भूपेन्द्र पन्द्रो से घटना के विषय में मुस्लिम समाज के प्रबुद्धजनों ने जानकारी ली, इस मौके पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। सभी ने घटना की निंदा करते हुए आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किये जाने की मांग पुलिस प्रशासन से की है।थाना प्रभारी से सीसीटीवी फुटेज के विषय में जानकारी लेने पर उन्होंने समाज को बताया कि इसकी जांच की जा रही है ,रात्रि में नाबालिग कहां गई थी और किसने उसे ले गया था तथा सुबह उसकी लाश उस अवस्था में कैसे मिली सभी तथ्यों को लेकर पुलिस की जांच चल रही है। बताया गया कि किसी एक व्यक्ति से लड़की ने मोबाईल मांगकर बात की थी और जिस युवक को फोन लगाया था उसकी भी पड़ताल चल रही है। हीरापुर निवासी अजीत बाहेश्वर नामक युवक घटना दिनांक से फरार होने की बात पुलिस द्वारा बताई गई है जिसकी सरगर्मी से तलाश चल रही है और अन्य युवक जो भी इसमें शामिल है सभी की गिरफ्तारी जल्द किये जाने तथा मामले का खुलासा करने की बात थाना प्रभारी भरवेली के द्वारा कही गई है।

5 दिन बीतने पर भी कार्यवाही ना होने पर जताया आक्रोश

बैठक में समाजजनों ने कहा कि दुर्भाग्य है कि मुस्लिम समाज से जुड़ा प्रकरण कहीं पाया जाता है तो पुलिस और प्रशासन की तुरंत कार्यवाही होती है। कहीं बुलडोजर चलाकर घर को ढहा दिया जाता है लेकिन गरीब मजदूर की बच्ची की हत्या हुई है।जहा साक्ष्य मौजूद होने पर भी कार्यवाही नहीं हो पा रही है।सामाजिक बन्धुओ ने बताया कि 15 वर्षीय हिना नवी कक्षा की छात्रा थी जिसको 26 से 27 तारीख की मध्य रात्रि करीबन 1.40 को बहला फुसलाकर घर से बुलाया गया और सुबह करीबन 5:30 बजे घर के पास ही लगे नाले की रेलिंग में हिना खान का शव फंदे से लटकते हुआ पाया गया।इस मामले में सामाजिक बन्धुओ द्वारा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार्यवाही कर उन्हें इंसाफ दिलाने की गुहार लगाई है।

मामले में वैधानिक कार्यवाही कर दिया जाए इंसाफ-हबीब नूरी

घटना को लेकर शहर काजी मौलाना हबीब नूरी ने बताया कि अभी तक सुनने आ रहा था कि कानूनी कार्यवाही हो रही है लेकिन 5 दिन बीतने के बाद भी ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। मुस्लिम समाज के लोग शादी हाल में बैठे थे पूरी चर्चा में यह समझा गया है कि बेगुनाह नाबालिग बच्ची के साथ जो हुआ है उसमें पुलिस प्रशासन ने अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की है। हम भरवेली थाने जाएंगे और ज्ञापन देकर आरोपियों की गिरफ्तारी तथा कड़ी कानूनी कार्यवाही करने की मांग करेंगे। हमारी मांग है कि इस मामले में वैधानिक कार्यवाही कर परिजनों को इंसाफ दिया जाए।

मामले में वैधानिक कार्यवाही की जाएगी- भपेंद्र पन्द्रों

भरवेली थाना प्रभारी भूपेन्द्र पन्द्रो ने बताया कि सामाजिक जनों ने हीरापुर में नाबालिग बालिका की मृत्यु के विषय को लेकर चर्चा करनी चाही थी जिसपर सीएसपी साहब द्वारा मुझे भेजा गया और पुलिस द्वारा की जा रही कार्यवाही से अवगत कराया गया है। उन्होंने बताया कि मर्ग पंजीबद्ध किया गया है और सीसीटीवी फुटेज तथा वैज्ञानिक परीक्षण किया जा रहा है जबकि बालिका का डीएनए सेम्पल के लिये भेजा गया है। प्रकरण में संदेही अजीत बाहेश्वर के बारे में बताया कि वह घटना दिनांक से फरार है जिसे पकड़कर पूछताछ की जायेगी एवं मामले में जो भी साक्ष्य आएगा पुलिस द्वारा वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

जमीन विवाद में मारपीट के तीन भाई दोषी करार

न्यायालय उठने तक की सजा व 3 हजार रुपए अर्थदंड

अरूण मसकरे।

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जमीन विवाद को लेकर मारपीट करने के मामले में प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमान अविनाश छारी ने तीनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। प्रकरण क्रमांक 762/2019, थाना ग्रामीण नवेगांव के अपराध क्रमांक 171/2019 में अभियुक्त राजेन्द्र गोंडाने पिता भरतलाल गोंडाने 36 वर्ष ,चैनलाल गोंडाने पिता भरतलाल गोंडाने 31 वर्ष, रविन्द्र उर्फ सोनी पिता भरतलाल गोंडाने 33 वर्ष तीनों निवासी ग्राम सिहोरा, थाना ग्रामीण नवेगांव को धारा 323/34 भादवि के दो काउंट में दोषसिद्ध किया गया।न्यायालय ने तीनों आरोपियों को न्यायालय उठने तक के कारावास एवं प्रत्येक काउंट के लिए प्रत्येक को 1000-1000 रुपये, कुल 3000 रुपये अर्थदंड से दंडित किये।

अभियोजन के अनुसार यह घटना 21 जून2019 की है फरियादी ने थाना ग्रामीण नवेगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उक्त दिनांक को करीब 11:00 बजे गांव के ही राजेन्द्र, चैनलाल, रविन्द्र एवं अमित उसके खेत में आए और अपनी जमीन होना कहते हुए पार छिलाई करने लगे। मना करने पर चारों ने मिलकर फरियादी को अश्लील गालियां दीं तथा कहा कि यह जमीन हमारे पूर्वजों की है, हम लोग इस पर जोत करेंगे। जब फरियादी ने काम करने एवं गालियां देने से मना किया तो राजेन्द्र व रविन्द्र ने उसे फावड़ा उठाकर मारना शुरू कर दिया। इसी समय फरियादी का लड़का चित्रसेन आया तो उसके साथ भी मारपीट की गई। फावड़ा लगने से फरियादी के सिर एवं दोनों पैर में चोट आई। चारों आरोपी धमकी देते हुए भाग गए कि यदि कब्जा नहीं छोड़ने पर जान से मार डालने की धमकी दी थी।उक्त रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। संपूर्ण अनुसंधान पूर्ण कर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। माननीय न्यायालय ने विचारण उपरांत उक्त आरोपियों को उपरोक्त दंड से दंडित किया।श्री कपिल कुमार डेहरिया, सहायक संचालक (अभियोजन) के मार्गदर्शन में अभियोजन की ओर से पैरवी श्रीमती रीता यादव, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी, बालाघाट द्वारा की गई।

मजदूर दिवस पर उठा अनुकंपा नियुक्ति का मुद्दा, परिवार ने लगाई गुहार

भरवेली निवासी कर्मचारी की मृत्यु के बाद परिवार पर आर्थिक संकट, प्रबंधन के नियमों पर उठे सवाल

हितेश ठाकरे।

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मजदूर दिवस के अवसर पर जिले की खदानों (माइंस) में अनुकंपा नियुक्ति नीति समाप्त किए जाने के विरोध में श्रमिक परिवारों ने अपनी आवाज बुलंद की। इस दौरान एक मृत श्रमिक के परिजन ने अपनी आपबीती साझा करते हुए बताया कि अनुकंपा नियुक्ति नीति खत्म होने से उनके जैसे कई परिवारों का सहारा छिन गया है। उन्होंने मांग की कि पूर्व में लागू नीति को यथावत रखा जाए, ताकि जरूरतमंद परिवारों को रोजगार मिल सके। इस मामले को लेकर श्रमिक संगठनों ने भी सक्रियता दिखाई। ब्रॉडगेज संघर्ष समिति के पदाधिकारी अनूप सिंह बैस के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने असिस्टेंट लेबर कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मजदूरों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ जिले की खदानों में समाप्त की गई अनुकंपा नियुक्ति नीति को पुन: लागू करने की मांग की गई। पदाधिकारियों का कहना है कि अनुकंपा नियुक्ति नीति श्रमिक परिवारों के लिए संकट के समय सहारा होती है, जिसे समाप्त करना अन्यायपूर्ण है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द इस दिशा में सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो श्रमिक व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर जहां एक ओर जिलेभर में श्रमिकों के अधिकारों और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, वहीं

दूसरी ओर एक पीड़ित परिवार ने अनुकंपा नियुक्ति की मांग को लेकर अपनी व्यथा प्रशासन के सामने रखी। जानकारी के अनुसार, भरवेली निवासी एक कर्मचारी की हाल ही में स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण मृत्यु हो गई। वे स्थानीय खदान (माइंस) में कार्यरत थे और परिवार के मुख्य कमाने वाले सदस्य थे। उनके निधन के बाद संयुक्त परिवार की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। मृतक कर्मचारी के बेटे दुर्गेश माहते ने बताया कि उन्होंने नियमानुसार अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया, लेकिन उन्हें जानकारी दी गई कि संबंधित माइंस प्रबंधन ने जनवरी माह से अनुकंपा नियुक्ति की नीति को समाप्त कर दिया है। इस निर्णय के चलते अब उन्हें नौकरी के बजाय केवल एकमुश्त आर्थिक सहायता राशि देने की बात कही जा रही है। परिवार का कहना है कि एकमुश्त राशि से कुछ समय तक ही गुजारा संभव है, लेकिन लंबे समय के लिए स्थायी आय का कोई साधन नहीं रहेगा। ऐसे में संयुक्त परिवार के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने मांग की है कि पूर्व की तरह उन्हें अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जाए, ताकि परिवार का भरण-पोषण सुचारू रूप से हो सके। इस मुद्दे पर श्रमिक संगठनों ने भी सवाल उठाए हैं। ब्रॉडगेज संघर्ष समिति के पदाधिकारी अनुप सिंह बैस ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति समाप्त करने का निर्णय केवल प्रबंधन स्तर का बताया जा रहा है, जबकि केंद्र सरकार की ओर से इस तरह का कोई निर्देश जारी नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंधन अपने स्तर पर मनमाने नियम लागू कर रहा है, जो श्रमिकों के हितों के विपरीत है। उनका कहना है कि जब तक सरकार की स्पष्ट नीति नहीं आती, तब तक इस प्रकार के निर्णय लागू नहीं किए जाने चाहिए। मजदूर दिवस के मौके पर इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए श्रमिक संगठनों ने सहायक श्रम आयुक्त को ज्ञापन सौंपा और मांग की कि अनुकंपा नियुक्ति की व्यवस्था को पुन: लागू किया जाए। अब इस पूरे मामले में प्रशासन और संबंधित विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। श्रमिक परिवारों को उम्मीद है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द ही उचित निर्णय लिया जाएगा।

नगर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई तथागत गौतम बुद्ध की जयंती

2570 वी जयंती विशेष पर आयोजित किए विभिन्न कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। समता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय का प्रथम उपदेश देने वाले महाकरुणिक तथागत गौतम बुध्द की जयंती, प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।जहा बैशाख पूर्णिमा पर्व के तहत शुक्रवार 1 मई को जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।नगर में बुद्ध जयंती की शुरुवात नगर के वार्ड नंबर 13स्थित समता भवन बुध्द विहार से की गई। जहां भगवान गौतम बुद्ध की विशेष पूजा वंदना के बाद एक रैली निकाली गई, जो बुद्धम शरणम गच्छामि के संदेश को लेकर सुबह 9 बजे आम्बेडकर चौक पहुची।जहा पूजा वंदना व माल्यार्पण कार्यक्रम किया गया।वही प्रतिमा समीप मोमबत्ती प्रज्वलित कर, धम्मदेशना, ध्यान साधना सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन संपन्न कराए गए।जहा बौध्य् अनुयायियों ने सामुहिक रूप से भगवान गौतम बुद्ध की वंदना कर, डॉ भीम राव आम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जयघोष किया।नागपुर से आए पूज्य भदन्त वन्नासामी द्वारा सामूहिक धम्मदेशना, सामुहिक त्रिशरण, धारण कराया गया।तो वहीं सुबह 11 बजे से पंचशील बौद्ध विहार समता भवन बूढ़ी में भिक्खु संघ द्वारा परित्राण पाठ का आयोजन किया गया।जिसके उपरांत सार्वजनिक जयंती समारोह समिति द्वारा भोजन दान कार्यक्रम सम्पन्न कराकर, पूज्य भंते जी द्वारा धम्मदेशना पाठ किया गया।इसके उपरांत मंचीय व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।इस दौरान विभिन्न वक्ताओं व पूज्य भंते जी द्वारा भगवान गौतम बुद्ध की जीवनी का ज्ञान कराते हुए, भगवान गौतम बुध्द के बताए मार्ग से प्रेरणा लेकर उनका अनुसरण करने की बात कही गई।तो वही सामाजिक एकता बन्धुत्व आदी की जानकारी देकर सामाजिक उत्थान की बात कही।वही कक्षा 10,12 वी में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले,बच्चो को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह, नगद राशि सहित अन्य विभिन्न पुस्कार देकर सम्मानित किया गया।इस दौरान खास तौर पर कक्षा 10 वी की छात्रा अक्षरा घोडेश्वर द्वारा 498 अंक हासिल करने पर बुद्धिस्ट प्रोफेसर साथी बालाघाट द्वारा नगद 50, हजार रु, तो वही फुले आम्बेडकर सावर्जनिक जयंती समारोह समिति द्वारा नगद 10 हजार रु की राशि देकर सम्मानित किया गया।इसके अलावा भोजन दान सहित अन्य कार्यक्रमों के आयोजन कर देर रात कार्यक्रमों का समापन किया गया।

त्रिगुण पावन पर्व के रूप में मनाई गई बुद्ध जयंती

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वैशाख पूर्णिमा के दिन ही बौद्ध धर्म के संस्थापक भगवान गौतम बुध्द का जन्म हुआ था।जिनके बचपन का नाम सिद्धार्थ गौतम था।गौतम बुद्ध राजसी ठाठ छोड़कर वर्षों वन में भटकते रहे और उन्होंने कठोर तपस्या कर बोधगया में बोधिवृक्ष के नीचे आज ही दिन बैशाख पूर्णिमा पर सत्य का ज्ञान प्राप्त कर लिया था। इसके बाद महात्मा बुद्ध ने अपने ज्ञान से पूरी दुनिया में एक नई रोशनी पैदा की।जिसके चलते बौद्ध अनुयायियों द्वारा वैशाख पूर्णिमा के दिन बुध्द जयंती मनाई जाती है। जो इस वर्ष भी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शुक्रवार को मनाई गई।जिसके तहत सुबह से लेकर देर शाम तक जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।इस दौरान फुले आम्बेडकर सावर्जनिक जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष पंकज डोंगरे,महासचिव ज्ञानी एन रामटेके, कोषाध्यक्ष योगराज बारमाटे, मंचीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, इंजीनियर किशोर बौध्द, मुख्य वक्ता मुरली बौध्द, प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ अजित गनवीर,विशेष अतिथि डॉ प्रदीप मेश्राम, विशिष्ट अतिथि डॉ विक्की खोब्रागडे, सहित अन्य वक्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने समाजिक बन्धुओ का मार्गदर्शन किया।

शादी से लौट रहे व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत

एक्टिवा फिसलकर पेड़ जा टकराई ,लौगुर के पास हुआ हादसा
पीएम के बाद सौपा गया शव, जांच में जुटी पुलिस

मो. इमरान कुरैशी।

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। बीती रात शादी समारोह से लौट रहे एक व्यक्ति की एक्टिवा फिसलने से सड़क हादसे में मौके पर मौत हो गई। मामला रुपझर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली उकवा चौकी के लौगुर क्षेत्र का है, जहां रात्रि करीब 1:30 बजे के आसपास एक्टिवा फिसलने से उसमें सवार व्यक्ति पेड़ से जा टकराया,जिससे मौके पर ही मौत हो गई।मृतक का नाम थाना भरवेली ग्राम हीरापुर, वार्ड नं. 15 कच्ची बारंग निवासी 34 वर्षीय प्रफुल्ल पिता जीवन घटरे बताया गया है।जिसके शव का शुक्रवार की सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।तो वह मामले की जांच के लिए डायरी संबंधित थाना पहुंचाई गई है।इसके आधार पर पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

बहन की शादी में शामिल होने रुपझर गया था प्रफुल्ल

प्राप्त जानकारी के अनुसार हीरापुर निवासी प्रफुल्ल फोर व्हीलर वाहन का ड्राइवर था, जो बालाघाट में वाहन चलाने का काम करता था, जिसके दो बेटियां है बताया गया कि गुरुवार को पत्नी और उसकी दोनों बेटी घर पर ही थी, जबकि प्रफुल्ल एक्टिवा में सवार होकर अपनी बुआ की बेटी की शादी में शामिल होने के लिए रुपझर गया था,जहा शादी समारोह के बाद वापस आते समय रात्रि करीब 1:30 बजे लौगुर के पास उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई, जिससे प्रफुल्ल की मौके पर ही मौत हो गई।उधर रहागिरो व स्थानीय लोगों की सूचना पर एंबुलेंस से उसे जिला अस्पताल लाया गया,जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सक से तहरीर मिलने पर पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर, परिजनों के बयान दर्ज किए, वहीं मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।

एक्शन मोड में नजर आये जिला कलेक्टर मृणाल मीणा

कार्यों में संतुष्टजनक प्रगति नही होने पर संबंधित अधिकारियों को लगाई फटकार, सीईओ एवं पर्यवेक्षक के एक वेतन वृध्दि रोकने के दिये निर्देश

कलेक्टर ने दी कड़ी चेतावनी, कार्यों में सुधार लाये वरना होगी कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

जिला कलेक्टर मृणाल मीणा ने शुक्रवार को जनपद पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में खण्ड स्तरीय विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों की एक महत्वपूर्ण संयुक्त समीक्षा बैठक ली। जिसमें जिला कलेक्टर महोदय एक्शन मोड में नजर आये और उन्होने बैठक के दौरान विभिन्न विभागों की योजनाओं, उसके क्रियान्वयन एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। वहीं समीक्षा के दौरान जब जनपद पंचायत के कार्यों और योजनाओं की प्रगति की जानकारी मांगी गई, तो जनपद सीईओ संतोषजनक जवाब नहीं दे पाये। विभागीय योजनाओं की जानकारी के अभाव और कार्यों में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने जनपद सीईओं को फटकार लगाते हुए एक दिन का वेतन वृध्दि रोकने एवं कार्य में सुधार करने के निर्देश दिये है। वहीं शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के खराब परीक्षा परिणाम पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई और उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि शैक्षणिक गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जायेगा। साथ ही अन्य विभागों की समीक्षा एवं विकास कार्यों की कछुआ चाल और अधिकारियों की कार्यप्रणाली के प्रति कड़ा रूख अपनाते हुए उन्होने स्पष्ट किया कि जनहित के कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर डीपी बर्मन, वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल सहित अन्य अधिकारी-

कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था की सुधारने पर जोर

खंड स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक में लालबर्रा ब्लॉक में कुपोषित ब'चों के चिन्हांकन एवं उनके उपचार की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीणा ने कम प्रगति वाले सेक्टर की पर्यवेक्षक एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से वन-टू-वन चर्चा की और निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र के एसएएम श्रेणी के ब'चों को चिन्हित कर उनका उपचार करवायें और उन्हें कुपोषण से मुक्त कराने के लिए काम करने एवं एमएएम श्रेणी के ब'चों को भी चिन्हित करने कहा है। वहीं उन्होंने बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों को अपने क्षेत्र के आंगनवाड़ी केन्द्रों का सतत भ्रमण करने एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के काम पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिये। साथ ही कुपोषित ब'चों के चिन्हांकन एवं उनके उपचार में लापरवाही बरतने वाली पर्यवेक्षक एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता पर कार्यवाही करने कहा है। वहीं समीक्षा के दौरान पाया गया कि कंजई सेक्टर की आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक रेणुका सुखदेवे के सेक्टर में कुछ कार्यकर्ता द्वारा पोषण ट्रेकर एप्प पर गलत आकड़े दर्ज किये गये हैं, जिसके कारण जिले की प्रगति प्रभावित हो रही है। कलेक्टर श्री मीणा ने इस पर नाराजगी जाहिर की और पर्यवेक्षक रेणुका सुखदेवे की एक वेतन वृध्दि रोकने के निर्देश दिये। साथ ही 3 से 6 वर्ष आयु का कोई भी बच्चा पोषण ट्रेकर एप्प पर पंजीयन से नहीं छूटना चाहिए और 3 से 6 वर्ष आयु के सभी बच्चों को स्कूल पूर्व शिक्षा के लिए प्राथमिक शालाओं में पंजीयन कराने के निर्देश दिये। वहीं स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान गर्भवती माताओं की एएनसी के लिए अनमोल पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिये गये। अनमोल पोर्टल पर गत वर्ष की तुलना में कम पंजीयन वाली सीएचओ एवं एएनएम के विरूध्द कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। मानपुर, गर्रा, पाथरशाही एवं लेंडेझरी में गर्भवती माताओं का पंजीयन कम पाये जाने पर इन केन्द्रों की सीएचओ एवं एएनएम पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। गर्भवती माताओं का संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने एवं घर पर प्रसव नहीं होने देने के निर्देश दिये गये। समीक्षा के दौरान पाया गया कि सीएचओ एवं एएनएम द्वारा अपने कार्यस्थल पर न जाकर सार्थक एप्प पर घर बैठे ही हाजरी लगाई जा रही है। इस स्थिति पर कलेक्टर श्री मीणा ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सख्त निर्देश दिये कि स्वास्थ्य केन्द्र पर न जाकर घर बैठे हाजरी लगाने वाले स्वास्थ्य कर्मचारियों पर सख्त कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के सभी सीएचओ, एएनएम एवं अन्य कर्मचारियों को वेतन का भुगतान सार्थक एप्प की हाजरी के आधार पर ही किया जायेगा।

लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों पर होगी कार्यवाही

योजनाओं की समीक्षा के दौरान लालबर्रा विकासखंड में 395 श्रमिकों के संबल योजना में पंजीयन लंबित है। इसी प्रकार संबल योजना के 659 हितग्राहियों को अनुग्रह राशि का एवं 17 हितग्राहियों को अंत्येष्टि सहायता का भुगतान लंबित है। श्रमयोगी मानधन योजना में 145 श्रमिकों का ही पंजीयन हुआ है और संबल योजना के 1704 हितग्राहियों की ई-केवायसी लंबित है। जिस पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबल योजना के कार्यों में लापरवाही पाये जाने पर जनपद पंचायत सीईओ चंदरसिंह मंडलोई की एक वेतन वृध्दि रोकने एवं लालबर्रा के श्रम निरीक्षक पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। वहीं एफएलएन सर्वे में जिन शालाओं का परिणाम खराब आ रहा है उनके शिक्षकों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होने दो टूक शब्दों में कहा कि शिक्षक अपने ब'चों को प्रायवेट स्कूलों में पढ़ाये, लेकिन सरकारी स्कूल के ब'चों को पढाने में कोताही बतरने वाले शिक्षकों पर कार्यवाही की जायेगी। साथ ही यह भी कहा कि एफएलएन सर्वे में सामने आया है कि कुछ शालाओं के ब%चों को गिनती और जोड़-घटाना भी नहीं आ रहा है। जिस पर लालबर्रा के बीआरसी को सख्त निर्देश दिये कि ऐसी शालाओं के शिक्षकों के विरूध्द कार्यवाही का प्रस्ताव जिला कार्यालय भेजें, अन्यथा उनके विरूध्द कड़ी कार्यवाही करने की बात कही है। वहीं समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने पाया कि ग्राम भांडामुर्री, टेंगनीखुर्द, लेंडेझरी एवं टेकाड़ी में सेटेलाईट ईमेज में नरवाई जलाने की घटनायें सामने आई है। साथ ही राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान पाया गया कि पटवारी ब्रजेश शरणागत, अनिमेश तिवारी, मनीष चौधरी, शिवलाल अगने एवं अरविंद वरकड़े द्वारा फार्मर रजिस्ट्री का कार्य बहुत कम संख्या में किया गया है। जिसके कारण किसानों को खाद के उठाव में समस्या आ सकती है। पटवारी मनीष चौधरी द्वारा सीमांकन के प्रकरणों का भी समय सीमा में निराकरण नहीं किया गया है। इस स्थिति पर कलेक्टर श्री मीना ने नाराजगी व्यक्त करते हुए गर्रा के पटवारी ब्रजेश शरणागत को वहां से हटाकर अन्य हल्के में पदस्थ करने एवं पटवारी मनीष चौधरी पर निलंबन की कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

जनता के हित में काम करने किया गया है निर्देशित - कलेक्टर

कलेक्टर मृणाल मीणा ने बताया कि विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी और शासन की जो योजनाएं संचालित हो रही है उसके संचालन में अधिकारी-कर्मचारियों के क्या समस्या है। उसमें गति क्यों नहीं आ रही है इस विषय पर चर्चा की गई ताकि उक्त कार्य में प्रगति लाई जा सके। साथ ही जनता से जुड़े काम जो होते हैं उनसे संबंधित सभी विभागों से विस्तृत चर्चा की है और उन्हें जनता हित में काम करने के निर्देश दिए गये है। साथ ही यह भी बताया कि जिस विभागों की समीक्षा में कार्यों की प्रति संतुष्टजनक नही पाने पर उसमें सुधार करने कहा गया है एवं लापरवाही बरतने वालों पर कार्यवाही की जायेगी। श्री मीना ने बताया कि जिले में बोर्ड कक्षाओं का परिणाम बेहतर रहा है, जो ब'चें पढ़ाई में कमजोर है उनके सुधार के लिए शासन की योजना चल रही है एवं लालबर्रा अस्पताल में एमबीबीएस डॉक्टर की नियुक्ति करने का प्रयास किया जायेगा।

मांझापुर में सीसी सड़क का हुआ भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज।बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मांझापुर के वार्ड नंबर 18 में शुक्रवार को सीसी सड़क निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन किया गया। यह कार्यक्रम सरपंच श्रीमती रूखमणी मर्सकोले, उपसरपंच घनश्याम चौधरी सहित अन्य ग्रामीणों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने विधि-विधान से पूजा अर्चना कर सीसी सड़क निर्माण कार्य की आधारशीला रखी। वहीं वार्ड नंबर 18 में सीसी सड़क का निर्माण हो जाने से बरसात के दिनों में होने वाली परेशानियों से निजात मिल जायेगी और आवागमन में सुविधा होगी। इस अवसर पर पंचायत सचिव रंजना तिवारी, रोजगार सहायक नितिन मेहरबान एवं समस्त पंच गण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया गेंहू खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण

अव्यवस्थाओं पर जताई नाराजगी, शेड लगाने के दिये निर्देश

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। जिले में रबी सीजन की गेंहू खरीदी प्रक्रिया को सुचारू बनाने और किसानों को चिलचिलाती धूप से राहत दिलाने के लिए जिला प्रशासन मुस्तैद नजर आ रहा है। इसी कड़ी में 1 मई को जिला कलेक्टर मृणाल मीणा ने बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग पर स्थित वेयरहाउस में संचालित गेहूं खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गेहूं विक्रय के लिए पहुंचे किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के निर्देश दिये। वहीं किसानों ने भी खरीदी केन्द्र में हो रही परेशानियों से कलेक्टर महोदय को अवगत करवाया। जिस पर कलेक्टर श्री मीणा ने स्पष्ट किया कि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी भी प्रकार की असुविधा बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिये कि खरीदी केंद्र पर तत्काल अस्थायी शेड (शेडनेट) की व्यवस्था की जाये ताकि भीषण गर्मी में किसानों और उनके अनाज को सुरक्षा मिल सके।

समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए पटवारी की नियुक्ति

सिवनी मार्ग पावर हाउस के समीप स्थित वेयर हाउस में लालबर्रा वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति के द्वारा समर्थन मूल्य में गेंहू खरीदी की जा रही है। शुक्रवार को कलेक्टर श्री मीणा के द्वारा खरीदी केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यह बात सामने आई कि कई किसानों को गेहूं पंजीयन और तकनीकी त्रुटियों के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसे संज्ञान लेते हुए कलेक्टर श्री मीणा ने निर्देशित किया कि खरीदी केंद्र पर एक पटवारी की स्थायी ड्यूटी लगाई जाये। यह पटवारी मौके पर ही पंजीयन संबंधी समस्याओं का समाधान करेंगे, ताकि किसानों को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े। खुले आसमान के नीचे हो रही खरीदी और बढ़ते तापमान को देखते हुए कलेक्टर ने चिंता व्यक्त करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीदी केन्द्र में किसानों के लिए छाया एवं बैठने की व्यवस्था बेहतर बनाये। साथ ही पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिये है। वहीं तौल कांटों की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए कहा कि गेहूं की तौल में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कलेक्टर श्री मीणा ने कहा कि भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जायेगी। साथ ही श्री मीणा ने निरीक्षण के दौरान कहा कि जिन किसानों ने गेहूं विक्रय के लिए अपना पंजीयन करवाया है वे 23 मई तक स्लाट बुक करवा ले।

मंगल भवन निर्माण को लेकर मरार-माली समाज की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

निर्माण कार्य जल्द शुरू करने पर बनी सहमति, सामाजिक बंधुओं से सहयोग की अपील

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के भवन निर्माण प्रस्तावित स्थल में गुरूवार को मरार माली समाज के मंगल भवन निर्माण को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक मरार माली समाज लालबर्रा ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश माते की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित सामाजिक पदाधिकारियों एवं स्वजाजीय बंधुओं के द्वारा समाज के लिये एक सुव्यवस्थित मंगल भवन के निर्माण को लेकर विचार विमर्श कर रणनीति तैयार की गई, जिसमें मंगल भवन निर्माण कार्य के लिए आवश्यक प्रारंभिक तैयारियां, ठेकेदार का चयन, निर्माण सामग्री की व्यवस्था एवं गुणवत्ता तथा कार्य की रूपरेखा तय करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही उपस्थित पदाधिकारियों ने निर्माण कार्य को सुव्यवस्थित एवं समयबध्द तरीके से प्रारंभ करने पर सहमति जताई है। साथ ही समाजोत्थान पर भी चर्चा की गई और सामाजिक बंधुओं ने इस मंगल भवन निर्माण कार्य में सहयोग करने की अपील की है। वहीं बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से आपसी सहयोग और सक्रिय भागीदारी के साथ समाज के इस महत्वपूर्ण निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने की अपील की है। चर्चा में ब्लॉक मरार माली समाज लालबर्रा अध्यक्ष कैलाश माते ने बताया कि गुरूवार को ब्लाक मरार माली समाज की मानपुर स्थित मंगल भवन निर्माण स्थल में एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई है। इस बैठक में भवन निर्माण सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई और जल्द ही भवन निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा। सामाजिक बंधुओं से अपील है कि समाज के इस मंगल भवन निर्माण कार्य में सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर मरार माली समाज ब्लॉक सचिव डोंगरुलाल मानेश्वर, उपाध्यक्ष श्रीराम नागेश्वर, कोषाध्यक्ष देवीशंकर बिसेन, दिलीप कावरे, सर्किल अध्यक्ष मदन मानेश्वर, चैनलाल नागेश्वर, अंतराम दांदरे, धरपीवाड़ा अध्यक्ष फूलचंद मानेश्वर, जिला प्रतिनिधि धनीराम खैरवार, श्रीमती कंटेश्वरी बाहेश्वर, सर्किल सचिव श्रीराम जामरे, लकेश पंचेश्वर, मनीराम पंजरे, बाबूलाल गाडेश्वर, मिनेश कावरे एवं मेपाल मानेश्वर सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

बुद्ध पूर्णिमा पर शाक्यमुनि बुद्ध विहार मे विविध कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। संपूर्ण विश्व को करुणा, शांति,प्रेम, बंधुत्व व भाईचारे का संदेश देने वाले तथागत सम्यक समबुद्ध की जयंती तहसील मुख्यालय ग्राम किरनापुर के बौद्ध धम्म उपासकों द्वारा बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर शाक्य मुनि बुद्ध विहार किरनापुर मे सर्वप्रथम तथागत भगवान गौतम बुद्ध एवं बोधिसत्व डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष मोमबत्ती , अगरबत्ती धूपबत्ती प्रज्वलित कर सामूहिक रूप से त्रिशरण पंचशील का पाठ करते हुए महापरित्राण पाठ किया गया।तत्पश्चात वक्ताओं द्वारा विश्व कल्याण के लिए सम्यक समबुद्ध द्वारा दिए गए मानवता के संदेश को जन-जन तक प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया गया। तथा बुद्ध पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि आज ही के दिन वैशाख पूर्णिमा को सिद्धार्थ गौतम का जन्म हुआ तथा आज ही के दिन वैशाख पूर्णिमा को उन्हें बोधि ज्ञान की प्राप्ति हुई तथा उनका महापरिनिर्वाण भी वैशाख पूर्णिमा के ही दिन हुआ था।आज की यह तिथि त्रिगुण पावन पर्व बुद्ध पूर्णिमा के रूप में मनाई जाती है । जिसके चलते बुद्ध पूर्णिमा के रूप में धम्म उपासक उपासकों द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है ।कार्यक्रम के अंत में सभी को खीर पूरी सहित फल वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के अवसर पर बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा स्थापना एवं जयंती समारोह समिति अध्यक्ष जे पी रामटेके, भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा अध्यक्ष दुरेन्द्र सावनकर,ग्राम के वरिष्ठ नागरिक व्ही एन मेश्राम, एम आर बागड़े, एस सी वैद्य,एस आर पटले, एन एल निकुसे,बी आर डोंगरे,डॉ शुभेच्छा पलास ऊके, राकेश बोरकर,मिलिंद चौरे, रमा शंकर हिरकने,राहुल वैद्य स्वाकेश भीमटे, मनीष मेश्राम,

फनेन्द्र मेश्राम, मनोज मेश्राम,कुलदीप भीमटे, शेखर भीमटे, उमा ताई मेश्राम, साधना गोंडाने, उर्मिला ताई मेश्राम, सीमा बोरकर,ममता बोरकर, प्रियंका हुमनकर,आशा गेडाम, आरजू मेश्राम, पुष्पा मेश्राम,विमला ताई भोयर, सुभाष भीमटे सहित अनेक लोगों की मौजूदगी रही।

कृषि उपज मंडी में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस का हुआ आयोजन

मजदूर यूनियन ने मजदूरों को अधिकारों के प्रति सजग रहने और शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने किया जागरूक

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस स्थानीय कृषि उपज मंडी में १ मई को अनाज मंडी एवं राईस मिल यूनियन एवं हमाल एवं रेजा मजदूर संघ के तत्वाधान में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम कामरेड दिनेश रामटेके, जिला सचिव छलूलाल दांदरे, भिवराम भोयर, विश्वनाथ टेंभरे, चंदूलाल ठाकरे सहित अन्य गणमान्य जनों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ झंडा वंदन कर व अमेरिका के शिकागों में शहीद हुये मजदूरों को श्रध्दा सुमन अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात कृषि उपज मंडी में आमसभा का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अंतरर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाने के पीछे के उद्देश्य एवं लंबे संघर्ष के साथ वर्तमान सरकार कि श्रम नीतियों पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालकर बताया गया।

शिकागो के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

मजदूर दिवस के अवसर पर मंडी में शिकागो में हुए मजदूरों के आंदोलन में मजदूरों को अपना हक दिलाने के लिए अपने प्राण निछावर करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। जिसमें बताया कि मजदूर दिवस १ मई को श्रमिकों के अधिकारों और योगदान को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। इसकी शुरुआत १८८६ के शिकागो हैमार्केट आंदोलन के बाद हुई थी भारत में यह पहली बार १९२३ में चेन्नई में मनाया गया था। यह दिन मजदूरों के अधिकारों और संघर्षों को याद करने के लिए मनाया जाता है। १८८६ में शिकागो अमेरिका में श्रमिकों ने आठ घंटे के कार्य दिवस की मांग को लेकर हड़ताल की थी। ४ मई को हेमार्केट स्क्वायर में हुए प्रदर्शन में कई लोग मारे गए जिसे हेमार्केट अफेयर कहा जाता है। जिनकी याद में २ मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित कि गई।

महेनतकस लोगो का दिन हैं मजदूर दिवस-दिनेश रामटेके

कामरेड दिनेश रामटेके ने बताया कि पूरे विश्व में मजदूर दिवस १ मई को मनाया जाता है। यह मजदूर हमाल श्रमिक मेहनतकस लोगों का दिन है जो वह अपने परिवार के साथ मना रहे हैं। अमेरिका के शिकागों में हिटलर की तानाशाही के खिलाफपूरे विश्व के मजदूरों ने अपने हक और अधिकार की लड़ाई लड़कर जीत हासिल की थी। तभी से प्रतिवर्ष १ मई को पूरे विश्व के मजदूर संगठन मिलकर मजदूर दिवस मनाते है और जो मजदूर शहीद हुये थे उन्हे श्रध्दांजलि अर्पित करते है। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर अपने मजदूर भाई बहनों से यही अपील है कि वह अपने अधिकार के लिए जागरूक रहे और सदैव अपनी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार रहे। ८ घंटे काम, ८ घंटे आराम और ८ घंटे परिवार के साथ यह लंबे संघर्ष बाद हमें प्राप्त हुआ है यह हमारा अधिकार है।

मजदूर दिवस मनाने का उद्देश्य जागरूक करना है- छलूलाल दांदरे

जिला सचिव छलूलाल दांदरे ने बताया कि स्थानीय कृषि उपज मंडी में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया है। जिसमें बड़ी संख्या में मजदूर उपस्थित हुये है जिन्हे उनके हक की लड़ाई लड़ने प्रेरित किया गया है। वर्तमान समय में मजदूरों को इस बढ़ती हुई महंगाई के दौर में अपने परिवार का लालन पोषण करने में काफी कठिनाई हो रही है। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मनाया गया है जहां सभी का मार्गदर्शन कर इस अवसर पर उन्हें उनके अधिकार और उसे पाने के रास्तों के बारे में बताया जा रहा है, कार्यक्रम का मूल उद्देश्य मजदूरों को जागरूक करना है और यह बताना कि उन्हें महिला पुरुष के रूप में क्या लाभ मिल रहे है। श्रम कल्याण मंडल से क्या लाभ है वही छोटी छोटी बातों को लेकर विचार विमर्श करना हैं। हम चाहते हैं कि हमें भी शासन सुविधा दे आज यहां काम करते समय किसी मजदूर को कुछ हो जाए तो उसे कुछ नहीं मिल सकता है और अभी जीवित रहने पर परिवार को भी कोई योजना का लाभ नहीं है।

नगर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई बुद्ध पूर्णिमा

रैली के जरिए दिया एकता का संदेश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में वैशाख पूर्णिमा बुद्ध पूर्णिमा का पावन पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस त्रिगुण पावन अवसर पर बौद्ध उपासक उपासिकाओं के द्वारा रैली निकालकर नगर भ्रमण किया गया और भगवान बुद्ध के सिद्धांतों को जन जन तक पहुँचाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वार्ड नंबर १ स्थित महामाया बौद्ध विहार से हुई जहाँ बड़ी संख्या में अनुयायी एकत्रित हुए। यहाँ से प्रारंभ हुई रैली नगर के प्रमुख मार्गों से दीनदयाल चौक, बस स्टैंड, जय स्तंभ चौक और नेहरू चौक से होते हुए डॉ बी आर आंबेडकर चौक पहुँची। रैली के दौरान पूरा मार्ग बुद्धम शरणम गच्छामि के जयघोष से गुंजायमान रहा। आंबेडकर चौक पर समाज के वरिष्ठ जनों और युवाओं ने संविधान निर्माता डॉ.बाबा साहेब आंबेडकर की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने सामूहिक रूप से त्रिशरण और पंचशील का पाठ कर वंदना की गई। इस दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि बुद्ध पूर्णिमा का दिन भगवान बुद्ध के जन्म ज्ञान प्राप्ति संबोधि और महापरिनिर्वाण का प्रतीक है। इस आयोजन के माध्यम से समाज को शिक्षित बनने और आपसी एकता के साथ रहने का संदेश दिया गया।

सांदीपनि विद्यालय में समर केम्प का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय सांदीपनि विद्यालय टिहली बाई स्कुल के प्राचार्य हुमराज पटले ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार समर केम्प का आयोजन १ मई से १ जून २०२६ तक करने हेतु निर्देश प्राप्त हुए हैं। जिसके परिपालन में शुक्रवार को समर केम्प का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य हुमराज पटले की मौजूदगी में किया गया। कार्यक्रम नोडल राजेश सोनेकर खेलकुद शिक्षक के द्वारा बच्चों को समर केम्प की विधाओं से अवगत कराया गया। जिसमे खेल,आर्ट एंड क्राफ्ट, रंगोली, चित्रकला, डांस, म्यूजिक और अन्य विधाओं की जानकारी विस्तार से प्रदान की गई। समर केम्प के आयोजन पर प्रकाश डालते हुए संस्था प्रमुख के द्वारा अवगत कराया कि विद्यार्थी साल भर अपनी अपनी पढ़ाई लिखाई में व्यस्त रहते है उन्हें अन्य विधाओं में रुचि होने के बाउजूद उन्हें पढ़ाई की चिंता होती है। जिस कारण वे अन्य वीधाओं में भाग नही ले पाते । परंतु विभाग के द्वारा इस पहल से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव हैं। इस दौरान लखन रिनायत,श्रीमती वंदना शर्मा, श्रीमती श्यामकला वडिचार,डेलेन्द्र मेश्राम ,कमल टेंभरे,किशोर गजभिये,विजय गजभिये, गोविंद चौधरी, श्रीमती आकांशा आश्रले, श्रीमती माया बिसेन, श्रीमती भूमिका डोंगरे, अमित डोंगरे और विद्यालय के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

कलेक्टर मृणाल मीना ने वारासिवनी के गेहूं खरीदी केन्द्रों का किया निरीक्षण

किसानों से चर्चा कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा सुधार के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कलेक्टर मृणाल मीना ने शुक्रवार को वारासिवनी क्षेत्र में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए स्थापित केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गेहूं विक्रय के लिए पहुंचे किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, जिला आपूर्ति अधिकारी आर के ठाकुर, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनील किरार तथा एमपी वेयरहाउसिंग के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री मीना ने खरीदी केन्द्रों में किसानों के लिए छाया एवं बैठने की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी को देखते हुए टेंट का विस्तार किया जाए ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। साथ ही पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने केन्द्रों पर तौल कांटों की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए कहा कि गेहूं की तौल में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खरीदी केन्द्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने किसानों की समस्याएं भी सुनीं। कुछ किसानों ने बताया कि सेटेलाइट सर्वे में उनके गेहूं के रकबे को कम दर्शाया गया है जिससे उन्हें पूरी उपज समर्थन मूल्य पर बेचने में कठिनाई हो सकती है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने सेटेलाइट सर्वे से फसल की सटीक जानकारी प्राप्त होती है लेकिन यदि किसी किसान का रकबा कम दर्ज हुआ है तो पटवारी के द्वारा मौके पर जांच कराकर समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन किसानों ने गेहूं विक्रय के लिए अपना पंजीयन कराया है वे २३ मई तक स्लाट बुक करा लें। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीदी केन्द्रों पर सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हों और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो।

पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया डेमोक्रेटिक ने मनाया मजदूर दिवस

निजीकरण और भेदभाव के खिलाफ एकजुट हुआ मजदूर वर्ग

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। गांधी बाल उद्यान के समक्ष अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर १ मई को पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया डेमोक्रेटिक के तत्वाधान में विशाल रैली एवं जनसभा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम का प्रारंभ मजदूर संघ वारासिवनी के प्रतिनिधि प्रेमराज वरकड़े, बी एल पांचे ,रूपेश नागोते ,एस डी तिरपुड़े सहित अन्य वक्ताओं की उपस्थिति में किया गया। इस कार्यक्र म में क्षेत्र के मजदूरों और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। जहाँ देश में मजदूरों की बढ़ती समस्याओं अन्याय और अत्याचार के खिलाफ आवाज बुलंद की गई। कार्यक्रम के समापन पर पार्टी के जिला अध्यक्ष डी एल मानेश्वर के नेतृत्व में भारत की राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन में संविधान के प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक समानता हेतु ६ प्रमुख मांगें रखी गई हैं जिसमे अनुच्छेद ४३ के तहत श्रमिकों को शिक्षा काम और सुरक्षा सामग्री के साथ सम्मानजनक मजदूरी सुनिश्चित की जाए। उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति लिंग और धर्म के आधार पर होने वाले भेदभाव को रोकने हेतु यूजीसी रेगुलेशन २०२६ को सख्ती से लागू करने। ओबीसी वर्ग को पदोन्नति में आरक्षण देने और क्रीमी लेयर की व्यवस्था को समाप्त करने। बेरोजगारी और महंगाई पर नियंत्रण हेतु शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का पूर्ण राष्ट्रीयकरण कर उन्हें निशुल्क किया जाए। न्याय पालिका मंत्रिपरिषद और विश्वविद्यालयों की गवर्निंग बॉडी में एससी एसटी ओबीसी का पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने हेतु कानून बनाया जाए। ऐसी सभी पुस्तकों और साहित्य पर रोक लगाने की मांग की गई जो जातिगत या लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा देकर मानवीय गरिमा को ठेस पहुँचाते हैं। इस अवसर पर आर बी ढोके ,के डी वासनिक, अमरसिंह मर्सकोले ,राजू लिल्हारे ,अशोक मरार, धनेन्द्र चौधरी, भोजराम नागेश्वर ,डी के रामटेके सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। राष्ट्रीय संगठन सचिव एस डी तिरपुड़े ने बताया की १ मई अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर मजदूर किसान को जगाने के लिए यह आयोजन किया गया है। हमारे यहां किसान मजदूर असंगठित है वह अपनी आवाज नहीं उठा पता हैं। सरकार के द्वारा मजदूर किसान की स्थिति बहुत ज्यादा खराब कर दी गई है कई मजदूरों को दो वक्त की भोजन की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। प्रधानमंत्री कहते हैं ८० करोड़ को हम फ्री राशन दे रहे हैं तो यह जरूर क्यों पड़ी। स्वतंत्रता से अब तक जिनका शासन रहा है वह इसके लिए जिम्मेदार है। किसान मजदूर अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा स्वास्थ्य बेहतर जीवन नहीं दे पा रहे हैं यदि अपनी पूंजी खर्च कर शिक्षा देते भी हैं तो वह युवक आज बेरोजगार है। इन्होंने २९ श्रम कानून को ४ संहिता में बदला उसमें मजदूर के अधिकार और सुरक्षा को खत्म किया है। पहले ११ मजदूर औद्योगिक में आते थे आप २५० मजदूर औद्योगिक में आते हैं इस प्रकार शासन मजदूरों का शोषण कर रही है।

किसान के खेत से कीमती पेड़ काटकर हुई चोरी

मोनू पटले के खिलाफ एफआईआर दर्ज

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मदनपुर के खेत से कीमती पेड़ काटकर चोरी करने का एक गंभीर मामला सामने आया है। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसमें मोनू पटले ने आंजन और जामुन सहित ९ पेड़ों पर कुल्हाड़ी से काटकर पिकअप से ले जा लिया हैं। इसमें प्रार्थी को हजारों रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोस्ते निवासी सचिन रिनायत पिता सुखलाल रिनायत ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके ग्राम मदनपुर स्थित खेत की मेड़ पर लगे कीमती पेड़ चोरी हो गए हैं। इसमें ३० अप्रैल २०२६ की शाम करीब ६ बजे उन्हें उनके पड़ोसी युवराज रिनायत ने फोन पर सूचना दी कि उनके खेत के पेड़ कटे हुए पड़े हैं। जब सचिन ने खेत पर जाकर देखा तो वहां ९ पेड़ आंजन, १ पेड़ कन्ही और १ पेड़ जामुन के कटे हुए पाए गए। पेड़ों की शाखाएं खेत में ही बिखरी पड़ी थीं जबकि मुख्य लकड़ी गायब थी। घटना की छानबीन के दौरान पता चला कि गांव के ही कुछ व्यक्तियों छोटू मरकाम और रूपचंद रिनायत ने एक पिकअप वाहन में लकड़ियां ले जाते हुए देखा था। पूछताछ में मोनू पटले निवासी शिवधाम मोहल्ला वारासिवनी का नाम मुख्य आरोपी के रूप में सामने आया है। आरोप है कि मोनू पटले ने बिना अनुमति के अवैध रूप से इन पेड़ों को काटकर बेच दिया है। चोरी गई संपत्ति की कुल अनुमानित कीमत १५००० रुपये बताई जा रही है। वारासिवनी पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए एफआईआर क्रमांक ०१८१/२०२६ के तहत भारतीय न्याय संहिता २०२३ की धारा ३०३,२ के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। मामले की विवेचना हेड कांस्टेबल रामदयाल चौधरी को सौंपा गया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि चोरी की गई लकड़ियों को कहां ठिकाने लगाया गया और क्या इस गिरोह में अन्य लोग भी शामिल हैं।

महर्षि भृगु की विद्वत्ता आज भी देती है समाज को दिशा

महर्षि भृगु प्राकट्य उत्सव भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का एक अत्यंत पावन एवं महत्वपूर्ण पर्व है। यह दिन महान ऋषि महर्षि भृगु प्राकट्य उत्सव के रूप में श्रद्धा, आस्था और सम्मान के साथ मनाया जाता है। महर्षि भृगु को हिंदू धर्म के प्रमुख सप्तऋषियों में स्थान प्राप्त है और उनका जीवन ज्ञान, तपस्या तथा सत्य की खोज का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। महर्षि भृगु को सृष्टिकर्ता ब्रह्मा जी का मानस पुत्र माना जाता है। वे अत्यंत तेजस्वी, विद्वान और दूरदर्शी ऋषि थे। उन्होंने अपने ज्ञान और तपस्या के बल पर वेदों, उपनिषदों और धर्मशास्त्रों के गूढ़ रहस्यों को समझा और समाज के कल्याण हेतु उनका प्रसार किया। उनका योगदान विशेष रूप से ज्योतिष शास्त्र के क्षेत्र में उल्लेखनीय है। महर्षि भृगु द्वारा रचित भृगु संहिता एक अत्यंत प्रसिद्ध और प्राचीन ग्रंथ है, जिसमें ज्योतिष के माध्यम से मानव जीवन के भूत, वर्तमान और भविष्य का विस्तृत वर्णन मिलता है। इस ग्रंथ को आज भी ज्योतिष विद्या का महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। कहा जाता है कि इसमें लाखों लोगों के जीवन से संबंधित भविष्यवाणियाँ संकलित हैं, जो उनके अद्वितीय ज्ञान और विद्वत्ता को दर्शाती हैं। महर्षि भृगु प्राकट्य उत्सव के अवसर पर देशभर में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। श्रद्धालु इस दिन पूजा-अर्चना करते हैं, यज्ञ-हवन कराते हैं और महर्षि भृगु के आदर्शों को स्मरण करते हैं। कई स्थानों पर भव्य शोभायात्राएं निकाली जाती हैं तथा सत्संग और प्रवचन आयोजित किए जाते हैं, जिनमें उनके जीवन और शिक्षाओं पर प्रकाश डाला जाता है। यह पर्व केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हमें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का माध्यम भी है। महर्षि भृगु का जीवन हमें सिखाता है कि सत्य, ज्ञान और धर्म के मार्ग पर चलकर ही जीवन को सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने अपने तप, त्याग और साधना से यह सिद्ध किया कि मनुष्य यदि दृढ़ संकल्प और निष्ठा के साथ कार्य करें, तो वह महान ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। आज के आधुनिक युग में, जब भौतिकता और प्रतिस्पर्धा का प्रभाव बढ़ता जा रहा है, महर्षि भृगु के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। उनका जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि हम अपने जीवन में नैतिक मूल्यों, सदाचार और सेवा भावना को अपनाएं। समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देना ही उनके प्रति सच्ची भक्ति होगी। महर्षि भृगु प्राकट्य उत्सव हमें अपने महान ऋषि-मुनियों के आदर्शों को याद करने और उन्हें अपने जीवन में उतारने का संदेश देती है। यह दिन हमें आत्मचिंतन, आध्यात्मिक उन्नति और सामाजिक समरसता की ओर प्रेरित करता है। आइए, इस पावन अवसर पर हम सभी महर्षि भृगु के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लें और एक बेहतर समाज के निर्माण में अपना योगदान दें।

पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक बंपर वोटिंग-खेला होबे बनाम परिवर्तन होबे

उच्च मतदान प्रतिशत एंटी-इंकंबेंसी का परिणाम -बीजेपी को फायदा, प्रो-इंकंबेंसी मोबिलाइजेशन-टीएमसी अपनी सत्ता बचा सकती है-स्थानीय उम्मीदवारों की लोकप्रियता क्षेत्रीय मुद्दे और अंतिम समय में मतदाताओं का रुझान निर्णायक भूमिका निभानें की संभावना।

वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल का चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक राजनीति,संघीय ढांचे,वैचारिक संघर्ष और चुनावी रणनीतियों का एक ऐसा प्रयोगशाला बन चुका है जिस पर पूरे देश ही नहीं बल्कि वैश्विक राजनीतिक विश्लेषकों की भी पैनी नजर टिकी हुई है।जब मतदान के दोनों चरण अभूतपूर्व उत्साह और अत्यधिक मतदान प्रतिशत के साथ संपन्न हुए,तो यह अपने आप में कई संकेत देता है,पश्चिम बंगाल में मतदान संपन्न हो चुके हैं। अब इंतजार है तो सिर्फ 4 मई का जब नतीजे आएंगे और क्लियर हो जाएगा कि सत्ता में ममता बनर्जी की वापसी होगी या फिर इस बार पश्चिम बंगाल में कमल खिलेगा। लेकिन उससे पहले जो एग्जिट पोल सामने आए हैं, वह कहीं ना कहीं ममता बनर्जी की जमीन हिला रहे हैं। तमाम टीएमसी नेताओं की धड़कनें बढ़ा रहे हैं। और कुछ नेता तो क्या कह रहे हैं टीएमसी के? टीएमसी के नेता कह रहे हैं कि बीजेपी हर बार इस तरीके का माहौल बनाती है और उसका माहौल उल्टा ही साबित होता है। इस बार जो बंगाल में 200 पार का यह लोग बातें कर रहे हैं। इस बार वो बातें हवा-हवाई ही साबित होंगी क्योंकि 4 मई को जो नतीजे आएंगे वो टीएमसी के पक्ष में आएंगे। हालांकि बीजेपी वाले जो हैं वो ये कह रहे हैं कि इस बार ममता बनर्जी के साथ खेला होगा।एक तरफ जनता की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी, दूसरी तरफ सत्ता के प्रति गहरी असंतुष्टि या समर्थन का तीव्र भाव। पश्चिम बंगाल में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान कोई साधारण घटना नहीं है;यह दर्शाता है कि चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं बल्कि जनता के लिए निर्णायक क्षण बन चुका है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस पृष्ठभूमि में बदला बनाम बदलाव की बहस,वोटों की बरसात और सत्ता परिवर्तन जैसे सवाल केवल नारे नहीं बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान के संकेतक बन जाते हैं।अगर हम ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो पश्चिम बंगाल लंबे समय तक वैचारिक राजनीति का केंद्र रहा है। वामपंथी शासन के तीन दशक और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में आल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का उदय, ये दोनों ही चरण बताते हैं कि बंगाल की राजनीति हमेशा परिवर्तनशील रही है।लेकिन वर्तमान चुनाव में जो सबसे बड़ा बदलाव दिखता है,वह है बीजेपी का अभूतपूर्व उभार,जिसने राज्य की पारंपरिक द्विध्रुवीय राजनीति को त्रिकोणीय और अब लगभग द्विध्रुवीय (टीएमसी बनाम बीजेपी) संघर्ष में बदल दिया है।

साथियों बात अगर हम भारत भारत व पूरे विश्व की नजरों मेंअब पहले सबसे बड़े प्रश्न की करें,पूरी दुनिया की नजरें सोमवार 4 मई 2026 के नतीजों पर क्यों टिकी हैं? इसका उत्तर केवल सीटों के गणित में नहीं बल्कि उस राजनीतिक कथा में छिपा है जो भारत के लोकतंत्र को परिभाषित करती है। बंगाल का चुनाव इस बात का संकेत देगा कि क्या क्षेत्रीय दल अभी भी अपने मजबूत गढ़ों को बचा सकते हैं या राष्ट्रीय दलों का विस्तार अब लगभग हर राज्य में संभव हो गया है। यह चुनाव पीएम के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय राजनीति बनाम क्षेत्रीय पहचान की राजनीति का सीधा मुकाबला भी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे लोकल बनाम नेशनल नैरेटिव के रूप में देखा जा रहा है, जो कई लोकतांत्रिक देशों में उभरती प्रवृत्ति से मेल खाता है।

साथियों बात अगर हम बदला या बदलाव,इस प्रश्न को समझने की करें तो पश्चिम बंगाल की राजनीति के सबसे संवेदनशील पहलू को छूता है। बदला शब्द बंगाल में राजनीतिक हिंसा और प्रतिशोध की उस संस्कृति की ओर इशारा करता है जो दशकों से चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा रही है। वहीं बदलाव विकास, प्रशासनिक सुधार और नई राजनीतिक दिशा का प्रतीक है। इस चुनाव में दिलचस्प बात यह रही कि व्यापक रूप से हिंसा की घटनाएं अपेक्षाकृत कम देखने को मिलीं,जिसका श्रेय केंद्रीय बलों की तैनाती और कड़ी निगरानी को दिया जा रहा है। यह बदलाव केवल चुनावी प्रक्रिया में नहीं बल्कि मतदाताओं के मनोविज्ञान में भी झलकता है,वे अब स्थिरता और सुरक्षा को सटीकता से प्राथमिकता दे रहे हैं।

साथियों बात अगर हम दोनों चरणों में 92 प्रतिशत से अधिक हुई बंपर वोटिंग को समझने की करें तो अब सवाल आता है,वोटों की बरसात किसके साथ? अत्यधिक मतदान प्रतिशत आमतौर पर दो तरह के संकेत देता हैऱ्या तो सत्ता के खिलाफ भारी असंतोष, या फिर सत्ता के समर्थन में जबरदस्त लामबंदी।इस बार बंगाल में दोनों ही संभावनाएं मौजूद हैं। एक तरफ टीएमसी ने अपने कल्याणकारी योजनाओं,महिला वोट बैंक और ग्रामीण नेटवर्क के दम पर मजबूत पकड़ बनाए रखी है,वहीं बीजेपी ने हिंदुत्व, राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के मुद्दों के साथ-साथ संगठनात्मक विस्तार के जरिए शहरी और युवा मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश की है।एग्जिट पोल्स ने इस जटिल समीकरण को और भी रोमांचक बना दिया है।विभिन्न एजेंसियों के अनुमान में बीजेपी को बढ़त दिखाई जा रही है,कुछ में तो स्पष्ट बहुमत का दावा भी किया गया है। हालांकि पोल ऑफ पोल्स एक करीबी मुकाबले की ओर इशारा करता है, जहां टीएमसी और बीजेपी के बीच सीटों का अंतर बहुत ज्यादा नहीं है।भारतीय चुनावी इतिहास में एग्जिट पोल कई बार गलत भी साबित हुए हैं, इसलिए इन्हें अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। फिर भी ये राजनीतिक माहौल और मतदाताओं की संभावित दिशा का संकेत जरूर देते हैं।टीएमसी का दावा है कि ये एग्जिट पोल मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि वास्तविक नतीजे उनके पक्ष में आएंगे और बीजेपी का 200 पार का दावा केवल प्रचार है। दूसरी ओर बीजेपी का आत्मविश्वास इस बात को दर्शाता है कि पार्टी को जमीनी स्तर पर अपने प्रदर्शन को लेकर भरोसा है। खेला होबे बनाम परिवर्तन होबे ये नारे अब केवल शब्द नहीं बल्कि दो अलग-अलग राजनीतिक दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

साथियों बात अगर हम इस चुनाव में एक और महत्वपूर्ण पहलू को समझने की करें तो वह है,भ्रष्टाचार के आरोप, विशेषकर कोयला घोटाला। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर इस बार कोई बड़ा उलटफेर होता है, तो उसमें इन आरोपों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। जांच एजेंसियों की कार्रवाई और उससे जुड़ी राजनीतिक बहस ने चुनावी माहौल को प्रभावित किया है। साथ ही, चुनावी रणनीति में पेशेवर संस्थाओं की भूमिका जैसे कि आईपैक भी चर्चा का विषय रही है, जिसने आधुनिक भारतीय चुनावों में डेटा-आधारित रणनीति की अहमियत को उजागर किया है।मतदान के शांतिपूर्ण संपन्न होने का एक और बड़ा प्रभाव यह है कि इससे चुनाव की वैधता और विश्वसनीयता बढ़ी हैअंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लोकतंत्र को अक्सर उसकी जटिलता और विविधता के कारण सराहा जाता है, लेकिन चुनावी हिंसा उसकी छवि को प्रभावित करती रही है। इस बार अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण चुनाव ने यह संदेश दिया है कि भारत अपने चुनावी तंत्र को और मजबूत बना रहा है।

साथियों बात अगर हम सबसे बड़ा प्रश्न,क्या एग्जिट पोल के आंकड़े वास्तविक नतीजों में बदलेंगे? इसको समझने की करें तो,इसका उत्तर 4 मई को ही मिलेगा, लेकिन कुछ संकेतों के आधार पर संभावनाओं का विश्लेषण किया जा सकता है। अगर उच्च मतदान प्रतिशत एंटी-इंकंबेंसी का परिणाम है, तो बीजेपी को फायदा हो सकता है। लेकिन अगर यह 卐प्रो-इंकंबेंसी मोबिलाइजेशन卐 है, तो टीएमसी अपनी सत्ता बचा सकती है। इसके अलावा, स्थानीय उम्मीदवारों की लोकप्रियता, क्षेत्रीय मुद्दे और अंतिम समय में मतदाताओं का रुझान भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पश्चिम बंगाल का यह चुनाव भारतीय राजनीति के भविष्य की दिशा तय करने वाला साबित हो सकता है।यह केवल यह नहीं बताएगा कि सत्ता किसके हाथ में जाएगी, बल्कि यह भी संकेत देगा कि भारत में राजनीति का स्वरूप किस दिशा में विकसित हो रहा है,क्या क्षेत्रीय दल अपनी पकड़ बनाए रखेंगे या राष्ट्रीय दलों का वर्चस्व और बढ़ेगा। बदला और बदलाव के बीच झूलता यह चुनाव लोकतंत्र के उस जीवंत स्वरूप का उदाहरण है, जहां अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है।4 मई का दिन केवल नतीजों की घोषणा नहीं होगा, बल्कि यह उस राजनीतिक कथा का निष्कर्ष होगा जो महीनों से लिखी जा रही है। क्या ममता बनर्जी अपनी सत्ता बचा पाएंगी या बीजेपीपहली बार बंगाल में सरकार बनाएगी,यह सवाल जितना बंगाल के लिएमहत्वपूर्ण है, उतना ही भारत और विश्व की राजनीति के लिए भी महत्व रखेगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

अंतरजातीय संबंधों पर सामाजिक हिंसा का संकट और बदलते समाज की चुनौती

- कांतिलाल मांडोत

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के टामटिया गांव में घटी हालिया घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं है बल्कि यह हमारे समाज के भीतर गहराई तक जमी उन मानसिकताओं को उजागर करती है जो आज भी जाति और परंपरा के नाम पर इंसानियत को पीछे छोड़ देती हैं। एक प्रेम प्रसंग से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसा में बदल गया, जिसमें एक युवक की हत्या कर दी गई और उसके बाद गुस्से और बदले की भावना में गांव के कई घरों को आग के हवाले कर दिया गया। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है, पुलिस बल तैनात है, और ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों दिखाई दे रहे हैं। यह स्थिति हमें सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर 21वीं सदी में भी समाज इस तरह की त्रासदियों से क्यों जूझ रहा है।

इस घटना की जड़ में एक अंतरजातीय प्रेम संबंध बताया जा रहा है। युवक और युवती के बीच संबंध को लेकर पहले भी विवाद हुआ था और मामला पुलिस तक पहुंचा था, लेकिन समय रहते प्रभावी

कार्रवाई नहीं होने से स्थिति बिगड़ती चली गई। जब परिवार और समाज प्रेम संबंध को स्वीकार नहीं कर पाते, तब ऐसे रिश्ते अक्सर टकराव का कारण बनते हैं। इस मामले में भी युवती के भाई ने संबंध का विरोध किया, जिससे तनाव बढ़ा और अंतत: यह हिंसक रूप ले बैठा। आरोप है कि युवक की हत्या बेहद क्रूर तरीके से की गई, जिसने पूरे गांव को झकझोर दिया।

हत्या के बाद जो हुआ वह और भी चिंताजनक है। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर हमला कर दिया, घरों में आग लगा दी, और देखते ही देखते कई परिवार बेघर हो गए। बताया जा रहा है कि 30 से अधिक घर जलकर राख हो गए। यह केवल संपत्ति का नुकसान नहीं है, बल्कि उन परिवारों की जिंदगी पर गहरा आघात है, जिन्होंने एक ही रात में अपना सब कुछ खो दिया। आगजनी के बाद भी लंबे समय तक घरों से धुआं उठता रहा, जो इस त्रासदी की भयावहता का प्रतीक है।

घटना के बाद पुलिस और प्रशासन की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों का आरोप है कि पहले से मिल रही धमकियों के बावजूद पुलिस ने समय रहते कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण यह घटना हुई। यही कारण है कि अब लोग आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ-साथ पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जब आम नागरिकों को यह महसूस होता है कि उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा, तो उनके भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है, जो आगे चलकर सामाजिक अशांति को जन्म देता है। यह घटना केवल एक गांव या एक राज्य तक सीमित नहीं है। देश के कई हिस्सों में आज भी अंतरजातीय विवाह या प्रेम संबंधों को लेकर इसी तरह की हिंसा देखने को मिलती है। समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी जातिगत सीमाओं को तोड़ने के लिए तैयार नहीं है। खासकर जब बात बेटियों की आती है, तो परिवारों में नियंत्रण और कठोरता और भी बढ़ जाती है। यह एक गहरी विडंबना है कि जहां एक ओर समाज बहुओं को किसी भी जाति से स्वीकार कर लेता है, वहीं बेटियों के लिए वही स्वतंत्रता नहीं दी जाती। यह दोहरा मापदंड न केवल असमानता को बढ़ावा देता है बल्कि सामाजिक तनाव का कारण भी बनता है। समाज में लड़कियों की कमी भी एक गंभीर समस्या बन चुकी है। कई क्षेत्रों में आज भी लिंगानुपात असंतुलित है, जिसके कारण हजारों युवक शादी से वंचित रह जाते हैं। इसके बावजूद अगर समाज अंतरजातीय विवाह को स्वीकार नहीं करता, तो यह समस्या और जटिल होती जाती है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि हम अपनी सोच को बदलें और रिश्तों को जाति के बजाय मानवीय आधार पर स्वीकार करें। इस तरह की घटनाएं यह भी दिखाती हैं कि परंपरा और आधुनिकता के बीच संघर्ष अब भी जारी है। एक ओर नई पीढ़ी अपने फैसले खुद लेना चाहती है, अपने जीवनसाथी का चुनाव करना चाहती है, वहीं दूसरी ओर पुरानी सोच अब भी इन बदलावों को स्वीकार करने में हिचक रही है। यह टकराव जब संवाद के बजाय हिंसा में बदल जाता है, तब इसके परिणाम बेहद खतरनाक होते हैं। इस समस्या का समाधान केवल कानून के जरिए संभव नहीं है। इसके लिए समाज में व्यापक स्तर पर जागरूकता और संवाद की जरूरत है। परिवारों को यह समझना होगा कि बच्चों की खुशियां और उनका अधिकार सर्वोपरि हैं। शिक्षा का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है, क्योंकि शिक्षित समाज में इस तरह की कट्टरता अपेक्षाकृत कम देखने को मिलती है। साथ ही प्रशासन को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और ऐसे मामलों में समय रहते प्रभावी कार्रवाई करनी होगी ताकि स्थिति बिगड़ने से पहले ही संभाली जा सके। टामटिया गांव की यह घटना एक चेतावनी है कि अगर हमने अब भी अपनी सोच नहीं बदली, तो ऐसे हादसे बार-बार होते रहेंगे। हमें यह स्वीकार करना होगा कि समाज बदल रहा है और इस बदलाव को रोकना संभव नहीं है। बेहतर यही होगा कि हम इसे समझदारी से स्वीकार करें और एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहां प्रेम, समानता और सम्मान को प्राथमिकता दी जाए, न कि जाति और रूढ़ियों को।

अंतत: यह सवाल हम सभी के सामने है कि हम किस तरह का समाज बनाना चाहते हैं। क्या हम वही पुरानी परंपराओं में जकड़े रहेंगे जो हिंसा और विभाजन को जन्म देती हैं, या फिर हम एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ेंगे जहां हर व्यक्ति को अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीने की आजादी हो। इस सवाल का जवाब ही तय करेगा कि आने वाले समय में इस तरह की घटनाएं कम होंगी या फिर और बढ़ेंगी।

एंग्जाइटी से बचने के लिए ध्यान जरुरी

आजकल एंग्जाइटी के रोग ब?ने लगे है एंग्जाइटी डिस्ऑर्डर से पीडित व्यक्ति हर वक्त डरा रहता है, उसे घबराहट महसूस होती है और उसके हाथ पैर कांपने लगते हैं। उसे नींद न आने की परेशानी होने लगती है और उसे लगातार पसीना भी आता है। धीरे धीरे धीरे ये सभी लक्षण इतने आम हो जाते हैं कि व्यक्ति एंग्जाइटी डिस्ऑर्डर का शिकार हो जाता हैजब भी डर लगता है तो एंग्जाइटी रोग उत्पन्न होता है। यह या तो किसी गलत कार्य के कारण होता है या फिर कोई बुरी घटना के कारण होता है मैं यह नहीं जानता हूं यह डर क्या एक अविद्या है। क्योंकि डर में आपका विवेक खत्म होने लगता है और दवा से यह और भी खतरनाक हो जायेगा क्योंकि दवाई कुछ देर के लिए राहत तो देती है लेकिन डॉ का चक्कर से बीमारी और भी बढ़ जाती है इसलिए ध्यान जरुरी है इसमें क्या *मैं हूं* यह जान सकता हूं और संसार में कैसे कैसे लोग हैं जो कुछ सकारात्मक विचार रखते हैं लेकिन आधे से अधिक नकारात्मक और बीमारी को गंभीर बना देते है इसलिए पहले डर को खत्म कर अपने मन को नियंत्रण करना सीखे। जो भी जाना, सुना जाता है वह बुद्धि द्वारा होता है और मेरे से अलग होता है।अन्ताकरण-मन जड़-चेतन मिश्रित है। जड़-चेतन की जो ग्रंथि है यह केवल ज्ञान से दूर होती है और जब होगी तो ऐसे होगी जैसे अनन्त काल का अंधेरा एक वत्ती जलाने से दूर हो जाता है। ऋतेज्ञानान्नमुक्ति कहा है। इसके लिए भगवान राम का ध्यान जो शीशे जैसा बिल्कुल साफ और दया के सागर हैं और सत् चित् आनन्दघन परमात्मा राम की उपासना का बहुत बड़ा महत्व होता है। ऐसे मैंने सुना है व पढ़ा भी है। = भौतिक विज्ञान की दुनिया में एक बेहद रहस्यमयी लेकिन पूरी तरह प्रमाणित सच्चाई है, जिसे प्रेक्षक प्रभाव कहा जाता है। जब हम सूक्ष्म कणों को नहीं देख रहे होते हैं, तो वे एक ऊर्जा की तरंग की तरह व्यवहार करते हैं, जो एक ही समय में कई जगहों पर फैली होती है। लेकिन विज्ञान का सबसे हैरान करने वाला तथ्य यह है कि जैसे ही हम उन्हें देखने या मापने की कोशिश करते हैं, उनका व्यवहार तुरंत बदल जाता है। ठीक उसी पल में वे तरंग से बदलकर एक निश्चित स्थान पर मौजूद ठोस कण बन जाते हैं। इसका सीधा अर्थ है कि केवल हमारी देखने या ध्यान केंद्रित करने की क्रिया ही सूक्ष्म स्तर पर वास्तविकता के रूप को तय करती है। यह हमारे ब्रह्मांड के सबसे गहरे और प्रमाणित वैज्ञानिक नियमों में से एक है।आसान भाषा में माया इसी को कहते हैं द्य अध्यारोपापवाद (अध्यारोप + अपवाद = पहले अध्यारोप, फिर अपवाद (हटाना)) अद्वैत वेदांत में आत्मतत्व के उपदेश की वैज्ञानिक विधि। ब्रह्म के यथार्थ रूप का उपदेश देना अद्वैत मत के आचार्य का प्रधान लक्ष्य है। ब्रह्म है स्वयं निष्प्रपंच और इसका ज्ञान बिना प्रपंच की सहायता के किसी प्रकार भी नहीं कराया जा सकता है अद्वैत 'अध्यारोपङ्कअपवाद' तक पहुँचकर रुक जाता है। वहाँ अनुभव को 'अविद्या' कहकर नकार दिया जाता है, पर यह स्पष्ट नहीं किया जाता कि कर्तापन, भोक्तापन और अज्ञान का प्रत्यक्ष अनुभव किसकी सत्ता में घटित हो रहा है। यदि अविद्या का आश्रय शुद्ध चैतन्य है तो उसकी निष्कलंकता खंडित होती है; और यदि नहीं है, तो अविद्या का अस्तित्व ही असिद्ध हो जाता है। 'अनिर्वचनीय' कहना इस विरोध को टालना है, सुलझाना नहीं। कैवल ज्ञान के अनुसार कर्तापन, भोक्तापन और अज्ञान न ब्रह्म के हैं, न मिथ्या अध्यास के—वे अंश-वृत्ति की वास्तविक प्रवृत्तियाँ हैं। अंश देहङ्कप्रकृति में रमण करके 'मैं करता हूँ, मैं भोगता हूँ' का अनुभव करता है, जबकि अंशी (कैवलकर्ता) उससे सर्वथा परे, मूल नियंता सत्ता है। अत: अद्वैत जहाँ भेद को नकारता है, वहाँ कैवल ज्ञान भेद के आधार को उद्घाटित करता है। 'नेह नानास्ति किञ्चन' अनुभव की एक अवस्था है, अंतिम सिद्धांत नहीं। जब तक अनुभवकर्ता, उसकी प्रवृत्ति और मूल सत्ता का भेद स्पष्ट नहीं होता, तब तक समाधान अधूरा ही रहता है। यहीं अद्वैत की सीमा है, और यहीं से कैवल ज्ञान का आरम्भ होता है। , 'कर्तापन प्रकृति में है' कहना तभी टिकेगा जब अंश का अनुभव भी मिथ्या मानें; पर अनुभव प्रत्यक्ष है, इसलिए उसे केवल 'प्रतीत' कहकर हटाया नहीं जा सकता। जड़ प्रकृति न कर्ता हो सकती है, न भोक्ता। जहाँ 'मैं करता हूँ, मैं भोगता हूँ' का अनुभव है, वहीं कर्तापन-भोक्तापन का वास्तविक

आधार मानना पड़ेगा और वह अंश-वृत्ति में ही है। यदि कर्तापन प्रकृति का है, तो भोग भी उसी को होना चाहिए; और यदि भोग अंश में है, तो कर्तापन भी उसी में स्वीकार करना पड़ेगा इन दोनों को अलग नहीं किया जा सकता। अंशी मूलत: अकर्ता, शुद्ध बोध है; उसमें न संकोच-विकास है, न क्रिया। क्रिया, अनुभव और भोग ये सब अंश-वृत्ति के क्षेत्र में ही घटित होते हैं। इसलिए कर्तापन को प्रकृति पर और भोग को अंश पर बाँटना असंगत है। सुसंगत निष्कर्ष यही है- अंशी अकर्ता अधिष्ठान है, और अंश अंश-वृत्ति में वास्तविक कर्ता-भोक्ता है यही कार्य-स्तर का वास्तविक भेद है, न कि मात्र प्रतीत।अग्नि और उष्णता दो पदार्थ नहीं होते एक ही होती है, अग्नि की ही सत्ता में उसकी उष्णता शक्ति की सत्ता होती है,यह दो नहीं अपितु एक ही है ऐसे ही अशं -अंशी दो नहीं एक ही है , अग्नि और उष्णता दो पदार्थ नहीं होते एक ही होती है, अग्नि की ही सत्ता में उसकी उष्णता शक्ति की सत्ता होती है,यह दो नहीं अपितु एक ही है ऐसे ही अशं -अंशी दो नहीं एक ही है ,जहा सत्ता में भेद हो जाता है वहीं द्वैत भाव आ जाता है और यह भेद व्यवहार कहलाता है,जिसका कारण ब्रह्म की माया ही है जिसको शाक्त सम्प्रदाय शक्ति कहता हैं, असल में शक्ति - शक्तिमान दो नहीं है एक ही तत्व का स्फुरण मात्र है, एक रूप तेरा सकल पसारा7 आपहि बनिज आप व्यवहार 77 कितना सत्य उगल रही यह वाणी अद्वैत के दृष्टिकोण से शक्ति जो ब्रह्म का अंग नहीं उसी का ही रूप है उसके रूप का यह जगत पसारा है या जगत उसी का रूप है , आप अद्वैत होकर भी अपनी ही माया के उपाधि भेद से जगत में सत्ता भेद -द्वैत क्रिडा व्यवहार का खेल खेलते हैंआदरणीय, केवलाद्वैत का सम्मान करते हुए एक मूल प्रश्न उपस्थित है यदि जीवो ब्रह्मैव है, तो जीव में अनुभूत कर्तापन, भोक्तापन और अज्ञान का आश्रय किसे माना जाए? उसे ब्रह्म में रखें तो उसकी निर्विकारता प्रभावित होती है, और ब्रह्म से भिन्न मानें तो अद्वैत की व्याख्या कठिन हो जाती है। सकर्तृता सिद्धांत इस विषय को स्तरभेद से स्पष्ट करता है अंश (चेतन) और अंशी (कैवलकर्ता) को उनके-अपने क्षेत्र में यथार्थ मानते हुए। जीव अंश की देह-तादात्म्य अवस्था है, जहाँ कर्तापन, भोक्तापन और अविद्या अंश-वृत्ति रूप में प्रकट होते हैं; जबकि अंशी सर्वथा अतीत, अचल और अकर्मा रहता है। इस दृष्टि में अनुभव का निषेध नहीं, बल्कि उसका यथार्थ निर्धारण है विकृति अंश-वृत्ति में है, कैवलकर्ता में नहीं।

अत: न ब्रह्म पर दोष आरोपित करना पड़ता है, न किसी अनिर्वचनीय तीसरी सत्ता की आवश्यकता रहती है। अविद्या अंश की ही अनादि विकृत वृत्ति है; इसकी निवृत्ति पर अंश अपने शुद्ध विदेह स्वरूप में प्रतिष्ठित होता है, और अंशी सदा अपनी अखंड स्थिति में स्थित रहता है।वास्तवमें तो ईश्वर परिपूर्ण विज्ञानानन्दघन हैं।अग्नि तो वस्तुत: एक ही है, परंतु जब वह अनेक प्रकारकी लकडियों में प्रकट होती है तब अनेक-सी मालूम पड़ती है। वैसे ही सबके आत्मरूप भगवान् तो एक ही हैं, परंतु प्राणियोंकी अनेकता से अनेक जैसे जान पड़ते हैं। भगवान् राम ही सूक्ष्म भूत-तन्मात्रा, इन्द्रिय तथा अन्त:करण आदि गुणोंके विकारभूत भावोंके द्वारा नाना प्रकारको योनियों का निर्माण करते हैं और उनमें भिन्न-भिन जीवोंके रूपमें प्रवेश करके उन-उन योनियोंके अनुरूप विषयोंका उपभोग करते-कराते हैं वे ही सम्पूर्ण लोकोंकी रचना करते हैं और देवता, पशु-पक्षी, मनुष्यादि योनियोंमें लीलावतार ग्रहण कर सत्त्वगुणद्वारा जीवों का पालन-पोषण करते हैं। आत्मा-परमात्मा,ब्रह्म, माया-प्रकृति यह तत्त्व अनादि और अनिर्वचनीय हैं। वेदांत दर्शन के अनुसार। इनके बारे में अनुभव करने की साधना करना चाहिए।

-संजय गोस्वामी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली से खाद्य तेलों में बाजार मजबूत नज़र आये। किराना जिंसों में शक्कर व खोपरा गोला मजबूती पर रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूती पर रही। दलहनों में चने में पूछपरख रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में आयात पड़तल ऊँची जाने व लेवाली के चलते भावों में सुधार आया। सोयाबीन में भी बड़त रही। उधर, किराना जिंसों में शक्कर व खोपरा गोला बड़ाकर बोला गया। तिलहनों में सोयाबीन 6100-6300 रू. प्रति क्विंटल पर सुर्ख रहा। दलहनों में पूछपरख देखी गयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4130-4200, खोपरा गोला 390-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल- सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1610, राजकोट तेलिया 2505, सोया साल्वेंट 1400-1410, सोया रिफाइंड 1465-1470, कपास्या 1410-1420, धूलिया 1410, कड़ी 1410,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550-1560, मुम्बई पाम 1455, मुम्बई सोया 1510,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7200-7500, रायडा 6400-6600, सोयाबीन 6100-6300, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5675-5725, एवरेज 5450-5575, विशाल 5600-5650, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-7100, एवरेज 6800-6900, हल्की 6600-6700, महाराष्ट्र सफेद 7100-7200, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडि?यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2350-2450, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 242000, चाँदी (99) 241900, टंच 241000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 151500,

जीएसटी संग्रह अप्रैल में 2.43 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में मजबूत आर्थिक गतिविधियों का संकेत देते हुए, अप्रैल महीने में सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए 2.43 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यह पिछले साल की तुलना में 8.7 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है। यह ऐतिहासिक संग्रह इससे पहले अप्रैल में दर्ज किए गए 2.23 लाख करोड़ रुपये के सर्वाधिक आंकड़े को भी पीछे छोड़ गया है। घरेलू बिक्री और खरीद से प्राप्त सकल राजस्व में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 1.85 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। वहीं आयात से जीएसटी संग्रह में 25.8 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखी गई, जो 57,580 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

भारत ने बदली तेल खरीद रणनीति, वेनेजुएला-ब्राजील से बढ़ी सप्लाई

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक उथल-पुथल और होर्मुज स्ट्रेट में व्यवधान ने भारतीय रिफाइनरियों को अपनी कच्चे तेल खरीद रणनीति में ऐतिहासिक बदलाव करने पर मजबूर कर दिया है। अप्रैल में, भारत के शीर्ष पांच आपूर्तिकर्ताओं की सूची में वेनेजुएला और ब्राजील ने प्रमुखता से अपनी जगह बनाई है, जबकि पारंपरिक रूप से दूसरे सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता इराक से तेल खरीद वर्षों में पहली बार शून्य पर आ गई है। यह बदलाव संघर्ष-पूर्व की स्थिति से उल्लेखनीय रूप से भिन्न है, जब रूस, इराक, सऊदी अरब, यूएई और अमेरिका भारत के प्रमुख आपूर्तिकर्ता थे। समुद्री खुफिया फर्म केपलर के आंकड़ों के अनुसार, यह बदलाव तब आया है जब होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने के कारण पश्चिम एशिया, खासकर इराक, कुवैत और कतर जैसे देशों से भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति शून्य हो गई है। होर्मुज स्ट्रेट एक रणनीतिक समुद्री मार्ग है जिसके माध्यम से वैश्विक कच्चे तेल का लगभग 20 प्रतिशत पारगमन होता है। इराक, जो संघर्ष से पहले भारत को प्रतिदिन 10 लाख बैरल कच्चा तेल आपूर्ति करता था, उसकी आपूर्ति पूरी तरह रुक गई है। केपलर के एक वरिष्ठ रिफाइनिंग विश्लेषक ने बताया कि सऊदी अरब और यूएई के विपरीत, इराक के पास एशियाई बाजारों तक पहुंचने के लिए कोई वैकल्पिक निर्यात ढांचा नहीं है। उन्होंने आगाह किया कि यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष अनसुलझा रहता है, तो क्षेत्र से इराकी तेल की आपूर्ति दबे स्तर पर बनी रहने की संभावना है। इस ऐतिहासिक बदलाव के बीच, भारतीय रिफाइनर वैश्विक बाजार में विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। अप्रैल में वेनेजुएला भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है, जिसने 2,98,000 बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल की आपूर्ति की, जो पहले शून्य थी। अमेरिकी नियंत्रण में काराकस तेल संपत्तियों के आने के बाद भारतीय रिफाइनरों ने वेनेजुएला का तेल फिर से खरीदना शुरू किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस खरीद का बड़ा हिस्सा किया है, क्योंकि उसकी रिफाइनरी की जटिलता उसे वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल को संसाधित करने में सक्षम बनाती है।

महंगी रसोई गैस ने तोड़ी गरीबों की कमर, छोटू सिलेंडर सबसे महंगा

नई दिल्ली। एजेंसी। ईएमएस,देश में रसोई गैस की कीमतों को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जहां एक ओर आम आदमी महंगाई से जूझ रहा है। वहीं पेट्रोलियम कंपनियों की नीतियां गरीबों के लिए मुश्किलें खड़ी करती हुई दिख रही हैं। 5 किलो के छोटू सिलेंडर की कीमत अचानक 549 रुपये से बढ़ाकर 810 रुपये कर दी गई है। जो करीब 162 रुपये प्रति किलो हो गई है।19 किलो का कामर्शियल सिलेंडर (लगभग 160 रुपये प्रति किलो) से भी ज्यादा दाम में छोटू सिलेंडर की गैस बिकेगी? सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि छोटू सिलेंडर का उपयोग मुख्य रूप से गरीब और निम्न आय वर्ग के लोग करते हैं। वहीं, 14.2 किलो के सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत 913 रुपये (करीब 65 रुपये प्रति किलो) है। 14.02 किलो के गैस सिलेंडर की सप्लाई पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा लगातार घटाई जा रही है। कई इलाकों में लोगों को डेढ़ से दो महीने तक इंतजार करने को मजबूर होना पड़ रहा है। ऐसे में गरीब परिवार एवं मध्यम वर्ग को मजबूरी में छोटा सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा कीमत गरीब और मध्यम वर्ग को चुकानी पड़ रही है। यह स्थिति साफ तौर पर संकेत देती है,कंपनियां सस्ती गैस की उपलब्धता कम करके महंगी गैस उपभोक्ताओं को बेचने की साजिश कर रही हैं। यह केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है। सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। सरकार और संबंधित कंपनियों को तुरंत हस्तक्षेप कर छोटू गैस की कीमत कम करनी चाहिए। मध्यम वर्ग और गरीबों को सस्ती और समय पर गैस उपलब्ध हो। रसोई गैस की यह महंगाई आम जनता स्वीकार कर पाएगी या नहीं कहना मुश्किल है।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमत उच्चतम स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका-ईरान में तनाव बढ़ने की संभावना के चलते गुरुवार को कच्चे तेल की कीमत चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम 6.33 फीसदी बढ़कर 125.5 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं, डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम 3.35 फीसदी बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। इससे पहले कच्चे तेल में यह कीमतें 2022 की शुरुआत में रूस-यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के दौरान देखी गई थीं। कच्चे तेल में तेजी ऐसे समय पर देखी गई है, जब कुछ अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स में दावा किया है कि अमेरिका की सेंट्रल कमांड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान में संभावित कार्रवाई के विकल्पों के बारे में जानकारी देगी। इससे दोनों देशों में फिर से संघर्ष शुरू होने की संभावना में इजाफा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने होर्मुज की नाकेबंदी कर रखी है, जिससे ईरान का तेल निर्यात करीब रुक गया है। ट्रंप की ओर से कहा गया कि जब तक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर कोई समझौता नहीं करता, तब तक यह नाकेबंदी नहीं हटेगी। ईरान भी पीछे हटने के तैयार नहीं है। हालांकि, वह अमेरिका के शांति के प्रस्ताव दे चुका है, जिसे ट्रंप ने ठुकरा दिया था। इस हफ्ते की शुरुआत में मध्य पूर्व में तनाव के कारण अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैश ने 2026 की चौथी तिमाही के लिए कच्चे तेल की औसत कीमतों के अनुमान में फिर एक बार बढ़ोतरी की है। अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक का कहना है कि इस साल के अक्टूबर से दिसंबर अवधि में ब्रेंट क्रूड की कीमत औसत 90 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम औसत 83 डॉलर प्रति बैरल रह सकता है। औसत कीमतों में संशोधन की वजह, मध्य पूर्व में लगातार तनाव बने रहने के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित रहना है। इससे पहले गोल्डमैन सैश ने 2026 की चौथी तिमाही में ब्रेट क्रूड का दाम औसत 80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम औसत 75 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान लगाया था। एक रिपोर्ट में कहा कि तनाव के चलते मध्य पूर्व से आने वाला करीब 14.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल बाजार से बाहर हो गया है।

मेष- आज आप साझेदारी में कमाल दिखाएंगे और अपनी जिम्मेदारियां समय पर निभाकर सबका भरोसा जीतेंगे। हालांकि किसी बात पर बहस का माहौल बन सकता है, इसलिए शब्दों पर कंट्रोल रखें। दिल की कोई बड़ी इच्छा पूरी होकर आपको खुशियों से भर देगी। कानूनी मामलों में जल्दबाजी नहीं अनुभवी सलाह ही आपको जीत दिलाएगी। पेशेवर विषयों में आप गति तो देंगे, लेकिन अतिभार उठाने से बचें. जो लोग सेवाकार्य से जुड़े हैं, वे आज बेहतर प्रदर्शन करेंगे. स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना।

वृषभ- आज खर्चे जेब पर भारी पड़ सकते हैं, इसलिए सोच-समझकर कदम बढ़ाएं। विरोधी एक्टिव रहेंगे, लेकिन आप धैर्य से काम लेंगे तो जीत आपकी होगी। प्रॉपर्टी खरीदने का प्लान बन सकता है और लोन लेने का विचार भी आएगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा और मामा पक्ष से धन लाभ की खुशखबरी मिल सकती है।

मिथुन- आज आपकी पहचान और सम्मान में चार चाँद लगेंगे। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी, जिससे दिल खुश हो जाएगा। पिता की सेहत को लेकर चिंता रह सकती है। यात्रा के दौरान किसी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। छोटी सी बात मन को परेशान कर सकती है, लेकिन हर काम में सफलता आपके साथ रहेगी। सेवाक्षेत्र में आपका फोकस बढ़ेगा. किसी भी तरह के लोभ और प्रलोभन में आने से बचें. आप अपने समकक्षों का भरोसा जीतने में सफल रहेंगे।

कर्क- आज किस्मत आपके पक्ष में है। काम के सिलसिले में यात्रा हो सकती है और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी आपको सुकून देगी। माता-पिता का सहयोग रुके काम पूरे कराएगा। करियर में अपनी जगह मजबूत बनाए रखें, नहीं तो बेवजह विवाद हो सकते हैं। परिवार में नौकरी की खुशखबरी माहौल को खुशनुमा बना देगी। वाणिज्य और व्यापार में आपको इच्छित परिणाम मिलेंगे. आर्थिक विषयों में आपकी पकड़ मजबूत रहेगी और कला-कौशल निखरेगा।

सिंह- आज पैसा कमाने के नए मौके आपके सामने होंगे और आप उन्हें हाथ से जाने नहीं देंगे। किसी कानूनी मामले में भागदौड़ करनी पड़ सकती है। दोस्तों के साथ पार्टी का मूड बनेगा और सिंगल लोगों की खास मुलाकात संभव है। बिजनेस के अटके काम आज आगे बढ़ सकते हैं। आज इस समय कुछ यात्रा भी करनी पड़ सकती है, जिसकी वजह से आपके स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है. कुछ लोग धार्मिक चर्चा में अपना समय व्यतीत करेंगे।

कन्या- आज आपके अंदर नई ऊर्जा का संचार रहेगा और आप कुछ अलग करने का जज्बा दिखाएंगे। अपनी समझदारी से लोगों को प्रभावित करेंगे। नया वाहन लेने का प्लान बन सकता है। कार्यकुशलता बढ़ेगी और संतान से जुड़ी खुशखबरी मिल सकती है। बस पैसों के मामले में थोड़ी सतर्कता जरूरी है।

तुला- आज दिल से नहीं, दिमाग से फैसले लें। जल्दबाजी नुकसान दे सकती है। जीवनसाथी के साथ खूबसूरत पल बिताने का मौका मिलेगा। बढ़ते खर्चों पर लगाम लगानी होगी। यात्रा के दौरान कोई अहम जानकारी हाथ लग सकती है। सेहत को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है।

वृश्चिक- आज जोखिम उठाने से बचना ही समझदारी होगी। बिजनेस में तकनीकी अड़चनें परेशान कर सकती हैं। किसी के बहकावे में आकर फैसला न लें। सही पार्टनर के साथ काम करना फायदेमंद रहेगा। परिवार में शादी-ब्याह की अड़चनें दूर होंगी। आपकी सच्चाई को लोग गलत समझ सकते हैं, इसलिए संतुलन बनाए रखें। दैनिक मामलों में बेवजह की बहस सहयोगियों के साथ विवादों और झगड़े को जन्म दे सकती है, धन रहे जो लोग समय के साथ चलते है, उन्हे समस्या उलझाती नहीं है।

धनु- आज आलस्य आपके रास्ते की सबसे बड़ी बाधा बन सकता है। काम टालने से मुश्किलें बढ़ेंगी, इसलिए एक्टिव रहें। घर में बदलाव का मन बनेगा, लेकिन टालमटोल से काम अटक सकता है। नौकरी में काम का दबाव बढ़ेगा, पर भाग्य आपका साथ देगा। भक्ति में मन लगेगा और सोच-समझकर बोलना जरूरी रहेगा।

मकर- आज लाभ के संकेत साफ नजर आ रहे हैं। दांपत्य जीवन की परेशानियां दूर होंगी और नया दोस्त जीवन में एंट्री ले सकता है। आपके नए प्रयास रंग लाएंगे। जीवनसाथी की भावनाओं को नजरअंदाज न करें, वरना नाराजगी हो सकती है। रुका हुआ धन मिलने के भी प्रबल योग हैं। आज कई तरह की समस्याओं या मतभेदों से आमना सामना हो सकता है. जिसके कारण आप असहज महसूस करेंगे. अनावश्यक वाद-विवाद से बचें।

कुंभ- आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रहेगा, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। काम को लेकर बहस हो सकती है, पर आपकी ऊर्जा आपको संभाल लेगी। परिवार में तालमेल बना रहेगा और विद्यार्थी मानसिक तनाव से राहत पाएंगे। अपने वादों को पूरा करें और विरोधियों को मात देने में सफल रहेंगे।

मीन- आज का दिन संतुलन बनाकर चलने का है। सोच-समझकर लिए गए फैसले आपको आगे बढ़ाएंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को बड़े अवसर मिल सकते हैं। अपनी समस्याओं को नजरअंदाज न करें। घर में नए मेहमान के आने से खुशी का माहौल बनेगा। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है।

शब्दजाल- 8246

ख	न	र	कु	डु	प्ली	के	ट	ला	नी	क
ज	या	फु	ज	इं	डो	ने	ह	क	गु	प
फ	दौ	आ	ट	म	न	इ	दो	न	ना	म
च	र	रा	मा	पा	ल	स	रा	प	ह	ह
स	म	बा	ज	त	त	उ	हें	ख	री	म
डै	जे	ज	र	नी	द	ला	म	ल	ड़	द
डी	मा	दे	ख्म	व	बा	स	म	पी	ख	स्त
र	दे	श	बा	र	प	र	थ	ड़	भ	क
म	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	थ
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है
ते	रा	जा	क	दि	प	ने	सा	थी	स	म

शब्दजाल में महेश भट्ट निर्देशित 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

फुटपात, राज, जख्म, डुप्लीकेट, दो राहें, दस्तक, गुनाह, साथी, डैडी, नया दौर,

शब्दजाल - 8245 का हल

अ	श	मु	फ	रे	ब	हो	प	न	र	त
क्स	क्रि	पिं	ना	द	म	जा	जा	गो	घा	छ
न	के	ज	हे	नि	इं	ना	न	व	टि	दि
बी	ट	र	न	शा	वा	त	क	ले	ज	ल
च	दा	त	प	ने	तो	हो	का	गो	ब	प
ब	त	त	स	ग	स	ए	व	म	वॉ	र
द	प	शू	न	त्या	व	ह	अ	गो	प्ला	म
क	र	क	ल	र	ह	भा	र	चो	आ	त
र	व	त	म	ए	भी	क	क	अ	न	ले
जू	बे	दा	त	र	क	ता	ण	र	ह	या
मुं	ब	र्ल	न	आ	प	म	क	प	स्त	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	तुला में
मंगल	मीन में
बुध	मेष में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	06.14 बजे से
मिथुन	08.12 बजे से
कर्क	10.26 बजे से
सिंह	12.42 बजे से
कन्या	14.54 बजे से
तुला	17.04 बजे से
वृश्चिक	19.19 ब.से
धनु	21.35 बजे से
मकर	23.40 बजे से
कुंभ	01.27 बजे से
मीन	03.00 बजे से
मेष	04.30 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 122 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 00.50 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा अहोरात्र। **योग** व्यतीपात 21.45 बजे को समाप्त। **करण** बालव 11.50 बजे तदनन्तर कौलव 00.50 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 15° 19' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872697 **जूलियन दिन** 2461162.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 14 **विशेष** नारद जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23	बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10	बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51	बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42	बजे तक
रोग	08.51 से	10.19	बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14	बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46	बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47	बजे तक
चर	11.46 से	01.14	बजे तक	चर	11.47 से	01.19	बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42	बजे तक	रोग	01.19 से	02.51	बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10	बजे तक	काल	02.51 से	04.23	बजे तक
काल	04.10 से	05.37	बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः मेहनत की कमाई

काशी में एक कर्मकांडी पंडित का आश्रम था, जिसके सामने एक जूते गांठने वाला बैठता था। वह जूतों की मरम्मत करते समय कोई न कोई भजन जरूर गाता था। लेकिन पंडित जी का ध्यान कभी उसके भजन की तरफनहीं गया था। एक बार पंडित जी बीमार पड़ गए और उन्होंने बिस्तर पकड़ लिया। उस समय उन्हें वे भजन सुनाई पड़े। उनका मन रोग की तरफ से हट कर भजनों की तरफचला गया। धीरे-धीरे उन्हें महसूस हुआ कि जूते गांठने वाले के भजन सुनते-सुनते उनका दर्द कम हो रहा है। एक दिन एक शिष्य को भेज कर उन्होंने उसे बुलाया और कहा, 'भाई तुम तो बहुत अच्छा गाते हो। मेरा रोग बड़े-बड़े वैद्यों के इलाज से ठीक नहीं हो रहा था लेकिन तुम्हारे भजन सुन कर मैं ठीक होने लगा हूं।' फिर उन्होंने उसे सौ रुपये देते हुए कहा, 'तुम इसी तरह गाते रहना।' रुपये पाकर जूते गांठने वाला बहुत खुश हुआ। लेकिन पैसा पाने के बाद से उसका मन कामकाज से हटने लगा। वह भजन गाना भूल गया। दिन-रात यही सोचने लगा कि रुपये को कहां संभालकर रखे। काम में लापरवाही के कारण उसके ग्राहक भी उस पर गुस्सा करने लगे। धीरे-धीरे उसकी दुकानदारी चौपट होने लगी। उधर भजन बंद होने से पंडित जी का ध्यान फिर रोग की तरफजाने लगा। उनकी हालत फिर बिगड़ने लगी। एक दिन अचानक जूते गांठने वाला पंडित जी के पास पहुंचकर बोला, 'आप अपना पैसा रख लीजिए।' पंडित जी ने पूछा, 'क्यों, क्या किसी ने कुछ कहा तुमसे?' जूते गांठने वाला बोला, 'कहा तो नहीं, लेकिन इस पैसे को अपने पास रखूंगा तो आप की तरह मैं भी बिस्तर पकड़ लूंगा। इसी रुपये ने मेरा जीना हराम कर दिया। मेरा गाना भी छूट गया। काम में मन नहीं लगता, इसलिए कामकाज ठप हो गया। मैं समझ गया कि अपनी मेहनत की कमाई में जो सुख है, वह पराये धन में नहीं है। आपके धन ने तो परमात्मा से भी नाता तुड़वा दिया।'

फिल्म वर्ग पहेली- 7190

1		2		3		■	4		5
	■		■		■	6		■	
7	8		■	9	10	■	11	12	
■		■	13				■		■
14		15		■		■	16		17
	■	18		19	■	20		■	
21	22		■		■		■	23	
■		■	24	■	25	■	26	■	
27						■		■	■
	■	■		■	28				

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

फिल्म वर्ग पहेली- 7189

क	ल	यु	ग	■	जा	न	ए	म	न
भी	■	वा	■	दि	ल	■	ला	■	या
अ	क्स	■	शि	वा	■	खा	न	दा	न
ल	■	ठि	का	ना	■	मो	■	■	शा
वि	■	■	र	■	आ	शी	र्वा	द	■
दा	मि	नी	■	भा	ई	■	■	ह	स्ती
ना	■	ल	क्ष्य	■	ना	ला	य	क	■
क	स	म	■	स	■	ट	■	■	मं
ह	■	■	दौ	ड़	■	सा	थ	सा	थ
ना	स्ति	क	■	क	री	ब	■	■	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7499

★★★☆☆ मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7498 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 8714

1	2		3		■	4	5	
6		■		■	7			■
	■	8		9	■	■	10	
11			■	12		13		■
	■		■		■		■	14
■	15				■	16		
17		■	■	18	19		■	
■	20	21		■		■	22	
23			■	24				

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद, लाख-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल, अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण(उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8713 का हल

ती	र	दा	ज	■	को	म	लां	गी
ब्र	■	म	न	भ	र	ना	■	ज
ता	र	■	■	र	■	■	स	र
■	म	■	क	म	र	■	मा	■
प्र	ता	ड़	ना	■	स	र	ज	मीं
■	जो	■	त	र	ना	■	बा	■
बा	गी	■	■	सी	■	■	दी	न
य	■	ल	ची	ला	प	न	■	य
स	ना	त	न	■	र	स	खा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

दो मोटर सायकलों की आमने-सामने की भिड़ंत में एक की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में बेलगाम रफ्तार और लापरवाही के चलते सड़क हादसे लगातार बढ़ते जा रहे हैं। शुक्रवार 1 मई शाम 5=30 बजे लांजी-आमगांव मार्ग पर कारंजा पावर हाउस के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में एक 28 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की मिली जानकारी के अनुसार केरेगांव निवासी आकाश पिता युवराज एड़े 28 वर्ष शुक्रवार को आमगांव से शादी की खरीददारी कर अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक एमएच 35 एन 8114 से वापस अपने गांव लौट रहा था। शाम लगभग 5.30 बजे जैसे ही वह कारंजा पावर हाउस के पास अशोक मेंढे के घर के सामने पहुँचा, विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल से उसकी सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि आकाश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में दूसरी मोटरसाइकिल बिना नंबर की प्लेटिना पर सवार कारंजा निवासी नरेश पिता नानिकराम मेंगरे 40 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां उनकी हालत नाजुक होने पर उन्हें गोंदिया भेज दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस की सहायता से आकाश को सिविल अस्पताल लांजी लाया गया। जहां डॉक्टर द्वारा जांच उपरांत मृत घोषित किया गया, तथा देर शाम होने के कारण मृतक आकाश के शव को शव विच्छेदन गृह में सुरक्षित रखा गया है, जिसका शव परीक्षण शनिवार 2 मई की सुबह किया जाएगा। प्रत्यक्षदर्शियों और प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस दुर्घटना के पीछे एक बार फिर शराब का सेवन प्रमुख कारण के रूप में सामने आया है। क्षेत्र में लगातार हो रहे सड़क हादसों ने प्रशासन और यातायात व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय नागरिकों ने बढ़ती दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा की अगर वाहन चालक हेलमेट पहने हुए होते तो हादसा इतना गंभीर नहीं होता वहीं वाहन चालकों से सावधानी और संयम बरतने की अपील की है।

भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हवलदार कमलेश बसेना का नगर आगमन पर किया भव्य स्वागत

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारतीय सेना से 16 वर्ष की शानदार सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए हवलदार कमलेश बसेना का लांजी नगर आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। पूर्व सैनिक कल्याण संगठन लांजी-किरनापुर के तत्वावधान में शुक्रवार को सुभाष चंद्र बोस चौक पर उनका जोरदार स्वागत कर नगर भ्रमण भी कराया गया। हवलदार कमलेश बसेना आर्टिलरी रेजिमेंट से सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने 30 अप्रैल 2026 को आर्टिलरी रेजिमेंट सेंटर, नासिक से अपनी सेवा समाप्त की। उनके साथ उनकी पत्नी श्रीमती कल्पना बसेना, माता श्रीमती रामकली बाई बसेना तथा पिता महारुलाल बसेना अमेंडा-बहेला निवासी उपस्थित थे। स्वागत कार्यक्रम के दौरान हवलदार कमलेश बसेना ने अपने 16 वर्षों के सैन्य जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा, भारतीय सेना में नौकरी करना मेरे लिए बहुत गर्व की बात थी। यह मौका हर किसी को नहीं मिलता। मातृभूमि और देश की रक्षा में भारतीय सेना का हिस्सा बनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा। मैं चाहता हूँ कि देश का हर युवा मातृभूमि की सेवा में आगे आए। उन्होंने स्वागत समारोह के आयोजन के लिए पूर्व सैनिक कल्याण संगठन लांजी-किरनापुर तथा समस्त नगरवासियों का तहे दिल से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व सैनिक कल्याण संगठन लांजी के तहसील अध्यक्ष पवन कुमार सोनवाने, उपाध्यक्ष हुलासराम सिरामें, सचिव रूप कुमार बिसेन, कोषाध्यक्ष प्रीतम चालक, पर्यावरण प्रभारी निरंजन देवगड़े, समाज कल्याण प्रभारी श्रीराम नगपुरे, मीडिया प्रभारी आरीफ खान, पूर्व सैनिक गोविंद घोंघड़े सहित अन्य पूर्व सैनिक, वर्तमान सैनिक, वीर नारियाँ, सैनिक परिवार के सदस्य तथा बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

बुद्ध पूर्णिमा पर सेवा भारती का नेक कदम- भिलाई रोड़ पर प्याऊ का किया उदघाटन

पद्मेश न्यूज। लांजी। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सेवा भारती महा कौशल प्रांत ने मानवसेवा की मिसाल कायम करते हुए शुक्रवार 1 मई 2026 को साकेत पब्लिक स्कूल के सामने भिलाई रोड़ लाजी में पेयजल प्याऊ का भव्य उद्धाटन किया। भिलाई (छत्तीसगढ़) के समाजसेवी महेंद्र भंडारकर के हस्ते प्याऊ का शुभारंभ कर इसे गर्मी की तपिश से जूझते राहगीरों को समर्पित किया। उद्धाटन समारोह में जिला सह-प्रचार प्रमुख संतोष कुमार मोरघड़े ने बताया कि यह प्याऊ बुद्ध की करुणा की भावना को साकार करता है। इस दौरान राकेश रणदिवे, मोहन झा, अशोक आसटकर, ललित सहारे, डॉ. दुर्गेश तिडके, सुरेश पारधी, संजय कुमार आसटकर, निर्मला आसटकर, हसीना, दुर्गा झा व सुनिता मोरघड़े मुख्य रूप से उपस्थित रहे। भंडारकर ने कहा, सेवा ही हमारा धर्म है, यह प्याऊ क्षेत्रवासियों के लिए वरदान साबित होगा। क्षेत्रीय लोगों ने इस पहल की सराहना की। सेवा भारती ने अपील की कि सभी इस तरह के सामाजिक कार्यों में योगदान दें। गर्मी के मौसम में यह प्याऊ सैकड़ों लोगों को शीतल पेय प्रदान करेगा।

भिमोड़ी में फीता काटकर एवं गौ माता की पूजा अर्चना कर गोपीनाथ गौशाला का किया शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लांजी। जहाँ आज के समय में लोग जमीन-जायदाद को लेकर विवादों में उलझे रहते हैं, वहीं लाँजी क्षेत्र के ग्राम भिमोड़ी में सेवा, श्रद्धा और समर्पण की एक ऐसी मिसाल सामने आई है, जिसने मानवता को एक नई दिशा देने का कार्य किया है। गौमाता के प्रति अगाध आस्था रखते हुए एक व्यक्ति ने अपनी निजी भूमि और स्वयं के व्यय से जो कार्य किया, वह समाज के लिए प्रेरणा का जीवंत उदाहरण बन गया है। क्षेत्र के ग्राम भिमोड़ी में रहने वाले कैलाश पाड़े ने अपनी ढाई एकड़ निजी भूमि पर स्वयं के खर्च से एक भव्य श्री गोपीनाथ गौशाला का निर्माण कर समाज में सेवा और समर्पण की मिसाल पेश की है। 1 मई को वैशाख माह की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा (बुद्ध पूर्णिमा) के पावन अवसर पर गौशाला का विधिवत पूजन अर्चन कर फीता काटकर मुख्य अतिथियों द्वारा शुभारंभ किया गया। कैलाश पाड़े ने इस सेवा प्रकल्प को अपने पूज्य पिता स्व. श्री गोपीचंद पाड़े एवं माता श्रीमती नाथीबाई पाड़े की स्मृति को समर्पित करते हुए उनके संस्कारों को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कैलाश पाड़े के इस प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि अपनी निजी भूमि और स्वयं के व्यय से गौशाला का निर्माण करना उनके निस्वार्थ सेवा भाव और गौमाता के प्रति अटूट श्रद्धा को दर्शाता है।

कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक लाँजी राजकुमार करहिे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, सरपंच भिमोड़ी श्रीमती चित्ररेखा पुरुषोत्तम अस्तने, सरपंच बेनेगांव संतोष बुढ़ावने, सरपंच कोचेवाही संतोष यादव, एकल अभियान संच अध्यक्ष झनकार किरनापुरे, विशाल खोंगल, मेहपत कुशले , चमरूलाल बिलग़ैया, कारंजा उपसरपंच नीलेश शिवनकर, सुरेश चुटे, मेहतर बुढ़ावाने, झाड़ूलाल धामने सहित बड़ी संख्या में सभी गणमान्य गण एवं मातृ शक्ति उपस्थित रहे, साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और मातृशक्ति भी कार्यक्रम में शामिल हुई। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8 बजे विधिवत पूजन, यज्ञ और गौमाता की पूजा के साथ हुई। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। श्री कैलाश पाड़े एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रेखा पाड़े ने सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह 2026' का भव्य शुभारंभ, 30 दिनों तक चलेगा प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज। लांजी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री के निर्देशन में जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के नेतृत्व में खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह 2026' की शुरुआत कर दी है। शुक्रवार शाम 6 बजे मुख्य अतिथियों की उपस्थिति में शिविर का शुभारंभ हुआ। इस बार विभाग ने शिविर को नया और समग्र रूप दिया है। अब यह सिर्फ खेल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि फिटनेस, व्यक्तित्व विकास और सामाजिक जागरूकता का भी बड़ा मंच बनेगा।

शिविर के प्रमुख उद्देश्य

विभाग का मकसद है कि विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि बढ़े, उनका शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य मजबूत हो, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान हो और नेतृत्व क्षमता का विकास हो। साथ ही समाज में फिटनेस और खेल संस्कृति को बढ़ावा मिले। महिलाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी खास ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता संतोष मोरघड़े, गौरव बैस और नवीन रामटेक्कर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। इसके बाद शहीद भगत सिंह के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर शिविर का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

हर विकासखंड में दो खेलों का प्रशिक्षण

ब्लॉक समन्वयक (खेल एवं युवा कल्याण विभाग) प्रज्ञात वासनिक ने बताया कि जिले के हर विकासखंड में न्यूनतम दो खेलों का चयन कर शिविर चलाए जा रहे हैं। लांजी विकासखंड में कबड्डी, वॉलीबॉल और एथलेटिक्स को चुना गया है। यह प्रशिक्षण शिविर कम से कम 30 दिनों तक चलेगा, जिसमें खिलाड़ियों को नियमित और बेहतरीन प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को चिन्हित कर राज्य स्तर की खेल अकादमियों के लिए आयोजित प्रतिभा खोज कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा। विभाग ने लांजी नगर के सभी विद्यार्थियों और युवा खिलाड़ियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में हिस्सा लें और अपने

अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई, ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत किरनापुर क्षेत्र में संयुक्त कार्रवाई की गई। उप संचालक खनिज प्रशासन के मार्गदर्शन में खनिज निरीक्षक बसंत कुमार पाटिल एवं थाना प्रभारी किरनापुर की टीम ने रात्रि में जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान किरनापुर में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली (क्रमांक MP50‹ 3419) को रेत का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहन चालक रमेश पाँचे, पिता सुकचरण पाँचे, निवासी वार्ड नंबर 01, किरनापुर, तहसील किरनापुर, जिला बालाघाट पाया गया।अधिकारियों ने वाहन को रेत सहित जप्त कर थाना किरनापुर की अभिरक्षा में रख दिया है। संबंधित वाहन के विरुद्ध मध्य प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में प्रारंभ हुआ 5 दिवसीय निःशुल्क समर कैंप

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के प्रसिद्ध सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में ग्रीष्मकालीन अवकाश को उपयोगी बनाने के उद्देश्य से 1 मई 2026 को भैया-बहनों का पांच दिवसीय निःशुल्क समर कैंप प्रारंभ हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विजय रामटेक्कर (सचिव एवं खंड संघ चालक), दिनेश गिरी गोस्वामी (प्राचार्य) तथा सदरूलाल बोहने (प्रधानाचार्य) मंचासीन रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं मां भारती के छायाचित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं सामूहिक वाणी वंदना से हुई। इसके बाद सभी अतिथियों का तिलक वंदन किया गया। मुख्य अतिथि विजय रामटेक्कर ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, 卐आप सभी भैया-बहनों को इस पांच दिवसीय निःशुल्क समर कैंप में शामिल होने के लिए हार्दिक बधाई। पूरे मन से कैंप का आनंद लें और यहां विभिन्न विधाओं के माध्यम से अपनी छुपी हुई प्रतिभाओं को पहचानने का अवसर प्राप्त करें। प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी ने बताया कि लांजी नगर में यह समर कैंप पहली बार आयोजित किया जा रहा है। कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों को ग्रीष्मकाल के अवकाश में मोबाइल से दूर रखना तथा उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर बच्चों में रचनात्मकता, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को उजागर करने के साथ-साथ अन्य विद्यालयों के छात्रों से मेल-मिलाप और मित्रता बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होते हैं। कैंप के पहले दिन बच्चों को जादू नहीं विज्ञान है सत्र में रोचक वैज्ञानिक प्रयोग दिखाए गए। वायुदाब पर आधारित प्रयोग (गुब्बारे से गिलास उठाना) देखकर बच्चे बेहद उत्साहित नजर आए। इस प्रयोग ने बच्चों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और वैज्ञानिक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्पोकन इंग्लिश सत्र में बच्चों को छोटे-छोटे प्रश्नों के माध्यम से अंग्रेजी भाषा के प्रति झिझक दूर करने और आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रयास किया गया, जिससे बच्चों में अंग्रेजी पढ़ने और बोलने का भाव जागृत हुआ। इसके अलावा बच्चों को सरस्वती वंदना, योग, नृत्य कला तथा विभिन्न खेलकूद गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेने का मौका मिला। बच्चों ने इन सभी गतिविधियों में खूब उत्साह दिखाया। कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त करते हुए त्रयंबक भगत ने कहा कि इस समर कैंप का उद्देश्य बच्चों के शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने विद्यालय समिति, आचार्य परिवार तथा सभी भैया-बहनों के सहयोग की सराहना की। समर कैंप में लगभग 103 भैया-बहन उपस्थित रहे। सभी बच्चों को स्वल्पाहार भी प्रदान किया गया। यह निःशुल्क समर कैंप 5 दिन तक चलेगा, जिसमें बच्चों को अनेक उपयोगी गतिविधियों के माध्यम से नई चीजें सीखने का अवसर मिलेगा।

सीएम मोहन यादव ने शुरू की किसान हेल्पलाइन 155253, बोले

असंभव कार्यों को पहुंचाया लक्ष्य तक

भोपाल। मप्र में किसानों को बेहतर सुविधा और त्वरित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नई पहल की है। राजधानी भोपाल के रविंद्र भवन में आयोजित कृषि कर्मयोगी उन्मुखीकरण प्रशिक्षण एवं कार्यशाला में उन्होंने टोल फ्री 'सीएम किसान हेल्पलाइन 155253' की शुरुआत की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री किसान कल्याण डैशबोर्ड और पैक्स समितियों में सदस्यता बढ़ाने के महा-अभियान का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने खुद हेल्पलाइन से जुड़कर कृषि से संबंधित जानकारी ली और कहा कि यह पहल किसानों के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। उन्होंने बताया कि कृषक कल्याण वर्ष के तहत प्रदेश के 16 विभाग मिलकर किसानों के हित में काम कर रहे हैं। उद्यानिकी, सहकारिता, पशुपालन और मत्स्य पालन जैसे विभागों को एक साथ जोड़कर सरकार किसानों की आय बढ़ाने और सुविधाएं बेहतर करने की

दिशा में प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता के दम पर कई कठिन कामों को भी पूरा किया है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग से प्रदेश में पशुपालन क्षेत्र में बेहतर काम हुआ है और अब किसानों को दूध के अच्छे दाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दूध क्रांति की दिशा में तेजी से काम हो रहा है।

फसल के साथ एग्री वेस्ट से भी हो रही कमाई

किसानों की आय बढ़ाने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब खेती में नई तकनीकों का इस्तेमाल जरूरी हो गया है। उन्होंने बताया कि किसान अब फसल के साथ-साथ कृषि अपशिष्ट (एग्री वेस्ट) से भी कमाई कर रहे हैं। गेहूं, धान और मक्का के अवशेष से भूसा बनाकर अतिरिक्त आय प्राप्त की जा रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि इस कार्यशाला के माध्यम से किसानों तक नई तकनीक पहुंचेगी, जिससे लागत कम होगी और मुनाफा बढ़ेगा।

किसान अब साल में दो की जगह तीन फसल भी ले रहे

मुख्यमंत्री ने कृषि क्षेत्र में हुए बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि पहले खेती काफी हद तक बारिश पर निर्भर थी, लेकिन अब सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से स्थिति बदली है। नहरों और बिजली के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंच रहा है, जिससे किसान अब साल में दो के बजाय तीन फसलें भी लेने लगे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के लिए समर्थन मूल्य के साथ बोनस जैसी योजनाएं भी लागू कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नदी जोड़ो परियोजनाओं से प्रदेश को बड़ा लाभ मिल रहा है। केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल जैसी परियोजनाओं से कई क्षेत्रों में सिंचाई सुविधा बढ़ेगी और खेती को मजबूती मिलेगी।

हर जिले में आयोजित हो रहे कृषि मेले

कार्यक्रम में कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने कहा कि राज्य सरकार ने पूरे वर्ष को कृषक कल्याण के लिए समर्पित किया है और हर जिले में कृषि मेले आयोजित किए जा रहे हैं। वहीं, कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस कार्यशाला में प्रदेशभर से 16 विभागों के 1600 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों को शामिल किया गया है, ताकि योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

इंदौर में 19 किलो का कमर्शियल गैस सिलिंडर 993 रुपये महंगा, 3179 में मिलेगा, बाहर खाना होगा और महंगा

इंदौर। सरकारी तेल कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलिंडर के दाम में एक मई से भारी बढ़ोतरी की है। 19 किलों वाले कमर्शियल सिलिंडर की कीमत 993 रुपये की बढ़ोतरी हुई। अब इंदौर में यह सिलिंडर 3179 रुपये में मिलेगा। पहले ही सिलिंडर की कमी से जूझ रहे होटल-रेस्टोरेंट संचालकों के लिए यह महंगाई का एक बड़ा झटका है, जबकि घरेलू गैस सिलिंडर की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। कमर्शियल गैस सिलिंडर के कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और एक मई को इसमें बड़ी बढ़ोतरी की गई। अब तक 2186 रुपये में मिल रहा 19 किलो का कमर्शियल गैस सिलिंडर अब 3179 रुपये में मिलेगा।

होटल और रेस्टोरेंट संचालकों पर दोहरी मार

कमर्शियल गैस सिलिंडर की कमी पहले से बनी हुई है और शहर के छह हजार के करीब होटल और रेस्टोरेंट परेशानी से जूझ रहे हैं। अब कीमत में बड़ी बढ़ोतरी होने से लागत बढ़ेगी और इसका असर आमजन पर पड़ेगा। छोटे दुकानदारों के लिए व्यवसाय करना अब और मुश्किल होने वाला है। 19 किलो के कमर्शियल गैस सिलिंडर के दाम बीते दो माह में चार बार बढ़े हैं और इसमें 1344 रुपये की बढ़ोतरी हुई। एक मई को 993 रुपये दाम बढ़े हैं। इससे पहले एक अप्रैल को भी 19 किलो के गैस सिलिंडर के दाम में 196 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। मार्च में यह सिलिंडर 1990 रुपये में मिल रहा था। वहीं 7 मार्च को कमर्शियल गैस सिलिंडर के दाम में 115 रुपये और एक मार्च को 40 रुपये बढ़ाए गए थे।

पांच किलो वाले सिलिंडरों के दाम में भी इजाफा

कमर्शियल एलपीजी सिलिंडरों के दाम बढ़ाए जाने के अलावा पांच किलोग्राम गैस सिलिंडर के दाम भी बढ़े हैं। इसमें यह सिलिंडर अब 241 रुपये महंगा मिलेगा। एफटीएल (मुक्त व्यापार एलपीजी) सिलिंडर 1753 रुपये में मिलेगा, जो अब तक 1512 में मिल रहा था। वहीं अन्य पांच किलो का 879 रुपये में मिलेगा, जो अब तक 638 रुपये में मिल रहा था। एफटीएल सिलिंडर का उपयोग मुख्य रूप से छोटे प्रतिष्ठानों और सीमित व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

ओबीसी छात्रों की दिल्ली में पढ़ाई हुई आसान; दिल्ली छात्रगृह योजना का बढ़ा दायरा, सहायता राशि में 6.5 गुना की हुई बढ़ोत्तरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में सशक्त हो रहा ओबीसी वर्ग-राज्यमंत्री श्रीमती गौर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में ओबीसी वर्ग के कल्याण और उनके शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार निरंतर ऐतिहासिक कदम उठा रही है। इसी कड़ी में, कैबिनेट ने 2005 से संचालित दिल्ली छात्रगृह योजना में महत्वपूर्ण बदलावों को मंजूरी दी है। इसके तहत छात्रों को मिलने वाली सरकारी सहायता राशि को 1,550 रुपए प्रतिमाह से बढ़ाकर 10,000 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है। अब इन विद्यार्थियों को आवासीय और भोजन व्यवस्था के लिए सालाना 1 लाख 20 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। सहायता राशि के साथ-साथ योजना का दायरा बढ़ाते हुए लाभार्थियों की संख्या में भी वृद्धि की गई है। पहले जहां इस योजना के तहत प्रतिवर्ष अधिकतम 50 छात्रों को ही लाभ मिलता था, वहीं अब हर साल 100 नए विद्यार्थियों (50 स्नातक और 50 स्नातकोत्तर) को इस योजना में शामिल किया जाएगा। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने इस निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार मुख्यमंत्री डॉ. यादव के यशस्वी नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र पर कार्य कर रही है। सबसे अच्छी बात यह है कि जो विद्यार्थी पहले से वहां पढ़ रहे हैं, उन्हें भी उनके कोर्स की बची हुई अवधि तक इस बढ़ी हुई राशि का लाभ मिलता रहेगा। यह ऐतिहासिक निर्णय हमारे ओबीसी छात्र-छात्राओं के सपनों को नई उड़ान देगा और उन्हें बिना किसी आर्थिक चिंता के अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में मदद करेगा।

किसे और कैसे मिलेगा योजना का लाभ?

विद्यार्थियों को पिछड़ा वर्ग मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति प्राप्त करने की पात्रता होनी चाहिए। उनके माता-पिता या अभिभावक की वार्षिक आय पिछड़ा वर्ग मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति विनियम, 2013 (यथा संशोधित-2018) के प्रावधानों के अनुरूप होनी चाहिए। इस संशोधित योजना में नए विद्यार्थियों के प्रवेश के अलावा, पूर्व से अध्ययनरत विद्यार्थियों को भी उनके शेष पाठ्यक्रम की अवधि तक नवीनीकरण का लाभ दिया जाएगा। योजना पर प्रथम वर्ष यानी 2026-27 में नए और पुराने 150 विद्यार्थियों के लिए 1.80 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। वहीं, चौथे वर्ष (2029-30) तक जब यह योजना पूरी तरह लागू हो जाएगी, तब कुल 300 विद्यार्थियों के लिए सरकार सालाना 3.60 करोड़ रुपए खर्च करेगी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि 'दिल्ली छात्रगृह योजना में किया गया यह अभूतपूर्व बदलाव इसी ठोस संकल्प का प्रमाण है कि सरकार ओबीसी वर्ग के छात्र-छात्राओं के भविष्य को लेकर सजग है।

हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच ने संविदा कर्मचारियों के पक्ष में लिया फैसला

-शिक्षा विभाग के एक महत्वपूर्ण फैसले को किया रद्द

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच ने शिक्षा विभाग के एक महत्वपूर्ण फैसले को रद्द कर संविदा कर्मचारियों के पक्ष में बड़ा निर्णय दिया है। मामला जिला शिक्षा केंद्रों में कार्यरत संविदा डेटा एंट्री ऑपरेटरों के वेतन और ग्रेड-पे से जुड़ा हुआ था। हाईकोर्ट ने विभाग द्वारा ग्रेड-पे 2400 से घटाकर 1900 करने के आदेश को मनमाना और तर्कहीन बताकर खारिज किया। जस्टिस आशीष श्रोती की एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि कर्मचारियों के हितों के खिलाफ लिया गया निर्णय किसी ठोस आधार पर नहीं था। अदालत ने आदेश दिया कि सभी संबंधित संविदा कर्मचारियों को पहले की तरह 2400 ग्रेड-पे के आधार पर ही वेतन का भुगतान किया जाए। मामले में याचिकाकर्ता आलोक संत सहित अन्य कर्मचारियों ने तर्क दिया कि वे वर्ष 2018 से पहले से कार्यरत हैं और उन्हें 2019 से 2400 ग्रेड-

पे मिल रहा था, जिसे अचानक 31 अगस्त 2023 को बिना किसी स्पष्ट कारण के घटा दिया गया। याचिकाकर्ताओं ने इस नियमों के खिलाफ बताया और न्यायालय से राहत की मांग की थी।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग की 22 जुलाई 2023 की नीति का भी हवाला दिया। इस नीति में यह प्रावधान किया गया था कि 1 अप्रैल 2018 से पहले से कार्यरत संविदा कर्मचारियों को सातवें वेतनमान के न्यूनतम मूल वेतन के 100 प्रतिशत के बराबर वेतन दिया जाना चाहिए। अदालत ने कहा कि विभाग का फैसला इस नीति के विपरीत है। इस निर्णय से संविदा कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है और इसे उनके अधिकारों की रक्षा के रूप में देखा जा रहा है। यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों के लिए भी एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा रहा है। इसी बीच, ग्वालियर के जीवाजी विश्वविद्यालय ने स्नातक प्रथम वर्ष की परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रों की सूची भी जारी कर दी है। बीए, बीकॉम, बीएससी और बीएससी होम साइंस की परीक्षाएं निर्धारित केंद्रों पर आयोजित की जाएंगी। विश्वविद्यालय ने कॉलेज प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि वे एडमिट कार्ड में दर्ज परीक्षा केंद्रों की सही जानकारी का सत्यापन करें और किसी भी त्रुटि की स्थिति में तुरंत सूचना दें। परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, बिजली, पंखे, सीसीटीवी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विश्वविद्यालय ने साफ कहा है कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमों का पालन अनिवार्य होगा।

एमपी पुलिस ने मंडला-इंदौर में ज्वैलर्स दुकानो में चोरी का किया राजफाश

भोपाल। एमपी की मंडला और इंदौर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए सराफा व्यापारी से हुई लाखों रुपये की चोरी की घटना का खुलासा करते हुए लगभग 67 लाख रुपए से अधिक के सोने चांदी के आभूषण, नगदी एवं वाहन जब्त किए है।

- मंडला में चोरी करने वाले इंटर स्टेट गैंग के दो नाबालिग सहित पाँच आरोपी गिरफ्तार

विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार जिले के पिंडरई बाजार में सराफा व्यापारी से हुई चोरी का पर्दाफाश करते हुए अंतरजिला सक्रिय गैंग के 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग 52 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है। जानकारी के अनुसार 25 अप्रैल को फरियादी पवन कुमार सोनी निवासी कन्हरगांव द्वारा चौकी पिंडरई में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। कि वह पिंडरई बाजार में सराफा दुकान लगाने आया था, तभी अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उसके बैग में रखे सोने-चांदी के आभूषण, नगदी, गिरवी रजिस्टर एवं अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी कर लिए गए। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपए बताई गई थी। आरोपियो की धरपकड़ के लिये गठित की गई विशेष टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना पर आरोपियों की पहचान जुटाई। इसके बाद टीम ने 3 आरोपियों सहित 2 नाबालिग बालकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी गए सोने-चांदी के आभूषण, नगदी एवं घटना में प्रयुक्त वाहन सहित लगभग 52 लाख का माल बरामद किया है।

- इंदौर की चोरी में दो आरोपियो से 15 लाख का माल बरामद

वहीं इंदौर के सराफा क्षेत्र में ज्वेलर्स से हुई चांदी चोरी की घटना का खुलासा करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से लगभग 15 लाख रुपए से अधिक के जेवरात, एक स्कूटी और मोबाइल जप्त किए गए हैं।

एक विभाग में लड़ाई...दूसरे में साथ-साथ आई

भोपाल। मप्र की प्रशासनिक वीथिका में डाइरेक्ट और प्रमोटी आईएएस अधिकारियों के बीच वर्चस्व की जंग बराबर चलती रहती हैं। इसी कड़ी में दो महिला आईएएस अधिकारियों के बीच द्वंद का मामला सामने आया है। खबरची का कहना है कि शिक्षा के मंदिर वाले विभाग में पदस्थ एक डायरेक्ट महिला आईएएस और एक प्रमोटी महिला आईएएस अधिकारी के बीच विवाद इस कदर बढ़ गया था कि प्रमोटी आईएएस ने अपना तबादला करवा लिया। उन्हें लगा कि अब उक्त सीनियर मैडम से राहत मिलेगी। लेकिन होनी को कौन टाल सकता है। अब इसे संयोग कहें या कुछ और, हुआ यह कि प्रमोटी आईएएस जिस विभाग में पदस्थ हैं, उसी विभाग में सीनियर आईएएस अधिकारी का भी तबादला हो गया।

प्रदेश में अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ उपार्जन के लिए स्लॉट बुक, लगातार बढ़ रहा है आंकड़ा - मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में गेहूँ उपार्जन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। किसान भाइयों ने बड़ी संख्या में स्लॉट बुक किए हैं। अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ उपार्जन के लिए स्लॉट बुक हो चुके हैं। यह एक सकारात्मक संदेश है। स्लॉट बुकिंग का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के किसानों से गेहूँ उपार्जन करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केन्द्रों पर सभी संभव व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूँ उपार्जन प्रक्रिया में व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के लिए आकस्मिक निरीक्षण लगातार चलता रहेगा और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। सभी मंत्री, विधायक और संबंधित अधिकारियों को उपार्जन प्रक्रिया में पूरी सक्रियता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने और किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निर्देशित किया गया है।

विधानसभा के फर्जी प्रवेश पत्र मामले में यासीन मछली को मिली जमानत

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के फर्जी प्रवेश पास मामले में यासीन अहमद उर्फ मछली की ओर से दायर की गई जमानत याचिका को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने सुनवाई के बाद मंजूर कर उसकी रिहाई का आदेश दिया है। यासीन अहमद उर्फ मछली की ओर से कुणाल रायकवार एडवोकेट ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। अभियोजन के मुताबिक यह प्रकरण भोपाल के अरेरा हिल्स थाना में दर्ज है। 25 जुलाई 2025 को प्राप्त शिकायत के बाद जांच शुरू की गई थी। जांच में सामने आया कि दिसंबर 2024 के विधानसभा सत्र के लिए पत्रकार गौरव शर्मा के नाम से जारी वाहन पार्किंग के पास को आरोपी यासीन अहमद उर्फ मछली ने कथित रूप से छेड़छाड़ कर अपनी निजी कार में लगा लिया था। जबकि यह पास किसी अन्य वाहन के लिए वैध रूप से जारी किया गया था। जनवरी 2026 में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट जबलपुर की एकलपीठ के जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल ने सुरक्षा कारणों और आपराधिक रिकॉर्ड का हवाला देते हुए उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

गैस सिलेंडर की कालाबाजारी करने वालो पर मामले दर्ज

भोपाल। शहर में गैस सिलेंडर की परेशानी को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त कार्यवाही करनी शुरू कर दी है। हाल ही में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी, अवैध गैस रिफिलिंग और आवश्यकता से अधिक गैस सिलेंडर रखने पर कोलार, कजलीखेड़ा और गांधीनगर थाना पुलिस में जिला प्रशासन की ओर से खाद्य विभाग ने शिकायत दर्ज कराई है। बताया जा रहा है, कि कोलार थाने में श्याम गैस एजेंसी पर अवैध रुप से गैस सिलेंडर रखने का प्रकरण दर्ज किया गया है। इसी तरह, कजलीखेड़ा में आरोपी राजू मेवाड़ा पर एलपीजी गैस सिलेंडर से अवैध रिफिलिंग करने की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है।

चुनाव के बाद राहत नहीं, महंगाई की मार मिली है लोगों को-जीतू पटवारी

भोपाल । मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने देश में लगातार बढ़ती महंगाई, गैस सिलेंडर की कीमतों तथा आम जनता पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को लेकर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय जनता से बड़े-बड़े वादे किए गए थे और नारा दिया गया था - बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार मोदी सरकार , लेकिन आज वही सरकार महंगाई को चरम पर पहुंचाने का काम कर रही है।

पटवारी ने कहा कि फरवरी माह से अब तक व्यावसायिक गैस सिलेंडर के दामों में रू1,380 तक की बढ़ोतरी हुई है, जो केवल तीन महीनों में लगभग 81 प्रतिशत की वृद्धि है। इतनी कम अवधि में इतनी बड़ी वृद्धि यह दर्शाती है कि केंद्र सरकार महंगाई नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है।

पटवारी ने कहा कि जिन गैस सिलेंडरों की कीमतें पहले रू400, रू450, रू700 और रू 800 के आसपास थीं, आज आम जनता रसोई गैस और व्यावसायिक गैस दोनों की महंगाई से त्रस्त है। उज्ज्वला योजना के नाम पर घर-घर उजाला देने की बात कही गई थी, लेकिन अब गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों ने गरीब और मध्यम वर्ग के घरों का बजट बिगाड़ दिया है।

उन्होंने कहा कि व्यावसायिक गैस सिलेंडर रू 3071 होने से सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। होटल, ढाबों और छोटे व्यापारियों पर लागत बढ़ गई है, जिसका बोझ अब जनता को महंगे खाने-पीने के सामान के रूप में उठाना पड़ रहा है। जो समोसा पहले रू10 में मिलता था, आज रू20 में मिल रहा है। यही हाल चाय, नाश्ते और रोजमर्रा के अन्य सामानों का है।

पटवारी ने कहा कि देश में बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक संकट ने भयावह स्थिति पैदा कर दी है। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा, व्यापार कमजोर हो रहा है और आम जनता महंगाई की मार से परेशान है।

उन्होंने आरोप लगाया कि देश में आर्थिक अव्यवस्था, बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई के लिए यदि कोई जिम्मेदार है तो वह केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी भारत संघ की राजभाषा

भोपाल (ईएमएस) । रेलवे भर्ती बोर्ड, भोपाल कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक समीक्षा बैठक श्रीमती रश्मि दिवाकर, अध्यक्ष, रेलवे भर्ती बोर्ड, भोपाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मार्च 2026 तक की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के प्रारंभ में संपर्क राजभाषा अधिकारी एवं सहायक सचिव अनिल कुमार सिन्हा ने समिति अध्यक्ष सहित सभी सदस्यों को बैठक की औपचारिक जानकारी प्रदान की। तत्पश्चात सदस्य सचिव नीरज कुमार राजपूत ने रश्मि दिवाकर को पौधा भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर रश्मि दिवाकर ने कहा कि देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी भारत संघ की राजभाषा है तथा प्रशासनिक कार्य आमजन की भाषा में ही संचालित होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय सरकारी कर्मचारी होने के नाते यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि भर्ती प्रक्रिया के साथ-साथ गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सकारात्मक प्रयास सुनिश्चित किए जाएं। बैठक के दौरान रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली के निर्देशानुसार विश्व धरोहर दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के क्रम में कार्यालय के राजभाषा अनुभाग द्वारा भारतीय रेल की विश्व धरोहर एवं उनका संरक्षण' विषय पर हिंदी में पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी गई, जिसकी सभी उपस्थित सदस्यों ने सराहना की।

भारत के 47 करोड़ श्रमिक मिनिमम वेजेस पाने में विश्व में 115वें नंबर पर क्यों है - भार्गव

भोपाल। भारत के 32 करोड़ पुरुष श्रमिक व 15 करोड़ महिला श्रमिक जिन्होंने अपने खून पसीने से भारत को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाकर सिरमौर स्थान दिया, वही भारतीय श्रमिक मिनिमम वेजेस (न्यूनतम वेतन) पाने में विश्व के 114 देशों से पिछड़कर 115वें नंबर पर क्यों है? श्रमिक लीविंग वेजेस पाने से वंचित क्यों हैं? श्रमिक के अधिकार नेताओं की मर्जी पर आधारित क्यों है? एक ही देश, एक ही काम, एक सी मँहगाई के बावजूद पूरे भारत देश में एक समान वेतन ढाँचा (नेशनल फ्लोर वेज डिजाईन) करने से केन्द्र सरकार क्यों कतरा रही है? ये सवाल मजदूर दिवस पर ऑल डिपार्टमेंट आऊटसोर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चे के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव व महामंत्री दिनेश सिसोदिया ने सरकार से पूछा है।

श्री भार्गव ने कहा कि एक ओर

केन्द्र सरकार वन रैंक-वन पेंशन, एक देश-एक कानून, एक भारत-श्रेष्ठ भारत, श्रमवीर, अंत्योदय जैसे लुभावने नारे लगाती है पर जमीनी हकीकत यह है कि म.प्र. सहित देश भर के राज्यों के श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में जमीन-आसमान का अंतर है। ये अंतर समाप्त कर भारत सरकार को म.प्र. सहित सभी राज्यों के श्रमिकों को एक जैसा न्यूनतम वेतन देने का प्रावधान लागू करना चाहिये और इस प्रावधान को नहीं मानने वालों पर सख्त कठोर दण्डात्मक कार्यवाही करना चाहिये।

भार्गव ने हैरानी जाहिर की कि संविधान की शपथ लेने वाले श्रमिक हित की मूल भावना को खोखला कर उससे खिलवाड़ कर लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की मंशा के विपरीत ठेका प्रथा जैसी बिचौलिया प्रथा लाद रहे हैं। पूरे देश की फिज़ाओं में ठेकेदारी छा गई है, देश के करोड़ों युवा ठेकेदार के चंगुल में आर्थिक रूप से सिसक रहे हैं, ठेकेदार उन पर सितम ढा रहे हैं, पर श्रमिक आंदोलन को दबाने हेतु 4 नये श्रम कानून बनाकर श्रम आंदोलन को सरकार अपराध की श्रेणी में लाने की कोशिश कर रही है, जो मजदूर दिवस पर श्रमिकों के साथ सरासर ज़्यादादती, कुठाराघात व हक़ों का हनन है।

आज होगा सीएसके और मुम्बई में मुकाबला

चेन्नई । आईपीएल में शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। दोनो ही टीमों को पता है कि प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उन्हें ये मैच जीतना जरुरी है। ये दोनो ही पांच-पांच बार की खिताब विजेता रही हैं पर इस बार दोनो को ही बेहद खराब हालातों का सामना करना पड़ा है। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की सीएसके इस बार बल्लेबाजी और गेंदाबाजी दोनो में ही लय में नहीं है जो उसकी हार का कारण रहा है। वहीं मुम्बई इंडियंस की कहानी भी ऐसी ही है वह अपने स्टार खिलाड़ियों की विफलता से जूझ रही है। मुम्बई के पास सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी हैं पर दोनो ही इस सत्र में विफल रहे हैं।

उसका मध्य क्रम कमजोर है। उसके गेंदबाज भी लक्ष्य का बचाव नहीं कर पा रहे। सीएसके को उम्मीद है कि घरेलू मैदान पर उससे स्पिनर सफल रहेंगे। दूसरी ओर मुम्बई इनके खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करना चाहेगी।

दोनों की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए कोई भी टीम इस बार पसंदीदा नजर नहीं आती है। यह मुकाबले में हारने वाली टीम का प्लेऑफ का सफर समाप्त हो जाएगा। इसलिए दोनो ही ये मैच जीतने उमरेंगी। सीएसके अंक तालिका में छठे स्थान पर है। उसे आठ मैचों में केवल तीन जीत मिली है। उसकी ओर से अब तक केवल संजू सैमसन ही रन बना पाये हैं। वहीं गेंदबाजी में अंशुल कम्बोज ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

दूसरी ओर मुम्बई के भी हाल खरा हैं और वह अंक तालिका में नौवें नंबर पर है। उसे अब अपने सभी मैच जीतने होंगे क्योंकि एक हार से वह प्लेऑफ से बाहर होगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 40 मुकाबले हुए हैं जिसमें मुम्बई ने 21 जबकि सीएसके ने 19 जीते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :-

चेन्नई सुपर किंग्स- रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), अमन खान, शिवम दुबे, जैक फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष, अंशुल कम्बोज, जेमी ओवरटन, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील होसिन, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, नूर अहमद.

मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रॉबिन मिन्ज (विकेटकीपर), डेनिश मालेवार, शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, अश्वनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, कृष्ण भगत, एएम गजनफर, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा।

क्रिस ने 200 वां गोल कर नॉटिंघम को एस्टन पर जीत दिलायी

नॉटिंघम। क्रिस वुड के गोल से नॉटिंघम फॉरेस्ट ने यूईएफए यूरोपा लीग फुटबॉल सेमीफाइनल के पहले चरण में को एस्टन विला को 1-0 से हराकर बढ़त दर्ज की है। इस मैच में वुड ने अपने करियर का 200 वां गोल दागा। इस जीत से फॉरेस्ट के फाइनल में पहुंचने की उम्मीद बढ़ गयी है, हालांकि दूसरे चरण की चुनौती अभी बरकरार है।

इस मैच में दोनों टीमों ने शुरुआत में रक्षात्मक रख अपनाया पर समय के साथ नॉटिंघम फॉरेस्ट ने धीरे-धीरे खेल पर अपना दबदबा बना लिया। फॉरवर्ड मॉर्गन गिब्स-व्हाइट ने कुछ अच्छे मूव बनाये पर वह उन्हें गोल में बदल नहीं पाये। दूसरी ओर, एस्टन विला ने भी करारे हमले किए, जिसमें मॉर्गन रोजर्स का शानदार कर्लिंग शॉट फॉरेस्ट के गोलकीपर स्टीफन ऑर्टेगा ने बेहतरीन तरीके से रोक लिया। फॉरेस्ट का दबाव लगातार बना रहा और एस्टन विला के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज को इगोर जीसस के एक दमदार प्रयास को गोल लाइन पर रोकने के लिए तेज प्रतिक्रिया दिखानी पड़ी। दूसरे हाफ में भी मुकाबला बेहद कड़ा रहा, जहां ओली वॉटकिंस को पॉइंट-ब्लैंक रेंज से गोल करने से ऑर्टेगा ने एक बार फिर शानदार बचाव कर रोका, जिससे फॉरेस्ट की उम्मीदें बनी रहीं।

मैच के अंतिम पलों में खेल का निर्णायक मोड़ आया। ओमारी हचिंसन ने शानदार तरीके से गेंद को खेल में बनाए रखा, जिसके बाद लुकास डिग्ने के हैडबॉल के चलते फॉरेस्ट को पेनल्टी मिल गई। इस सुनहरे मौके पर क्रिस वुड ने कोई गलती नहीं की। उन्होंने दमदार शॉट के साथ गेंद को गोल में डालकर अपनी टीम बढ़त दिला दी। यह वुड के करियर का 200वां गोल था, जो एक खिलाड़ी के लिए मील का पत्थर है और ऐसे महत्वपूर्ण मैच में इसे हासिल करना उनके लिए और भी खास था।अब सभी की निगाहें बर्मिंघम में होने वाले दूसरे चरण पर टिकी हैं, जो यह तय करेगा कि यूईएफए यूरोपा लीग के फाइनल में कौन सी टीम अपनी जगह पक्की करती है।

रियान पराग के ई-सिगरेट विवाद से कोच संगकारा भी नाराज

रॉयल्स पर भी कार्रवाई कर सकती है बीसीसीसी

मुम्बई । राजस्थान रॉयल्स की टीम के कप्तान रियान पराग की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इलेक्ट्रानिक सिगरेट (वेप्स) विवाद में फंसने के बाद जहां भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उनपर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया है। वहीं अब इस मामले में टीम के मुख्य कोच कुमार संगकारा भी नाराज हैं और पराग को छोड़ने के मुड में नजर नहीं आते। पराग को न्यू चंडीगढ़ में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान सिगरेट पीते देखा गया था। जिसका बाद से ही वह आलोचना का केन्द्र बने हैं। वहीं संगकारा का मानना है कि इस तरह के विवाद न केवल टीम के प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं, बल्कि इससे ड्रेसिंग रूम का माहौल भी खराब होता है। संगकारा ने कहा है कि टीम के सभी खिलाड़ियों को अनुशासन बनाये रखना होगा। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच से पहले संगकारा ने कहा, इस तरह के विवाद टीम के लिए सही नहीं हैं। मैं बस इतना कह सकता हूं कि बीसीसीआई और फ्रेंचाइजी दोनों ने इन मामले पर गंभीरता से बात की है। यह खिलाड़ियों के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि उन्हें हर हाल में टीम के माहौल को बेहतर बनाए रखना होगा और आईपीएल की गरिमा का ध्यान रखना होगा। उनके इस बयान से साफ है कि फ्रेंचाइजी भी इस मामले पर गहरा विचार कर रही है और रियान पर आंतरिक कार्रवाई का खतरा मंडरा रहा है। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि बीसीसीआई केवल रियान पराग पर कार्रवाई करके संतुष्ट नहीं है। बोर्ड अब राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी और उसके अधिकारियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। बीसीसीआई का मानना है कि आईपीएल जैसे बड़े मंच पर ऐसे आचरण से लीग की प्रतिष्ठा और मर्यादा को नुकसान पहुंचता है। इसे बनाए रखना सभी हितधारकों की जिम्मेदारी है। सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई दोषी टीम, उसके अधिकारियों और खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने पर विचार कर रहा है ताकि यह पक्का किया जा सके कि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हो और आईपीएल की वैश्विक छवि को कोई नुकसान न पहुंचे।

आईपीएल 2026 में बड़े से बड़ा स्कोर भी सुरक्षित नहीं रहा

10 बार 200 से अधिक रनों के लक्ष्य हासिल किये गये

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में बल्लेबाज इस कदर हावी रहे हैं कि बड़े से बड़ा स्कोर भी सुरक्षित नहीं रहा है। इस बार टीमों ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 200 से अधिक रनों के स्कोर भी आसनी से हासिल लिए। इस सत्र में पिछले सारे रिकार्ड टूट गये हैं। ये किसी आईपीएल सत्र में पहली बार है जब 10 बार 200 से बड़े लक्ष्य हासिल किये गये हैं। इससे पहले कभी ऐसा नहीं हुआ था। इस कारण अब पहली पारी में बनाए गए बड़े से बड़े स्कोर भी अब सुरक्षित नहीं माने जा रहे हैं। पिछला रिकॉर्ड आईपीएल 2025 में बना था, जब टीमों ने 9 बार 200 से अधिक के लक्ष्य हासिल किये थे। मौजूदा सीज़न का लगभग आधा हिस्सा अभी बाकी है, जिसका मतलब है कि यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है और रिकॉर्ड

को और मजबूत कर सकता है।

इस सत्र में ऐसे कई मुकाबले देखने को मिले हैं जिन्होंने क्रिकेट प्रेमियों को हैरान किया है। मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच गत दिवस हुआ मैच ही लें इसमें मुम्बई की टीम 243 रन बनाने के बाद भी हार गयी। इसी प्रकार दिल्ली कैपिटल्स भी 264 रनों के स्कोर का बचाव नहीं कर पायी। इन मुकाबलों से साफ है कि अब टीमें कोई भी स्कोर हासिल कर सकती हैं।

आईपीएल 2026 में 200 या उससे अधिक का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल करने वाली टीमों में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर 2 बार, मुंबई इंडियंस 1 बार, पंजाब किंग्स 3 बार, राजस्थान रॉयल्स 2 बार, और सनराइजर्स हैदराबाद 2 बार शामिल हैं। इन टीमों ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन से यह संभव कर दिखाया है।

आईपीएल इतिहास में सबसे बड़े सफल लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड पंजाब किंग्स ने अपने नाम किया है, जब उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल किया। दूसरे नंबर पर भी पंजाब किंग्स ही है, जिन्होंने आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 262 रनों का पीछा किया था। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद का दबदबा है, जिन्होंने आईपीएल 2025 में पंजाब के खिलाफ 246 रनों का लक्ष्य, फिर आईपीएल 2026 में मुंबई के खिलाफ 244 रनों का लक्ष्य और इसी सीज़न में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 229 रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया है।

भुवनेश्वर ने टी20 क्रिकेट में बुमराह को पीछे छोड़ा

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में 3 विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि भी अपने नाम कर ली है। अब भुवनेश्वर टी20 में जसप्रीत बुमराह की जगह पर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। भुवनेश्वर के अब 350 विकेट हो गये हैं वहीं इस सूची में 391 विकेट लेकर स्पिनर युजवेंद्र चहल शीर्ष पर हैं।

चहल की लगातार अच्छी गेंदबाजी और अहम अवसरों पर विकेट निकालने की क्षमता उन्हें इस प्रारुप में सबसे सफल खिलाड़ी बनाती हैं।

भुवनेश्वर अपनी स्विंग और सटीक यॉर्कर के लिए मशहूर हैं। इससे उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है।

लक्ष्य ने चीनी ताइपे के टिएन को हराकर भारत को बढ़त दिलायी

होर्सेस । भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल लक्ष्य सेन ने चीनी ताइपे के चोउ टिएन चेन को 18-21, 22-20, 21-17 से हराकर भारत को थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल्स के क्वार्टरफाइनल में 1-0 से बढ़त दिलायी। लक्ष्य ने दो मैच अंक बचाकर विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी टिएन चेन को पराजित किया। लक्ष्य ने मैच में शुरुआत में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए ये जीत हासिल की। लक्ष्य ने एक घंटे और 28 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21, 22-20, 21-17 से जीत हासिल की।

इस मुकाबले से पहले दोनों ही खिलाड़ियों के बीच मुकाबले का रिकॉर्ड 4-4 से बराबरी पर था। इस मुकाबले में लंबी रैलियों के अलावा जबरदस्त स्ट्रोकप्ले देखने को मिला। चोउ ने पहले गेम में 10-15 से पिछड़ने के बाद जीत हासिल की पर लक्ष्य ने दूसरे मुकाबमे को अपने नाम कर लिया। भारतीय खिलाड़ी ने 13-17 से पीछे रहने के बाद वापसी करते हुए चार अंक जीतकर स्कोर बराबरी पर ला दिया। चोउ को दो मैच अंक मिले पर लक्ष्य ने शांत रहकर खेलते हुए दो अंक बचाकर मैच को निर्णायक मुकाबले तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में चोउ लय में नहीं दिखे जिसका लाभ उठाते हुए लक्ष्य ने ब्रेक के दौरान 11-7 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद भी उन्होंने मैच अपने कब्जे में कर लिया।

बीसीसीआई ने आईपीएल प्लेयर इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड के लिए वैभव सहित 25 खिलाड़ियों का नामांकन किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड के नामांकन की सूची जारी की है। बोर्ड ने सभी 10 टीमों में से ऐसे 25 खिलाड़ियों का चयन किया है, जो इस अवॉर्ड के दावेदार हैं। इसके लिए वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे, समीर रिजवी, मुकुल चौधरी और प्रियांश आर्या से लेकर सलिल अरोड़ा जैसे युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। ये अवॉर्ड उस खिलाड़ी को मिलेगा जिसने सत्र में सबसे अधिक बेहतर प्रदर्शन किया हो। इसके साथ ही उसमें भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनने की संभावना हो। ये अवॉर्ड केवल अनकैप्ड खिलाड़ी को ही दिया जाएगा। वहीं उस खिलाड़ी का जन्म भी एक अप्रैल 2000 के बाद हुआ होना चाहिये। पहले किसी सत्र में इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड नहीं जीता हो। इसमें पब्लिक वोट के अलावा टीवी कमेंटेटर्स की पसंद भी चयन के लिए पूछी जाती है।

इस अवार्ड के लिए सबसे अधिक पांच खिलाड़ी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटन्स के अलावा मुंबई इंडियंस के भी 3-3 खिलाड़ी इस सूची में शामिल हैं जबकि राजस्थान रॉयल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के 2-2 खिलाड़ियों को इसमें शामिल किया गया है।

खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है :-

एसआरएचः- अनिकेत वर्मा, प्रफुल हिंगे, साकिब हुसैन, सलिल अरोड़ा और शिवांग कुमार

डीसी- समीर रिजवी, विपराज निगम और साहिल परख

सीएसके - आयुष म्हात्रे, कार्तिक शर्मा और प्रशांत वीर

जीटी- अशोक शर्मा, कुमार कुशाग्र और मानव सुथर

एमआई- अश्वनी कुमार, क्रिस भगत और दानिश मालेवार

केकेआर - अंगकृष रघुवंशी और कार्तिक त्यागी

एलएसजी - मुकुल चौधरी और प्रिंस यादव

आरआर - वैभव सूर्यवंशी और यश राज पुंजा

आरसीबी - रसिख डार

पीबीकेएस - प्रियांश आर्या

आईपीएल में इस बार डिकॉक सहित पांच बल्लेबाजों के शतक के बाद भी हारी टीम

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को ये सत्र कई मायनों में पिछले सत्रों से अलग नजर आ रह है। इस बार किसी बल्लेबाज का शतक भी जीत की गारंटी नहीं माना जा रहा है क्योंकि पांच बार ऐसा हो गया है जब बल्लेबाज के शतक लगाने के बाद भी उसकी टीम हारी है। इस सत्र में अब तक 41 मैचों में 9 शतक लगे हैं। इसमें हैरान करने वाली बात ये रही है 5 बार ऐसा हुआ जब बल्लेबाज ने शतक लगाया पर टीम को हार का सामना करना पड़ा। मुंबई इंडियंस के दो सलामी बल्लेबाजों, क्विंटन डिकॉक और रयान रिकल्टन, ने पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाए पर दोनो बार ही टीम को हार मिली। दिल्ली कैपिटल्स के लिए केएल राहुल ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 152 रन बनाए पर इसके बाद भी पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम को हार मिली। गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने भी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ एक शानदार शतक लगाया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। ,वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाया पर इसके बाद भी टीम हार गयी।

दूसरी ओर चार बल्लेबाजों के शतकों से उनकी टीम को जीत मिली है। चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने इस सीजन में दो शतक दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ लगाये और दोनों ही अवसरों पर सीएसके जीती है।

शुभमन ने दिया विराट के आक्रामक जश्न का जवाब

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली जब मैदान पर उतरते हैं और अपने जोश और जुनून के साथ ही विरोधी टीम पर दबाव बनाने का कोई अवसर नहीं छोड़ते। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में भी विराट ने ऐसा ही किया। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल का कैच लेने के बाद कोहली ने आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। शुभमन भी कहां पीछे रहने वाले थे। मैच जीतने के बाद उन्होंने भी इसका करारा जवाब दिया।

जब विराट ने कैच पकड़ा तो उस समय शुभमन 18 गेंदों में तेजी से 43 रन बनाकर खेल रहे थे। उनकी इस पारी से गुजरात की टीम जीत के लिए मिले लक्ष्य को हासिल करने में सफल रही। इसी कारण उसने आरसीबी को मैच में 4 विकेट से हरा दिया।

मैच में आरसीबी के खिलाफ जीत के बाद शुभमन ने एक ऐसी पोस्ट साझा की जो देखते ही देखते वायरल हो गई। अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में शुभमन ने मैच की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें से एक में कोहली भी नजर आ रहे थे। इसमें जो शब्द प्ले बोल्ड है वो विराट के जश्न का जवाब माने गए, क्योंकि प्ले बोल्ड आरसीबी का ही नारा है और गिल ने इसे इस्तेमाल कर अपने जवाब को और तीखा बना दिया।

एशियाई चैंपियनशिप से बाहर रहेंगी चानू

नई दिल्ली । भारत की ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू अगले महीने गांधीनगर में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगी। कंधे की चोट के चलते उन्होंने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। चानू का मुख्य लक्ष्य इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करना है, जिसके लिए वह कोई भी जोखिम नहीं उठाना चाहतीं। उनका यह रणनीतिक निर्णय सुनिश्चित करेगा कि वह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से फिट और तैयार रहें।

भारोत्तोलन एक ऐसा खेल है जिसमें शरीर पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, और चानू जैसी शीर्ष स्तर की एथलीट के लिए चोट से बचाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाली मीराबाई का मानना है कि उनकी शारीरिक स्थिति सर्वोच्च प्राथमिकता है। एशियाई चैंपियनशिप से बाहर रहकर, उन्हें अपनी चोट से पूरी तरह उबरने और आगामी मेगा-इवेंट्स के लिए अपनी शक्ति और तकनीक को निखारने का पर्याप्त समय मिलेगा। यह कदम उनके दीर्घकालिक करियर के लिए भी बुद्धिमानी भरा है, ताकि वह भविष्य में भी भारत के लिए पदक जीतती रहें। मीराबाई चानू का अगला महत्वपूर्ण पड़ाव 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल होंगे। इन खेलों में वह अपने पसंदीदा 48 किग्रा वर्ग में

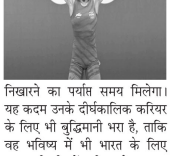

उतरेंगी, जहां उन्हें स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतरीन रहा है और वह एक बार फिर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद कर रही हैं। हाल ही में मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 116 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जो उनके फॉर्म को दर्शाता है। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, चानू अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। एशियाई खेल उनके लिए एक नई चुनौती पेश करेंगे, क्योंकि इस टूर्नामेंट के लिए उन्हें 53 किग्रा वर्ग में उतरना होगा। इसके लिए उन्हें अपना वजन भी बढ़ाना होगा, जो किसी भी भारोत्तोलक के लिए एक महत्वपूर्ण समायोजन होता है। दिलचस्प बात यह है कि अपने शानदार करियर के बावजूद, मीराबाई चानू ने अब तक एशियाई खेलों में कोई पदक नहीं जीता है, जिससे यह उनके लिए एक विशेष प्रेरणा का स्रोत है। यह सत्र 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होने के कारण और भी अहम माना जा रहा है। एशियाई खेलों का प्रदर्शन न केवल पदक के लिए, बल्कि ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। मीराबाई की अनुपस्थिति से एशियाई चैम्पियनशिप में उनकी जगह कोमल कोहर को शामिल किया जा सकता है, जिससे उन्हें भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। मीराबाई चानू अब पूरी तरह से अपनी चोट से उबरने और ग्लासगो व आइची-नागोया (में होने वाले बड़े मुकाबलों के लिए अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित करेंगी, ताकि वह एक बार फिर भारत को गौरवान्वित कर सकें।

बुमराह के बचाव में उतरे पोलार्ड

मुम्बई। मुंबई इंडियंस टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में बेहद खराब रहा है और लगातार मिल रही हार से वह नौवे स्थान पर खिसक गयी है। मुम्बई की हार में टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का खराब प्रदर्शन भी एक प्रमुख कारण रहा है। बुमराह इस सत्र में असफल रहने के बाद से ही वह प्रशंसकों के निशाने पर हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में बुमराह एक भी विकेट नहीं ले पाये और उन्होंने 56 रन दे दिए। यह उनके टी20 करियर के सबसे महंगे स्पेल में से एक रहा, जिसके बाद से ही वह आलोचनाओं का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में टीम के बल्लेबाजी कोच कायरन पोलार्ड ने बुमराह का बचाव किया है। में पोलार्ड ने कहा कि हर खिलाड़ी अपने करियर में उतार-चढ़ाव से गुजरता है और बुमराह भी कोई अलग नहीं हैं। उन्होंने कहा, बुमराह ने लगातार अविश्वसनीय प्रदर्शन किया है। एक खिलाड़ी के तौर पर वह अपने खराब दौर से गुजर रहे हैं जिसमें गलतियां होती हैं। हमें हमेशा उनके बेहतरीन योगदान को याद रखना चाहिए न कि केवल एक-दो खराब प्रदर्शन पर उन्हें आंकना चाहिए।

पोलार्ड ने प्रशंसकों और आलोचकों से खिलाड़ियों के प्रति थोड़ा संयम बरतने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी हर पल सार्वजनिक जांच के दायरे में रहते हैं, जिससे उनकी गलतियां सामान्य लोगों की तुलना में कहीं ज्यादा नजर आती हैं। पोलार्ड ने तर्क दिया, जब आम लोग कोई गलती करते हैं, तो उन्हें अक्सर उसे सुधारने का मौका मिलता है, लेकिन क्रिकेटरों को शायद ही कभी ऐसी राहत मिलती है। वे हर समय दबाव में रहते हैं। इसलिए, हमें उन्हें थोड़ा सोचने और वापसी करने का मौका देना चाहिए। यह बयान खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य और क्रिकेट के मैदान पर उनके प्रदर्शन के बीच के नाजुक संतुलन को दिखाता है।

इस सत्र में बुमराह ने अब तक 8 मैचों में केवल 2 विकेट लिए हैं, और ये उनके आईपीएल करियर का सबसे खराब आंकड़ा माना जा रहा है। उनका औसत 132 और इकॉनमी रेट 8.80 है। साल 2015 के बाद यह पहली बार है जब उनका प्रदर्शन इतना खराब रहा है हालांकि पोलार्ड का मानना है कि बुमराह जल्द ही वापसी करेंगे।

मजदूर दिवस पर फूटा महंगाई बम...

19 किग्रा. वाला सिलेंडर 993 रुपए, तो 5 किलो एलपीजी 261 रुपए हुआ महंगा, मजदूर वर्ग, प्रवासियों और घर से बाहर रह रहे छात्रों पर महंगाई की तगड़ी मार

श्रमिकों को मिलेगी 162 रूपए किलो एलपीजी!

सिलेंडर के दाम बढ़ने पर राहुल गांधी बोले-पहली स्ट्राइक गैस पर, अगली स्ट्राइक पेट्रोल-डीजल पर

नई दिल्ली। दुनियाभर में शुक्रवार को मजदूर दिवस मनाया गया। इस बीच, भारत में महंगाई का बड़ा झटका लगा है। खासकार कामगारों के लिए, क्योंकि कमर्शियल सिलेंडर के साथ ही 5 किलो वाले सिलेंडर की कीमतों में भी इजाफा किया गया है। 5 किलो वाला सिलेंडर श्रमिक-मजदूर वर्ग, प्रवासियों और घर से बाहर रह रहे स्टूडेंट्स को ध्यान में रखकर बनाया गया था। अब इनपर महंगाई की तगड़ी मार पड़ी है। तेल कंपनियों ने 5 किलो वाले एलपीजी की कीमतों में 261 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जो एक बड़ी बढ़ोतरी है। इस बढ़ोतरी के साथ ही अब 5 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर 549 रुपये से बढ़कर 810 रुपये हो चुका है। यानी श्रमिकों को अब 162 रूपए किलो रसोई गैस मिलेगी। यानी घरेलू गैस से यह तीन गुना महंगी हो गई है। वहीं कमर्शियल एलपीजी के दाम में इजाफा हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों ने 1 मई से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 993 रुपये की बढ़ोतरी कर दी हैं।

उधर, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चेतावनी देते हुए कहा कि गैस के बाद अब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो सकती है। उन्होंने लिखा कि पहली स्ट्राइक गैस पर, अगली स्ट्राइक पेट्रोल-डीजल पर। वहीं इस बढ़ोतरी के बाद अब दिल्ली, मुंबई समेत बाकी शहरों में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें 3 हजार रुपये के भी पार पहुंच गई हैं। हालांकि, तेल कंपनियों ने आम लोगों को राहत देते हुए घरेलू (14.2 किलो वाले सिलेंडर) के दाम में कोई इजाफा नहीं किया है। 19 किलो वाले सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में 1 कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 3071.50 रुपये हो गई है, जो कि 1 अप्रैल को इसकी कीमत 2078.50 रुपये थी यानी कि एक सिलेंडर के दाम में एक मई से 993 रुपये का इजाफा हुआ है। इस बढ़ोतरी के बाद देश भर में होटल और रेस्टोरेंट के बिल बढ़ जाएंगे। साथ ही बाकी खाने वाली चीजों के दाम में भी बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा, स्ट्रीट फूड के दाम भी बढ़ सकती है। चाय से लेकर समोसे तक के दाम में

इजाफा हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, 5 किलोग्राम वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में भी प्रति सिलेंडर 261 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है। अब 5 किलो वाला ये सिलेंडर 549 रुपये से बढ़कर 810 रुपये हो चुका है। 5 किलो वाला सिलेंडर कामगारों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के कारण होर्मुज का रास्ता ब्लॉक है, जहां से भारत बड़े स्तर पर गैस और तेल आता था। रास्ता बंद होने से गैस और तेल की सप्लाई में कमी आई है, जिस कारण भारत कई और जगहों से तेल और गैस का आयात बढ़ा रहा है। ऐसे में लागत में भी इजाफा हुआ है और आपूर्ति में भी दबाव बढ़ा है। इस कारण गैस के दाम में बढ़ोतरी हुई है।

राहुल गांधी ने मोदी सरकार को घेरा

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्होंने पहले ही चेतावनी दी थी कि चुनाव के बाद महंगाई बढ़ेगी और अब वही हो रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि आज कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 993 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जो एक दिन में अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि है। उन्होंने इसे चुनावी बिल करार दिया। उन्होंने आगे बताया कि फरवरी से अब तक गैस सिलेंडर की कीमत में कुल 1,380 रुपये का इजाफा हुआ है, यानी सिर्फ तीन महीनों में करीब 81 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कांग्रेस नेता के मुताबिक, इस बढ़ोतरी का सीधा असर चाय की दुकान, ढाबा, होटल, बेकरी और मिठाई की दुकानों पर पड़ेगा, जिससे आम लोगों की थाली भी महंगी होगी।

यही है भाजपा का अच्छे दिनों का असली चेहरा- आतिशी

आम आदमी पार्टी नेता आतिशी ने भी केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि कमर्शियल सिलेंडर के बाद अब छोटू सिलेंडर को भी 261 महंगा कर दिया है। चुनाव के दौरान जो कीमतें थमी हुई थीं, वो अब अचानक आसमान छूने लगी हैं। ये महंगाई सीधे तौर पर रेहड़ी-पटरी वालों, मजदूरों और आम जनता के बजट पर प्रहार है। साफ है कि भाजपा को सिर्फ जनता के वोट से मतलब है, उनके दर्द से नहीं। भाजपा का जनता को रिटर्न गिफ्ट! कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में 993 का भारी इजाफा। दिल्ली में अब एक सिलेंडर 3071.50 का मिलेगा। चुनाव के वक्त जो कीमतें थमी हुई थीं, वो अब आसमान छू रही हैं। यही है भाजपा का अच्छे दिनों का असली चेहरा।

सिलेंडर नहीं रोटी-थाली महंगी होती है- अखिलेश यादव

गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी सरकार को घेरा है। उन्होंने लिखा कि, सिलेंडर महंगा नहीं होता, रोटी-थाली महंगी होती है। ये बात वही जानता है जो खुद खरीदकर खाता है, वो नहीं जो दूसरों के यहां जाकर खाता है या दूसरों की थाली से चुराता है। सिलेंडर महंगा करना था तो सीधे 1000 रुपये महंगा कर देते। 1000 में 7 रुपये कम करके ये भाजपावाले किस पर एहसान कर रहे हैं? भाजपा महंगाई, बेरोजगारी, बेकारी व मंदी पर निंदा प्रस्ताव कब लाएगी?

भाजपा ने मजदूर दिवस के दिन दिया तोहफा- कुमारी सैलजा

कुमारी सैलजा ने भी सरकार का घेराव किया है। उन्होंने कहा कि, कमर्शियल गैस सिलेंडर और 5 किलो वाले 'छोटू' सिलेंडर की कीमतों में फिर बढ़ोतरी कर दी गई है। कमर्शियल सिलेंडर पर 993 रुपए तक की वृद्धि और 5 किलो सिलेंडर पर 261 रुपए की बढ़ोतरी आम जनता पर सीधा बोझ डालने वाली है। उन्होंने कहा कि, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पहले ही देश को चेताया था कि चुनाव समाप्त होते ही भाजपा सरकार महंगाई की मार तेज करेगी। आज वही स्थिति सामने है। कमर्शियल गैस महंगी होने से हर वस्तु और सेवा की कीमत बढ़ेगी, जिसका भार सीधे आम आदमी पर पड़ेगा। वहीं 5 किलो का छोटा सिलेंडर, जिसे मजदूर वर्ग अधिक उपयोग करता है, उसकी कीमत बढ़ाकर उनके जीवन को और कठिन बना दिया गया है। श्रमिक दिवस के अवसर पर भाजपा सरकार द्वारा दिया गया यह तोहफा वास्तव में श्रमिकों और गरीब वर्ग के साथ अन्याय का प्रतीक है।

पड़ोसी को दरियादिली पड़ी भारी

साफ सफाई कर रहे व्यक्ति पर मधुमक्खियों ने किया हमला

पद्मेश न्यूज़। वारासिवनी। पड़ोस में होने वाली शादी की खुशियों में हाथ बंटाना एक शख्स को उस वक्त महंगा पड़ गया जब सफाई के दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने उन पर हमला बोल दिया। कोस्ते निवासी अजीज खान अपनी बाड़ी की साफ सफाई कर रहे थे ताकि पड़ोसी के मेहमानों को दिक्कत ना हो लेकिन इसी नेक काम के दौरान वे गंभीर हादसे का शिकार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोस्ते निवासी अजीज खान पिता महेबूब खान ४७ वर्ष के पड़ोस में एक विवाह कार्यक्रम तय है। विवाह में आने वाली भीड़ और मेहमानों के बैठने की व्यवस्था को देखते हुए अजीज खान ने उदारता दिखाते हुए अपने बाड़ी की सफाई शुरू की थी। उनका उद्देश्य था कि वहां तक टेंट का विस्तार किया जा सके जिससे शादी में आने वाले लोगों को बैठने में पर्याप्त जगह मिले और कोई असुविधा ना हो। जब अजीज खान सफाई कार्य में जुटे थे तभी अचानक कहीं से मधुमक्खियों का एक झुंड वहां आ पहुंचा। इससे पहले कि वे कुछ समझ पाते या खुद को बचा पाते सैकड़ों मधुमक्खियों ने उन्हें घेर लिया। मधुमक्खियों ने विशेष रूप से उनके सिर पर निशाना साधते हुए दर्जनों डंक मारे। अजीज खान की चीख पुकार सुनकर परिजन और पड़ोसी मौके पर पहुंचे और उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले गए। हादसे के तुरंत बाद अजीज खान की बिगड़ती स्थिति को देख परिजनों ने उन्हें बिना देरी किए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर उन्हें मेडिकल ऑब्जर्वेशन में रखा गया है।

ग्राम भटेरा में मकान सूचीकरण कार्य का शुभारंभ, अधिकारियों ने किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जनगणना 2027 के अंतर्गत जिले में मकान सूचीकरण कार्य की शुरुआत तेज़ी से की जा रही है। इसी क्रम में चार्ज अधिकारी एवं तहसीलदार बालाघाट श्री सुनील वर्मा तथा जिला प्रभारी श्री रोहित पांडे द्वारा ग्राम भटेरा में प्रगणक एवं सुपरवाइजर के साथ मकान सूचीकरण कार्य का शुभारंभ किया गया।

इस दौरान अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर कार्य का निरीक्षण किया और प्रगणकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मोबाइल ऐप के माध्यम से सटीक एवं समयबद्ध तरीके से जानकारी दर्ज करने पर विशेष जोर दिया, ताकि जनगणना कार्य पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न हो सके। अधिकारियों ने प्रगणकों एवं सुपरवाइजर्स को निर्देशित किया कि प्रत्येक मकान एवं परिवार का विवरण सावधानीपूर्वक दर्ज करें तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

तेजस प्रोजेक्ट के मास्टरमाइंड रवि कुमार बने हेल के नए सीएमडी

नई दिल्ली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (हेल) को नया नेतृत्व मिल गया है। तेजस प्रोजेक्ट से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी रवि कुमार ने शुक्रवार को कंपनी के 22वें अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में पदभार संभाल लिया। उन्होंने डॉ. डीके सुनील का स्थान लिया है, जो 30 अप्रैल 2026 को सेवानिवृत्त हुए। रवि कुमार के पास अनुसंधान एवं विकास, विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 30 वर्षों से अधिक का अनुभव है। इससे पहले वे हेल में निदेशक (संचालन) के पद पर कार्यरत थे और कंपनी को 'महारत्न' का दर्जा दिलाने में उनकी अहम भूमिका रही है। पदभार ग्रहण करने के बाद रवि कुमार ने कहा कि उनका लक्ष्य हेल को नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और परिचालन उत्कृष्टता के आधार पर एक वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी एयरोस्पेस और रक्षा उद्यम बनाना है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कर्मचारियों की भागीदारी और तकनीकी उन्नयन कंपनी की भविष्य की रणनीति का प्रमुख हिस्सा होंगे। गौरतलब है कि रवि कुमार ने हेल में कई महत्वपूर्ण नेतृत्व भूमिकाएं निभाई हैं। वे एलसीए तेजस डिवीजन के महाप्रबंधक और कार्यकारी निदेशक रह चुके हैं, साथ ही कॉर्पोरेट योजना विभाग में भी प्रमुख जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। हेल तेजस प्रोजेक्ट में उनकी भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय रही है। शैक्षणिक रूप से, रवि कुमार कर्नाटक के मालनाड कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्नातक हैं। इसके अलावा वे आईआईएम अहमदाबाद और आईएएस दूलूज के पूर्व छात्र भी हैं। वर्तमान में वे मल्टी-रोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट लिमिटेड के बोर्ड में नामित निदेशक के रूप में भी जुड़े हुए हैं।

नेपाल के राजदूत डॉ. शर्मा का कार्यकाल समाप्त

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत में नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा का कार्यकाल समाप्त हो गया है। इस अवसर पर भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने उनसे विदाई मुलाकात की और उनके योगदान की सराहना की। विदेश सचिव ने कहा कि भारत, नेपाल के साथ अपने ऐतिहासिक और बहुआयामी संबंधों को आगे भी मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। विदाई बैठक के दौरान दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। विदेश सचिव ने भारत-नेपाल सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में डॉ. शर्मा की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। डॉ. शर्मा एक वरिष्ठ अर्थशास्त्री और अनुभवी राजनयिक हैं। वे 2009 से 2014 तक अमेरिका में नेपाल के राजदूत रह चुके हैं और 2002 से 2006 तक राष्ट्रीय योजना आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। भारत में उनका कार्यकाल मार्च 2022 से जुलाई 2024 तक रहा, जिसके बाद 2024 में उन्हें पुनः इस पद पर नियुक्त किया गया। अपने कार्यकाल के दौरान डॉ. शर्मा ने भारत और नेपाल के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 'इंडो-नेपाल बिजनेस ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम' जैसे मंचों के माध्यम से निवेश को प्रोत्साहित किया। इसके अलावा, उन्होंने दोनों देशों के बीच 'रोटी-बेटी' और सांस्कृतिक संबंधों को भी मजबूत करने पर जोर दिया। डॉ. शर्मा के प्रयासों से 'नेपाल-भारत टेक फोरम 2026' जैसे महत्वपूर्ण आयोजन संभव हुए।

टीम नवीन में दिखेगा नारी वंदन अधिनियम का असर, 33 फीसदी महिलाओं को शामिल करने की योजना

4 मई के बाद बीजेपी संगठन और सरकार में दिखाई देंगे कई बदलाव

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल और असम सहित पांच राज्यों के चुनाव नतीजे के बाद बीजेपी में कई अहम फैसले होने वाले है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान संभाल रहे नितिन नवीन को अपनी टीम का गठन करना, इसके अलावा उत्तरप्रदेश से लेकर बिहार तक कैबिनेट विस्तार पेंडिग है। बीजेपी संगठन और सरकार के हिसाब से मई का महीना कई बड़े बदलाव लेकर आएगा।

बताया जा रहा हैं कि 4 मई के बाद बीजेपी नवीन टीम के साथ यूपी से बिहार तक कैबिनेट गठन को अमलीजामा पहनाने का काम करेगी। लंबे समय से लटके पड़े कई फैसले मई में लागू होने की संभावना है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश में योगी सरकार में फेरबदल शामिल है।

बात दें कि उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, इसके पहले बीजेपी कैबिनेट विस्तार करके सियासी समीकरण को साधना चाहती है। बिहार में सीएम और डिप्टी सीएम बनाए जाने के बाद अब कैबिनेट विस्तार होना है, इस प्रक्रिया को भी बीजेपी अमलीजामा पहनाना चाहती है? बीजेपी शीर्ष नेतृत्व ने सारी तैयारी कर ली है, जिसे चार मई के बाद किसी भी दिन अमल में लाया जा सकता है?

जेपी नड्डा की जगह नितिन नवीन बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष 2025 के आखिर में बने हैं, लेकिन पांच महीने के बाद भी अपनी टीम का गठन नहीं कर सके हैं। बीजेपी शीर्ष नेतृत्व ने चार मई के बाद नवीन टीम के गठन का प्लान तैयार किया है। इस तरह संगठन में राष्ट्रीय स्तर पर बदलाव करने का है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन के नेतृत्व में जल्द ही एक नई टीम बनने की संभावना है। माना जा रहा है कि नवीन की टीम में अनुभवी और युवा नेताओं का मिश्रण होगा, ताकि एक संतुलन टीम बन सके। युवाओं के साथ महिलाओं को भी शामिल करने की रणनीति है। बीजेपी की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 33 फीसदी महिलाओं को शामिल करने की योजना है।

वहीं उत्तर प्रदेश में बीजेपी ने भूपेंद्र चौधरी की जगह पर पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया है, लेकिन अभी तक उनकी टीम नहीं बनी है। सूत्रों के अनुसार यूपी में खाली पड़ें पदों को भरने के अलावा कुछ फेरबदल भी हो सकता है। इसमें कुछ मौजूदा मंत्रियों की जिम्मेदारी में बदलाव की भी संभावना है।

2027 के चुनावों को ध्यान में रखकर क्षेत्रीय जातीय समीकरणों को साधा जाएगा। बीजेपी नेताओं के अनुसार योगी कैबिनेट में फेरबदल के साथ ही प्रदेश बीजेपी में भी नई टीम का गठन होने की संभावना है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की नई टीम और योगी कैबिनेट दोनों का निर्णय करते समय आगामी 2027 विधानसभा चुनाव का ध्यान रखा जाएगा।

यूपी कैबिनेट विस्तार के साथ बिहार में सम्राट चौधरी के अगुवाई में बनी एनडीए सरकार के मंत्रिमंडल का गठन होना है। बीजेपी जेडीयू के फार्मूले के अनुसार दोनों के पास सोलह-सोलह मंत्री पद रहने की संभावना है, वर्तमान में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पास जो विभाग हैं, वहां सभी बीजेपी कोटे से बनने वाले मंत्रियों को दिए जा सकते हैं।

हज यात्रा के हवाई किराए में बढ़ोत्तरी, औवैसी का हमला....'जायरीनों का शोषण'

नई दिल्ली। हज यात्रा के हवाई किराए में 10,000 रुपये की बढ़ोतरी को लेकर देश में राजनीतिक और सामाजिक विवाद बढ़ गया है। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने यह फैसला वैश्विक परिस्थितियों, खासकर मध्य-पूर्व में तनाव और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की बढ़ती कीमतों को देखकर लिया है। कमेटी, जो अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के तहत काम करती है, ने स्पष्ट किया कि यह बढ़ोतरी एक बार की है और यात्रियों को अतिरिक्त 100 अमेरिकी डॉलर (करीब 10,000 रुपये) देना होगा। केंद्र सरकार के अनुसार, ईरान में 28 फरवरी से जारी संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर एटीएफ की कीमतें दोगुनी से ज्यादा बढ़ गई हैं। एयरलाइंस की कुल लागत में ईंधन का हिस्सा 30-40 प्रतिशत तक होता है, इसलिए इस बढ़ोतरी का सीधा असर हवाई किराए पर पड़ रहा है। हज कमेटी के सर्कुलर में कहा गया है कि सभी जायरीनों को 15 मई तक अतिरिक्त राशि जमा करनी होगी, ताकि यात्रा व्यवस्थाएं प्रभावित न हों।

हालांकि, हज कमेटी के फैसले का विरोध भी तेज हो गया है। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस फैसले को ५जायरीनों का शोषण५ करार देकर मोदी सरकार से सर्कुलर वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग हज यात्रा के लिए वर्षों तक पैसे बचाते हैं और यह कोई विलासिता नहीं बल्कि धार्मिक कर्तव्य है। ओवैसी ने उल्लेख किया कि पहले ही कुछ एम्बार्केशन पॉइंट्स से यात्रा का किराया काफी ज्यादा था, इसके बाद अंतिम समय पर अतिरिक्त बोझ डालना अनुचित है। इसी तरह, कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने भी सवाल उठाया कि जब किराया पहले तय हो चुका था, तब यात्रा से ठीक पहले यह बढ़ोतरी क्यों की गई। विपक्ष का आरोप है कि यह फैसला गरीब और मध्यम वर्ग के यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव डालने के लिए किया गया है।

लेकिन मामले में विवाद बढ़ने पर केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने केंद्र सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि एयरलाइंस ने शुरुआत में प्रति यात्री 300 से 400 डॉलर अतिरिक्त शुल्क की मांग की थी, लेकिन केंद्र सरकार के हस्तक्षेप कर घटाकर केवल 100 डॉलर किया गया। केंद्रीय मंत्री रिजिजू के अनुसार, यह निर्णय पारदर्शिता और संतुलन के साथ लिया गया है, ताकि यात्रियों पर अधिक बोझ न पड़े और यात्रा सुचारु रूप से जारी रह सके। मोदी सरकार ने स्पष्ट किया कि यह ५शोषण५ नहीं बल्कि एक व्यावहारिक समाधान है, जिससे यात्रियों को और अधिक महंगे किराए से बचाया गया है।

ठाणे में भाजपा सांसद सावर की कार का एक्सीडेंट

मुंबई । महाराष्ट्र के ठाणे में शुक्रवार सुबह भाजपा सांसद हेमंत सावर की कार का एक्सीडेंट हो गया। हादसा घोड़बंदर रोड पर हुआ, जब उनकी कार सामने से आ रहे एक डंपर से टकरा गई। दुर्घटना में सांसद सावर सुरक्षित बच गए, जबकि उनके कार चालक को हल्की चोटें आई हैं। टक्कर के बाद कार के एयरबैग तुरंत खुल गए, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। सूचना मिलते ही नायगांव पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और मदद पहुंचाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सिरमौर। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिला के चुराह में ग्लेशियर टूटकर अचानक सड़क पर आ गया। इस दौरान चंबा को पांगी से जोड़ने वाली सड़क पर ग्लेशियर गिरा। यह देखकर बैरागढ़-साचपास-किलाड़ सड़क पर सतरूंडी के कार्थनाला में सड़क बहाली में जुटे कर्मचारी और मजदूरों ने भागकर जान बचाई। बता दें कि, बीते दिनों क्षेत्र में भारी बर्फबारी के कारण सड़क यातायात के लिए बंद थी। लिहाजा लोक निर्माण विभाग के मजदूर और कर्मचारी सड़क बहाली में जुटे हुए थे।

हिमाचल में ओलावृष्टि से भारी तबाही, आने वाले 5 दिन नहीं मिलेगी राहत

शिमला हिमाचल प्रदेश में इन दिनों ओलावृष्टि ने भारी तबाही मचा दी है, इससे खासकर सेब उत्पादक बागवानों को बड़ा नुकसान हुआ है। शिमला सहित कई इलाकों में तेज बारिश और ओलों ने सेब के पेड़ों को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त किया है। कई जगहों पर पेड़ बीच से टूट गए हैं, जबकि एंटी-हेल नेट और उन्हें सहारा देने वाले बांस भी टूटकर गिर गए हैं। बागवानों का कहना है कि इस आपदा से उन्हें लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले पांच दिनों तक राहत मिलने की संभावना कम है। खासतौर पर 3 और 4 मई के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किय है, जिसमें भारी ओलावृष्टि और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जैसे जिलों में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। 5 और 6 मई को येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। पिछले 24 घंटों में कई क्षेत्रों में अच्छी-खासी बारिश दर्ज की गई है। जुब्बड़हट्टी में 34 मिमी, शिमला में 15.8 मिमी, कसौली में 11 मिमी और कुफरी में 25 मिमी बारिश हुई। इसके अलावा सराहन, सलूणी और मनाली जैसे क्षेत्रों में भी बारिश और ओलावृष्टि देखने को मिली।

हालांकि बारिश के बाद पहाड़ी इलाकों में मौसम सुहावना हो गया है, लेकिन तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। प्रदेश का न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस नीचे आ गया है। मनाली का अधिकतम तापमान 6.5 डिग्री गिरकर 16.8 डिग्री सेल्सियस रह गया, जबकि भुंतर, ऊना और मंडी में भी तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले पांच दिनों तक तापमान सामान्य से नीचे बना रहेगा। इसके बाद सेब बागवानों की चिंता और बढ़ गई है, क्योंकि लगातार खराब मौसम से फसल को और नुकसान होने की आशंका है। सरकार और प्रशासन से राहत और मुआवजे की मांग भी तेज हो गई है।

बारिश के बाद पहाड़ों पर मौसम सुहावना

पहाड़ों पर इसके बाद मौसम सुहावना हो गया है। प्रदेश में रात का पारा भी सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस नीचे गर गया है। सोलन के तापमान में सामान्य की तुलना में सबसे ज्यादा 3.2 डिग्री की गिरावट आने के बाद पारा 11.7 डिग्री रह गया है। इसी तरह अधिकतम तापमान भी सामान्य से नीचे गिरा है।

मनाली का पारा सामान्य से 6.5 डिग्री नीचे लुढ़का

मनाली का अधिकतम तापमान सामान्य से 6.5 डिग्री नीचे गिरने के बाद 16.8 डिग्री, भुंतर का पारा 6.5 डिग्री नीचे लुढ़कने के बाद 23.4 डिग्री, ऊना का 3.4 डिग्री की गिरावट के बाद 33.4 डिग्री, मंडी का सामान्य से 4.8 डिग्री नीचे लुढ़कने के बाद 29.8 डिग्री सेल्सियस रह गया है। इसी तरह, अन्य शहरों के तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। पहाड़ों पर अगले पांच दिनों के दौरान भी तापमान सामान्य से कम रहेगा।

निजामुद्दीन-मुंबई ट्रेन में 6.30 करोड़ की ड्रग्स के साथ महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली से मुंबई जा रही निजामुद्दीन ट्रेन में ड्रग्स तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है, इसमें सूरत रेलवे स्टेशन पर एक महिला को करीब 6.30 करोड़ रुपये की मेथम्फेटामाइन के साथ गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर की। जानकारी के अनुसार, जांच एजेंसी को पहले से सुराग मिला था कि एक महिला ट्रेन में भारी मात्रा में नशीला पदार्थ लेकर यात्रा कर रही है, यहां तक कि उसकी सीट संख्या की पता चल गई थी।

इसके बाद डीआरआई की टीम ने सूरत स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचते ही संदिग्ध महिला को पकड़ लिया। शुरुआती पूछताछ में महिला ने खुद को सामान्य यात्री बताया, जिससे डीआरआई अधिकारियों को तुरंत कोई शक नहीं हुआ। लेकिन जब महिला के ट्रॉली बैग की गहन जांच हुई, तब सच्चाई सामने आ गई। बैग के निचले हिस्से में टेप की मदद से ड्रग्स के पैकेट चिपकाए गए थे, जबकि ऊपर कपड़े और जूतों के डिब्बे इस तरह रखे गए थे कि किसी को शक नहीं हो। गिरफ्तार महिला की पहचान 45 वर्षीय मेलारियो हेनरी के रूप में हुई है, जो महाराष्ट्र के नासिक की निवासी है। बरामद मेथम्फेटामाइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 6.30 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह बरामदगी दर्शाती है कि तस्कर बेहद चालाक और संगठित तरीके से काम कर रहे हैं।

गिरफ्तारी के बाद महिला को सूरत की अदालत में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने महिला को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। फिलहाल डीआरआई अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं और ड्रग्स के स्रोत, सप्लाई चेन तथा उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। शुरुआती जांच में मामला एक बड़े संगठित गिरोह से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। जांच अधिकारियों को संदेह है कि इस तस्करी के पीछे अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का हाथ हो सकता है।

चुनाव नतीजों से पहले विजय की पार्टी के दफ्तर में आग, अज्ञात हमलावरों पर शक

चेन्नई। तमिलनाडु में चुनाव परिणाम से ठीक पहले अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी के दफ्तर में आगजनी की घटना ने सियासी माहौल गरमा दिया है। तिरुची जिले के पास पेट्टवैथलाई इलाके में शुक्रवार सुबह कुछ अज्ञात लोगों ने तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) के अस्थायी कार्यालय को निशाना बनाते हुए आग लगा दी। पुलिस के मुताबिक, यह दफ्तर एक घर के प्रवेश द्वार पर बने करीब 20×20 फीट के फूस के पंडाल से संचालित हो रहा था, जिससे आग तेजी से फैल गई।

न्यूज गैलरी

मोटरसाइकिल के ऊपर पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत

आंधी तूफान के दौरान हुई यह दुर्घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थाना क्षेत्र में आंधी तूफान के दौरान मोटरसाइकिल के ऊपर पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक धीरपाल पिता बंसीलाल मरकाम 45 वर्ष ग्राम पोला पटपरी थाना रूपझर निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धीरपाल अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करता था और वह तीन भाइयों में मंझला था जो गांव में ही दूसरे घर में अपने परिवार के साथ रहता था। अप्रैल को धीरपाल अपने गांव के बुधसिंह पुसाम के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम हर्रा टोला गए थे और शाम 6=30 बजे करीब हर्रा टोला से काम निपटानेके बाद दोनों मोटरसाइकिल में अपने गांव पोला पटपरी लौट रहे थे। उस समय तेज हवा चल रही थी। जब दोनों मोटरसाइकिल में पोला पटपरी कच्चे रास्ते पुल के पास पहुंचे ही थे कि तभी एक सूखा पेड़ टूटकर धीरपाल के सिर के ऊपर गिर गया। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। खबर मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और धीरपाल के शव को उठाकर घर लाये। इस घटना की रिपोर्ट उसके बड़े भाई धूपलाल मरकाम 55 वर्ष अपने रूपझर पुलिस थाना में की थी। रूपझर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर धीरपाल का शव अपने कब्जे में लिए। 1 मई को प्रधान आरक्षक तिलकचंद

बीएससी नर्सिंग छात्राओं का मामला भोपाल पहुंचा, काउंसिल ने 8 दिन में समाधान का दिया आश्वासन

लाखों खर्च कर पढ़ाई के बाद भी रजिस्ट्रेशन अटका, कॉलेज पर दस्तावेज जारी न करने का आरोप, कार्रवाई के संकेत

हितेश ठाकरे।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सरदार पटेल यूनिवर्सिटी की लगभग 47 नर्सिंग छात्राओं द्वारा उठाया गया डिग्री और रजिस्ट्रेशन का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। छात्राओं ने हाल ही में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर शिकायत की थी कि बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई पूरी करने और डिग्री मिलने के बावजूद मध्य प्रदेश नर्सिंग काउंसिल की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन के दौरान यूनिवर्सिटी का नाम प्रदर्शित नहीं हो रहा है, जिससे उनका भविष्य अधर में लटक गया है। मामले को लेकर छात्राओं ने जिला मुख्यालय से लेकर राजधानी भोपाल तक अपनी आवाज उठाई। इस दौरान उन्होंने जीतू पटवारी से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया। इसके बाद उनके माध्यम से छात्राएं उपमुख्यमंत्री और नर्सिंग काउंसिल की अध्यक्ष से भी मिलीं, जहां से उन्हें तकनीकी त्रुटि सुधार कर 8 दिनों के भीतर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी कराने का आश्वासन दिया गया है। इधर छात्राओं की ओर से लगातार इस मुद्दे को उठा रहे सौरभ लोधी ने साफ चेतावनी दी है कि यदि 7 दिनों के भीतर समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो यूनिवर्सिटी के मुख्य द्वार के सामने धरना प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर छात्र-छात्राएं सड़कों पर उतरकर चक्का जाम करने के लिए भी तैयार हैं। संबंधित विभागों की ओर से मिले आश्वासन के बाद छात्राएं समाधान की प्रतीक्षा कर रही हैं, लेकिन समय सीमा पूरी होने के बाद आंदोलन की स्थिति बनने के आसार भी नजर आ रहे हैं।

बीएससी नर्सिंग कर चुकी छात्राओं का रजिस्ट्रेशन संकट मामला अब राजधानी भोपाल तक पहुंच गया है। लाखों रुपए खर्च कर साढ़े चार वर्षों में पढ़ाई पूरी करने के बाद जब छात्राएं नर्सिंग काउंसिल की वेबसाइट पर पंजीयन के लिए पहुंचीं, तो उनके कॉलेज और यूनिवर्सिटी का नाम ही पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं हुआ। इससे छात्र-छात्राओं में हड़कंप मच गया और उन्हें अपने साथ धोखाधड़ी होने की आशंका होने लगी। बताया जा रहा है कि डिग्री मिलने के बावजूद पंजीयन न हो पाने से छात्राएं न तो शासकीय नौकरियों के लिए आवेदन कर पा रही थीं और न ही निजी अस्पतालों में उन्हें अपेक्षित अवसर मिल रहे थे। मामले के सामने आने के बाद छात्राओं ने ओबीसी महासभा के पदाधिकारी सौरभ लोधी से संपर्क किया। सौरभ लोधी ने इस पूरे मामले को जिला प्रशासन के सामने रखा, लेकिन प्रशासन ने इसे निजी यूनिवर्सिटी से जुड़ा मामला बताते हुए सबंधित विभाग से हस्तक्षेप की बात कही। इसके बाद सौरभ लोधी और उनकी टीम छात्राओं को लेकर भोपाल पहुंचे और मामला प्रदेश स्तर पर उठाया गया। भोपाल में छात्राओं ने अपनी समस्या प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के समक्ष रखी। उन्होंने तत्काल इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उप मुख्यमंत्री से चर्चा की और छात्राओं को साथ लेकर मध्यप्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल की अध्यक्ष डॉ. बीनू कुशवाहा से मुलाकात कराई। मुलाकात के दौरान छात्राओं ने अपनी पूरी समस्या विस्तार से रखी। जिसमे यह बात सामने आई कि संबंधित कॉलेज द्वारा आवश्यक दस्तावेज और एनओसी जारी नहीं किए जाने के कारण ही छात्राओं का पंजीयन अटक रहा है। काउंसिल अध्यक्ष डॉ. बीनू कुशवाहा ने छात्राओं को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का समाधान 7 दिनों के भीतर किया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दिए कि इस लापरवाही और छात्रों को हुई परेशानी के लिए संबंधित कॉलेज के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। छात्राओं ने कहा कि वे लंबे समय से इस समस्या से जूझ रही हैं और अब उन्हें उम्मीद है कि जल्द समाधान होगा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि तय समय सीमा में समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगी। सौरभ लोधी ने कहा कि यदि छात्राओं के साथ न्याय नहीं हुआ तो वे डोंगरिया स्थित यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट पर धरना प्रदर्शन करेंगे और जरूरत पड़ने पर चक्का जाम जैसे आंदोलन भी किए जाएंगे। छात्राओं को काउंसिल से मिले आश्वासन के बाद कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन अब सभी की नजर आगामी 7 दिनों पर टिकी हुई है कि समस्या का समाधान होता है या नहीं।

इलाज में लापरवाही का आरोप, दो डॉक्टरों पर मामला दर्ज

ऑपरेशन के बाद युवक कोमा में, नागपुर में चल रहा इलाज, जांच में सामने आई लापरवाही

हितेश ठाकरे।

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान लापरवाही बरतने के आरोप में कोतवाली पुलिस ने दो डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई एक मरीज के ऑपरेशन के बाद कोमा में चले जाने के मामले में की गई है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, शहर के सरदार पटेल मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के डॉक्टर डॉ. हितेश कावडे और एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. श्रृष्टि जैन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 125(बी) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। मामला शहर के बूढी क्षेत्र निवासी विवेक तिरपुड़े (36) के इलाज से जुड़ा हुआ है। बताया जा रहा है कि विवेक के हाथ में चोट लगने के बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसका ऑपरेशन किया गया। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान मरीज को एनेस्थीसिया की अधिक मात्रा (ओवरडोज) दे दी गई, जिसके कारण उसकी हालत बिगड़ गई और वह कोमा में चला गया। बीते करीब दो महीनों से विवेक तिरपुड़े नागपुर के एक अस्पताल में भर्ती है, जहां उसका इलाज जारी है और उसकी स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद 12 अप्रैल को परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और संबंधित डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने शासकीय चिकित्सकों की एक जांच टीम गठित की थी। जांच टीम में शामिल डॉ. नागोराव रंगारे, डॉ. अंकित राणा और डॉ. प्रशांत चौरे ने अपनी रिपोर्ट में पाया कि ऑपरेशन के दौरान संबंधित डॉक्टरों की लापरवाही के कारण ही मरीज की स्थिति गंभीर हुई और वह कोमा में पहुंच गया। इसके अलावा नागपुर स्थित किम्स-किंग्सवे अस्पताल की एमआरआई रिपोर्ट में भी मरीज के मस्तिष्क में ग्लोबल हायपॉक्सिक इंजरी पाए जाने की पुष्टि हुई है, जो आमतौर पर ऑक्सीजन की कमी के कारण होती है। इन तथ्यों के आधार पर कोतवाली पुलिस ने दोनों डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई की जाएगी। वहीं इस घटना के बाद शहर में निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली और मरीजों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं।

हादसे के बाद मदद के बहाने आए लोगों ने घायल युवक की जेब से उड़ाए 46 हजार

बैहर रोड शांति नगर शारदा मंदिर के पास हुई यह घटना

अरूण मसकरे।

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर में एक दर्दनाक सड़क हादसे के बाद इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। भीड़ में मदद के बहाने शामिल हुए कुछ लोगों ने घायल युवक की जेब से 46 हजार रुपये निकाल लिए। 1 मई की शाम 5 बजे यह घटना बैहर रोड शांति नगर शारदा मंदिर के पास में हुई। घायल युवक आकिब खान पिता सलीम खान 30 वर्ष वार्ड नंबर 5 महिंद्रम कॉलोनी बालाघाट निवासी है जिसे जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेंद्रम कॉलोनी निवासी आकिब खान पी एच ई विभाग में कार्यरत हैं। 1 मई की शाम करीब 5 बजे वे मोटरसाइकिल से बस स्टेंड से अपने घर महेन्द्रम कॉलोनी लौट रहे थे। बैहर रोड़ शांति नगर स्थित शारदा मंदिर के पास पीछे से आ रही दो मोटरसाइकिलों ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में आकिब सड़क पर गिर गए और उनके पैर, घुटने व कंधे में गंभीर चोटें आईं दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई थी। कुछ लोग आकिब को उठाने के बहाने उनकी जेब चेक करने लगे। आकिब के कहने पर एक व्यक्ति ने घर वालों को फोन करने के लिए मोबाइल चेक करना बताये। इसी बीच मुबीन नामक युवक मौके पर पहुंचे और घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में आने पर आकिब खान को पता चला कि उनकी जेब में रखे 45,000 रुपये और पर्स में रखे 1,000 रुपये गायब हैं। आशंका है कि मदद के बहाने मोबाइल देने वाले व्यक्ति या भीड़ में शामिल लोगों ने ही रकम निकाल ली। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद आकिब खान को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। अस्पताल पुलिस ने घायल का बयान दर्ज कर तहरीर कोतवाली थाने भेज दी है। कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कीटनाशक दवाई के सेवन से एक युवक की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कीटनाशक दवाई सेवन में आने से जिला अस्पताल में भर्ती एक युवक की मौत हो गई। मृतक सनत पिता धनलाल मसकरें 35 वर्ष ग्राम पिंडरई ग्रामीण थाना नवेगांव निवासी बताया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सनत मसकरे ड्राइवरी करता था। जिसके परिवार में पत्नी खेलनबाई मसकरे 10 और 13 साल के दो बेटे के अलावा मां रामकली मसकरे है। खेलन बाई प्रतिदिन बालाघाट मजदूरी करने आती है। 29 अप्रैल की शाम 6-00 बजे सनत बुकिंग की सवारी लेकर जबलपुर गया था। 1 मई को सुबह 9 बजे खेलन बाई मजदूरी करने के लिए बालाघाट आ गई थी घर में उसकी सास रामकली और दो बेटे थे। इसी दौरान सनत अपने घर पहुंचा और अचानक उसकी हालत खराब हो गई जिसके मुंह से झाग निकलने लगी थी। हालत बिगड़ती देख पड़ोसियों ने सनत को प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये थे। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक सनत का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। इस युवक के द्वारा कीटनाशक दवाई का सेवन करने की संभावना व्यक्त की गई है। किंतु किस वजह से कीटनाशक दवाई का सेवन किया यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। जिला अस्पताल पुलिस ने मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु ग्रामीण थाना भिजवा दी है। इस मामले की आगे मर्ग जांच ग्रामीण पुलिस द्वारा की जाएगी।

आवश्यकता है
पेट्रोल पंप में काम करने हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है युवतियों को विशेष प्राथमिकता
युवक-4 पद, युवती 4 पद, मेनेजर 2 पद,
वेतनमान-योग्यता अनुसार
सम्पर्क करें- रूसिया फ्यूल बालाघाट रोड़ ,
अभिषेक पेट्रोलियम चंदोरी कटंगी रोड़ वारासिवनी
मों.नं.6260987149, 7974436365,
9822219741, 9713298484

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन,
स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान,
शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि
सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट